हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

विराट कोहली 35 की उम्र के बाद हुए और...

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 01 अक्टूबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 217, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

अरब सागर में 3,000 करोड़ की ड्रग्स जब्त

गुजरात एटीएस-कोस्ट गार्ड का बड़ा ऑपरेशन

5 पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, 526 किलो हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद, लक्षद्वीप के पश्चिम में संदिग्ध ईरानी नाव को घेरकर दबोचा

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और भारतीय कोस्ट गार्ड ने संयुक्त अभियान में अरब सागर में अब तक की बड़ी मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई को अंजाम देते हुए करीब 526 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त ड्रग्स की कीमत रु. 3,000 करोड़ से अधिक आंकी गई है। इस मामले में नाव पर सवार पांच पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया है। जानकारी के अनुसार, गुजरात एटीएस, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और भारतीय कोस्ट गार्ड को विश्वसनीय खुफिया सूचना मिली थी कि अरब सागर के रास्ते बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इसके बाद संयुक्त अभियान चलाकर लक्षद्वीप के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में एक संदिग्ध ईरानी नाव की पहचान की गई और उसका लगातार पीछा किया गया। लंबी निगरानी के बाद सुरक्षा बलों ने नाव को रोककर तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन बरामद हुई। भारतीय कोस्ट गार्ड ने सोशल मीडिया पर अभियान की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 25 सितंबर 2026 को मिली खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सटीक निगरानी और तेज कार्रवाई के चलते सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की। तलाशी के दौरान नाव से 526 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3,000 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। नाव पर मौजूद पांचों पाकिस्तानी क्रू सदस्यों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मादक पदार्थों की खेप समुद्री मार्ग से आगे पहुंचाई जानी थी, हालांकि इसकी विस्तृत जांच जारी है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस तस्करी के पीछे कौन-सा अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट सक्रिय था, भारत में इसके संभावित नेटवर्क से किसका संबंध है और ड्रग्स की अंतिम खेप किस स्थान तक पहुंचाई जानी थी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कई और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। भारतीय कोस्ट गार्ड ने कहा है कि वह देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने और संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराधों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एसआईआर विवाद के बीच नए मतदाताओं को बड़ी राहत

फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा देना जरूरी नहीं

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-6 को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां नए मतदाताओं को फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा पत्र अनुलग्नक-डी देना जरूरी नहीं होगा। एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त जानकारी मांगे जाने को लेकर सवाल उठे थे। विवाद बढ़ने के बाद निर्वाचन आयोग ने उन राज्यों में ऑनलाइन फॉर्म-6 से इस अतिरिक्त घोषणा को हटा दिया है, जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

अब सिर्फ निर्धारित कानूनी फॉर्म भरना होगा : निर्वाचन आयोग के अनुसार, एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुके राज्यों में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के इच्छुक आवेदकों को अब निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसके साथ एसआईआर से संबंधित अतिरिक्त घोषणा देने की आवश्यकता नहीं होगी। आयोग ने 26 सितंबर की बैठक के बाद स्पष्ट किया था कि फॉर्म-6 से जुड़ी अतिरिक्त घोषणा एसआईआर की प्रक्रिया के लिए थी। एसआईआर के अलावा सामान्य अवधि

में नियमों के तहत निर्धारित वैधानिक फॉर्म का ही इस्तेमाल किया जाएगा। अतिरिक्त घोषणा पत्र के तहत नए आवेदकों को अपने या अपने माता-पिता तथा दादा-दादी अथवा नाना-नानी के पहले के गहन पुनरीक्षण के दौरान तैयार मतदाता सूची में दर्ज होने से संबंधित जानकारी देनी होती थी। अब जिन राज्यों में एसआईआर पूरा हो चुका है, वहां ईसीआईनेट पोर्टल और संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पोर्टल से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी गई है। हालांकि, जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया अभी जारी है, वहां ऑनलाइन फॉर्म-6 में यह घोषणा फिलहाल उपलब्ध है।

फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर उठे थे सवाल : फॉर्म-6 में अतिरिक्त घोषणा जोड़े जाने को लेकर राजनीतिक दलों और अन्य पक्षों की ओर से सवाल उठाए गए थे। इसी बीच यह भी सामने आया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने फॉर्म-6 में किए गए बदलाव पर आपत्ति जताई थी।

भारत-अमेरिका संबंधों में सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार से जुड़ी चुनौतियां: जयशंकर

एजेंसी। न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़ी चुनौतियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार से जुड़े मतभेदों के अलावा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दे भी द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करते हैं। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और रणनीतिक सहयोग व्यापक है, लेकिन व्यापार नीति से जुड़े मतभेदों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रही है। जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत का एक पड़ोसी लंबे समय से आतंकवाद को अपनी नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह केवल कूटनीतिक विषय नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। विदेश मंत्री के अनुसार, जब किसी देश के लिए कोई मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण हो और उसका सहयोगी उस चिंता को उसी गंभीरता से न देखे, तो इसका असर दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। भारत लंबे समय से पाकिस्तान

पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता रहा है और इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। जयशंकर की टिप्पणी को इसी व्यापक सुरक्षा संदर्भ में देखा जा रहा है। एशिया सोसाइटी के विश्लेषणों में भी भारत-अमेरिका संबंधों पर व्यापार, पाकिस्तान और व्यापक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रभाव का उल्लेख किया गया है। भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापार और शुल्क नीति भी महत्वपूर्ण विषय बनी हुई है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत के साथ-साथ अमेरिकी शुल्क नीति और रूस से भारत की ऊर्जा खरीद को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। एशिया सोसाइटी के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता में कृषि, ऊर्जा, वाहन और प्रौद्योगिकी समेत कई क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे शामिल रहे हैं। जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई बातचीत में भी व्यापार, शुल्क और अन्य द्विपक्षीय विषयों पर चर्चा हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय से संबद्ध व्यापार पोर्टल के अनुसार, दोनों देशों के बीच मजबूत व्यापार एवं निवेश संबंध हैं और विभिन्न क्षेत्रों में वाणिज्यिक सहयोग जारी है। एशिया सोसाइटी के कार्यक्रम में जयशंकर ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया आसान दौर से नहीं गुजर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों की सबसे बड़ी वजह देशों के बीच शक्ति संतुलन में हो रहा बदलाव है। उनके अनुसार, यह बदलाव ऐसे चरण में पहुंच गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियां नई सोच और नए तालमेल की चुनौती पैदा कर रही हैं तथा विभिन्न देशों की राजनीति को भी प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने शक्ति संतुलन में बदलाव को वर्तमान समय का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और बदलती वैश्विक वास्तविकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र अपने अस्तित्व के नौवें दशक में है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी सीएसआर दान मामले में आठ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, सैकड़ों करोड़ के फर्जीवाड़े का खुलासा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) दान

मामले में बुधवार को देश के चार राज्यों में आठ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय की टीम महाराष्ट्र में पांच, पश्चिम बंगाल में एक, गुजरात में एक और दिल्ली-एनसीआर में एक स्थान पर तलाशी ले रही है। यह कार्रवाई डॉ. धर्मेंद्र कुमार और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में की जा रही है। ईडी की तलाशी में बाजार संचालकों, ट्रस्टियों और बिचौलियों से जुड़े परिसरों को शामिल किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, अब तक की प्रारंभिक जांच में सैकड़ों करोड़ रुपये का कथित फर्जी सीएसआर नेटवर्क सामने आया है। इस नेटवर्क के जरिए अनिवार्य सीएसआर योगदान की राशि को कमीशन लेकर संबंधित कंपनियों या दानदाताओं तक वापस पहुंचाने की व्यवस्था किए जाने का पता चला है। जांच के दौरान ईडी को ऐसे ट्रस्टों के गठन के बारे में जानकारी मिली है, जिन्हें कथित तौर पर सीएसआर राशि को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने और अंततः दानदाताओं तक वापस भेजने के लिए विशेष रूप से बनाया गया था। एजेंसी के अनुसार, इन ट्रस्टों के माध्यम से सीएसआर के नाम पर दी गई राशि को कमीशन काटकर वापस दानदाताओं तक पहुंचाया जाता था।

केंद्र ने उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में 5,548 करोड़ की दलहन-तिलहन खरीद को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के लिए किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में दलहन एवं तिलहन की 5,547.99 करोड़ रुपये की उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद को मंजूरी दी है। सरकार के मुताबिक, इसका उद्देश्य बाजार भाव गिरने की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा देना और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। बुधवार को फैसले की जानकारी देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले और खरीद व्यवस्था पारदर्शी एवं सुगम हो। केंद्र सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश में 3,992.57 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसमें 4.66 लाख मीट्रिक टन तुअर की 3,937.70 करोड़ रुपये और 6,250 मीट्रिक टन मूंग की 54.87 करोड़ रुपये की खरीद शामिल है। कर्नाटक में दलहन एवं तिलहन किसानों से 1,107 करोड़ रुपये की उपज खरीदी जाएगी। इसमें 1.15 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन की 659.27 करोड़ रुपये, 38,250 मीट्रिक टन मूंग की 335.83 करोड़ रुपये और 13,413 मीट्रिक टन सूरजमुखी की 111.90 करोड़ रुपये की खरीद शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी 1 अक्टूबर को भारत मंडपम में यूपीएससी के शताब्दी समारोह में होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री समारोह को संबोधित भी करेंगे। यूपीएससी की स्थापना वर्ष 1926 में हुई थी। आयोग के गठन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पिछले वर्ष 1 अक्टूबर से वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 1 अक्टूबर को होने वाला यह समारोह इन शताब्दी आयोजनों का समापन कार्यक्रम होगा। शताब्दी समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री यूपीएससी शताब्दी स्मारक सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी करेंगे। इसके साथ ही वे 'भारत में यूपीएससी और लोक सेवा आयोगों की नीतियों को आकार देने वाले-100 ऐतिहासिक निर्णय शीर्षक वाली पुस्तक का भी विमोचन करेंगे। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्य, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, यूपीएससी के अधिकारी तथा देशभर से जुड़े अन्य हितधारक शामिल होंगे। यह समारोह यूपीएससी द्वारा 30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2026 को आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय कार्यक्रम का हिस्सा है। कार्यक्रम के पहले दिन 30 सितंबर को भारत मंडपम में 'शताब्दी समारोह-मंथन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रख्यात वक्ताओं के संबोधन के साथ विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। शताब्दी समारोह के माध्यम से यूपीएससी की 100 वर्षों की यात्रा, देश की लोक सेवा व्यवस्था में उसके योगदान तथा भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति, 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में आंदोलन

एजेंसी। नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की। यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई।

बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है और भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी कर रही है। चुनावों में लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराया जाना चाहिए। खरगे ने कहा कि विपक्षी दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकालेंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे। वे राष्ट्रपति को चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगे। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। इनके स्थान और तारीखों का फैसला बाद में होगा। दिल्ली में एक बड़ी रैली 1 नवंबर को आयोजित की जाएगी। खरगे ने विपक्षी दलों के लिए छह मांगें भी रखीं। इनमें भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल, मतदाता सूची में हर बदलाव की पूरी पारदर्शिता, किसी नाम को हटाने से पहले सूचना और अपील का अधिकार, पात्र मतदाताओं को प्रशासनिक कारणों से बाहर किए जाने से सुरक्षा, ईवीएम के बजाय बैलेट से मतदान और युवाओं के लिए सरल मतदाता पंजीकरण शामिल हैं।

रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी, कुसुम का समर्थन मूल्य 675 रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सीजन 2027-28 के लिए सभी अधिदेशित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सरकार के अनुसार, इस निर्णय का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। सरकार ने रबी सीजन की छह प्रमुख फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। कुसुम के एमएसपी में सबसे अधिक 675 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद रेपसीड एवं सरसों में 413 रुपये, मसूर में 390 रुपये, जौ में 136 रुपये, चना में 83 रुपये और गेहूं में 25 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। सरकार ने बताया कि एमएसपी में यह वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई उस घोषणा के अनुरूप है, जिसके तहत एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर निर्धारित करने का प्रावधान किया गया था। उत्पादन लागत की तुलना में अपेक्षित मार्जिन गेहूं के लिए 106 प्रतिशत है। इसके बाद रेपसीड एवं सरसों के लिए 96 प्रतिशत, मसूर के लिए 92 प्रतिशत, चना के लिए 59 प्रतिशत, जौ के लिए 58 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत मार्जिन निर्धारित किया गया है।

लॉरेटो कॉन्वेंट में 'लिटिल वुमन' की शानदार प्रस्तुति, डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। डोरंडा स्थित लॉरेटो कॉन्वेंट स्कूल में बुधवार को सीनियर स्कूल कॉन्सर्ट-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची के (डीसी) मंजूनाथ भजंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने प्रसिद्ध उपन्यासकार लुइसा मे अलकॉट की कालजयी कृति 'लिटिल वुमन' पर आधारित शानदार मंचीय प्रस्तुति दी। संगीत, नृत्य एवं नाट्य के समन्वय से प्रस्तुत कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने

छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि मंच पर दिखाई देने वाले शानदार प्रदर्शन के पीछे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पूरे विद्यालय परिवार की मेहनत और टीमवर्क महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्राओं के अनुशासन, समन्वय, आत्मविश्वास और प्रस्तुति में दिखे परफेक्शन की प्रशंसा करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

इंडी गठबंधन राहुल को अपना नेता मानने को तैयार नहीं, बैठक से पहले ही बिखरा: चौहान

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंडिया ब्लॉक की दिल्ली में बैठक से पहले विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बुधवार को दावा किया कि बैठक शुरू होने से पहले ही इंडी गठबंधन बिखर गया है। चौहान ने कहा कि डीएमके बैठक में शामिल नहीं हो रही है, अखिलेश कहीं और व्यस्त हैं, आप ने इनकार कर दिया और उद्धव ठाकरे वर्चुअली शामिल होंगे। चौहान ने इस स्थिति के पीछे का कारण बताते हुए कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि इंडी गठबंधन राहुल गांधी को अपना नेता मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कटाक्ष किया कि जब कांग्रेस के अंदर ही राहुल

गांधी की लीडरशिप को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया जाता, तो देश उन्हें नेता के तौर पर कैसे स्वीकार करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्री चौहान ने वोटर लिस्ट के मुद्दे पर भी कांग्रेस और विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एक साफ-सुथरी वोटर लिस्ट लोकतंत्र की आत्मा होती है। अगर गलत नाम जोड़े जाते हैं, तो लोकतंत्र ही खतरे में पड़ जाता है, जो लोग अब जीवित नहीं हैं, उनके नाम हटाने पर क्या आपत्ति हो सकती है? उन्होंने साफ किया कि वोटर लिस्ट स्वच्छ और स्पष्ट होनी चाहिए। विपक्ष द्वारा वोटर लिस्ट के मुद्दे पर पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाने के सवाल पर चौहान ने कहा कि वे जमीनी स्तर पर चुनाव नहीं जीत सकते। जब वे हारते हैं, तो अपनी हार का दोष पीएम पर मढ़ देते हैं। उन्होंने कहा कि अब देश की जनता समझ गई है कि ये लोग वोट चोरी का बहाना बनाते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि लोगों ने ऐसे दलों को वोट देना बंद कर दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का यह बयान उस समय आया है जब विपक्ष लगातार वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोप लगा रहा है।

सिंधु समझौता: 17 महीने बाद भी पाकिस्तान का पानी क्यों नहीं रोक पाया भारत ?

विशेषज्ञ बोले- नदियों का पानी रोकना घर के नल की टोटी बंद करने जैसा नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

आतंकवाद को पनाह देने वाले पाकिस्तान के खिलाफ खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता की नीति पर चलते हुए भारत ने 23 अप्रैल 2025 को सिंधु जल समझौते को रोकने का फैसला किया था। हालांकि, इस फैसले के 17 महीने बीत जाने के बाद भी, पाकिस्तान को जाने वाली पश्चिमी नदियों का पानी जमीनी स्तर पर पूरी तरह रुक नहीं पाया है, जिससे इस बड़े कूटनीतिक कदम के वास्तविक प्रभाव पर सवाल उठ रहे हैं। यह फैसला पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन आया था। तत्कालीन विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने तब स्पष्ट किया था कि जब तक सीमा पार से होने वाला आतंकवाद पूरी तरह बंद नहीं हो जाता, तब तक यह समझौता रुका रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंधु

जल संधि के तहत सिंधु नदी सिस्टम की छह प्रमुख नदियों को भारत और पाकिस्तान के बीच बांटा गया है। रावी, ब्यास और सतलुज के पानी पर भारत का अधिकार है, जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब का ज्यादातर पानी पाकिस्तान के लिए तय है। हालांकि, भारत को पश्चिमी नदियों के पानी का इस्तेमाल घरेलू जरूरतों, बिजली उत्पादन, खेती और पीने के लिए करने की छूट मिली है, और वह इन नदियों पर 3.6 मिलियन एकड़-फीट तक पानी जमा करने के लिए बांध भी बना सकता है। नदियों के विशेषज्ञ बताते हैं कि समझौते को रोकने के ऐलान के बावजूद भारत पश्चिमी नदियों का एक बूंद भी अतिरिक्त पानी इस्तेमाल इसलिए नहीं कर पाया है क्योंकि नदियों का पानी रोकना कोई घर के नल की टोटी बंद करने जैसा नहीं है। इसके लिए बड़े-बड़े बांधों, जलाशयों और नहरों जैसे विशाल बुनियादी ढांचे की जरुरत होती है, जिसके निर्माण में शुरुआती सर्वे, विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट, पर्यावरण संबंधी मंजूरियां, हजारों करोड़ रुपए का बजट और कई सालों तक चलने वाला निर्माण कार्य शामिल होता है। वर्तमान में भारत के पास पश्चिमी नदियों पर केवल 1 एमएएफ पानी जमा करने की क्षमता मौजूद है, जबकि संधि में उसे 3.6 एमएएफ तक पानी जमा करने की कानूनी इजाजत है, जिस रफ्तार से अभी काम चल रहा है, उसे देखते हुए भारत 2030 तक भी इस 3.6 एमएएफ की सीमा को शायद ही छू पाएगा।

दिल्ली के लिए इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम', 42 कोरिडोर का होगा प्रबंधन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक के बेहतर प्रबंधन और उसमें सुधार के लिए केंद्र सरकार ने 'इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' को मंजूरी दी है। इससे दिल्ली के 2,242 महत्वपूर्ण ट्रैफिक कॉरिडोर का वास्तविक समय में प्रबंधन होगा। इसके लिए 1,789.52 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। वहीं, केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। इसके तहत एआई का उपयोग करने वाले ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। यह सिग्नल यातायात की स्थिति को देखते हुए ट्रैफिक लाइट के समय को बदलेंगे। आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस व्यवस्था की यह विशेषता होगी कि यह ट्रैफिक जाम और किसी तरह के सड़क हादसे की त्वरित पहचान संभव होगी। इससे वाहन चालकों को ट्रैफिक के बारे में यथासमय जानकारी मिलेगी और उन्हें डायवर्जन या पार्किंग की भी जानकारी दी जाएगी। इस परियोजना में 1,092 अनुकूली यातायात नियंत्रण प्रणाली और 1,029 प्रवर्तन स्थल शामिल होंगे।

असम के सोनितपुर में ट्राई का नेटवर्क परीक्षण, डाउनलोड स्पीड में जियो और अपलोड स्पीड में एयरटेल आगे

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के असम के सोनितपुर जिले में किए गए स्वतंत्र नेटवर्क परीक्षण में रिलायंस जियो की सेवाएं डाउनलोड स्पीड के मामले में सबसे आगे रहीं। वहीं, बीएसएनएल की औसत डाउनलोड स्पीड सबसे कम दर्ज की गई। परीक्षण में जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 221.18 एमबीपीएस रही, जबकि एयरटेल की 116.11 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 20.04 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 11.72 एमबीपीएस दर्ज की गई। केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से बुधवार को बताया गया कि ट्राई ने अगस्त में असम एलएसए के तहत सोनितपुर जिले में एयरटेल, बीएसएनएल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया की मोबाइल नेटवर्क सेवाओं का स्वतंत्र परीक्षण किया। इसमें कॉल ड्रॉप, नेटवर्क कवरेज, कॉल गुणवत्ता तथा इंटरनेट की डाउनलोड और अपलोड गति समेत विभिन्न मानकों का आकलन किया गया। ट्राई ने 10 से 13 अगस्त के बीच सोनितपुर जिले में स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट किया। इस दौरान करीब 308 किलोमीटर क्षेत्र में ड्राइव टेस्ट, 10 हॉटस्पॉट स्थानों पर परीक्षण और 1.6 किलोमीटर का वॉक टेस्ट किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर पर भ्रम फैलाकर भरोसा नहीं जीत सकता इंडी गठबंधन : राजीव रंजन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा है कि एसआईआर के मुद्दे पर भ्रम फैलाकर इंडी गठबंधन जनता का भरोसा नहीं जीत सकता। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन के घटक दलों में विभिन्न मुद्दों पर एकराय नहीं है। इंडी गठबंधन की बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, डीएमके और आम आदमी पार्टी के शामिल नहीं होने पर उन्होंने गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठाया। राजीव रंजन ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करने का सभी को अधिकार है, लेकिन बिहार में एसआईआर के दौरान यदि विपक्ष मतदाताओं के अधिकारों को लेकर गंभीर था तो उसने आपत्तियां क्यों नहीं दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार बिहार में मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी शुद्धता के साथ हुई और विधानसभा चुनाव के दौरान किसी बूथ पर पुनर्मतदान की स्थिति नहीं बनी। उन्होंने विपक्षी दलों पर चुनाव परिणाम के आधार पर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रुख पर भी उन्होंने टिप्पणी की। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस पर पूर्व में निर्वाचन संबंधी संस्थाओं में नियुक्तियों को लेकर राजनीतिक पक्षपात के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की घोषित गतिविधियों में कितने घटक दल कांग्रेस के साथ आते हैं, यह आगे स्पष्ट होगा।

मिथिला मखाना पहली बार ग्रीस पहुंचा, कृषि निर्यात को मिली नई उड़ान

पटना/पूर्णिया। जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक खेप बुधवार को पूर्णिया से ग्रीस के लिए रवाना की गई। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने ऑनलाइन माध्यम से खेप को रवाना किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधीन एपीडा के सहयोग से हुए इस निर्यात को बिहार के मखाना किसानों, एफपीओ और निर्यातकों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। कृषि मंत्री ने कहा कि मखाना बिहार की पहचान के साथ किसानों की मेहनत का परिणाम है और यूरोपीय बाजार तक इसकी पहुंच वैश्विक स्वीकार्यता का संकेत है। उन्होंने मखाना की खेती को आसान, आधुनिक और अधिक लाभकारी बनाने के लिए कृषि विश्वविद्यालय को शोध एवं यंत्रीकरण पर जोर देने का निर्देश दिया। सिन्हा ने कहा कि देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी करीब 80 से 85 प्रतिशत है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से अधिक देशों को 7200 मीट्रिक टन से अधिक मखाना एवं मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्यात किया। उन्होंने बताया कि जीआई टैग वाला मिथिला मखाना अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब ग्रीस भी पहुंचा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि निर्यात नीति तैयार की जा रही है। एक्सपोर्ट पैक हाउस जैसी सुविधाओं के जरिए किसानों और एफपीओ को वैश्विक बाजार से जोड़ने तथा कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास जारी है।

मंदिर न्यास समिति की बैठक में विकास एवं व्यवस्था पर चर्चा

पटना सिटी। अनुमंडल कार्यालय में श्री गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर न्यास समिति की महत्वपूर्ण बैठक अनुमंडल पदाधिकारी सह समिति की अध्यक्ष आईएएस कशिश बख्शी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मंदिर से जुड़े विभिन्न विषयों एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक के सफल संचालन एवं समापन के बाद मंदिर न्यास समिति की ओर से अनुमंडल पदाधिकारी कशिश बख्शी को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। समिति के सदस्यों ने उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बेरोजगारी दूर करने को स्टार्टअप क्रांति जरूरी : अशोक वर्मा

पटना। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक वर्मा ने बिहार में बेरोजगारी दूर करने के लिए स्टार्टअप और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि युवाओं में प्रतिभा और नए विचारों की कमी नहीं है, लेकिन मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता और बाजार से जुड़ाव के अभाव में उनकी योजनाएं आगे नहीं बढ़ पातीं। उन्होंने हर जिले में 'स्टार्टअप मार्गदर्शन एवं सुविधा केंद्र' खोलने की मांग की, जहां पंजीकरण, सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और बाजार से संबंधित जानकारी एक जगह उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, कौशल विकास और आसान वित्तीय सहायता को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बनाया जा सकता है।

इंडियन आर्मी की 14वीं बिहार बटालियन की स्वर्ण जयंती रैली, बिहार रेजीमेंटल सेंटर से अगले पड़ाव के लिए निकली

पटना। पटना के दानापुर स्थित 14वीं बिहार बटालियन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में निकाली जा रही स्वर्ण जयंती बाइक रैली बुधवार को दानापुर छावनी से अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। 'प्रोजेक्ट शौर्य संबंध' के तहत आयोजित रैली को ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 12 राइडरों का दल शामिल है, जो करीब 1,840 किलोमीटर की यात्रा पूरी करेगा। इसका उद्देश्य बटालियन की गौरवशाली परंपराओं को लोगों तक पहुंचाने के साथ युवाओं को सेना की सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित करना है। **24 सितंबर को कोलकाता से शुरू हुई थी रैली:** स्वर्ण जयंती रैली की शुरुआत 24 सितंबर को कोलकाता के फोर्ट विलियम से हुई थी। इसके बाद राइडर ओडिशा और झारखंड से होते हुए 28 सितंबर की शाम दानापुर पहुंचे। दानापुर छावनी में रैली का स्वागत किया गया। इसके बाद 29 सितंबर को रैली दल ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से मुलाकात की। **पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से सुने अनुभव:** राइडरों ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से बातचीत कर उनके सैन्य जीवन और सेवा के अनुभव सुने। इस दौरान राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। 'प्रोजेक्ट शौर्य संबंध' के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी और पूर्व सैनिकों के बीच जुड़ाव को मजबूत करना भी है। **गया और धनबाद होते हुए आगे बढ़ेगी रैली:** दानापुर से रवाना होने के बाद रैली गया और धनबाद होते हुए आगे बढ़ेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेना से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रैली का समापन वापस कोलकाता पहुंचने के बाद होगा। आयोजन के जरिए युवाओं को सेना की परंपराओं, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना से जोड़ने का संदेश दिया जा रहा है।

बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बी0एम0एस0आई0सी0एल0) ने 30 करोड़ रूपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को सौंपा, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बी०एम०एस०आई०सी०एल०) ने 30 करोड़ रूपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिये बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बी०एम०एस०आई०सी०एल०) का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत, स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि, बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (बी०एम०एस०आई०सी०एल०) के प्रबंध निदेशक सुब्रत कुमार सेन उपस्थित थे।

विधान परिषद की आठ सीटों पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा एनडीए : संजय सरावगी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार विधान परिषद की आगामी आठ सीटों के चुनाव को लेकर एनडीए ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में एनडीए के घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। इसमें चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय और साझा रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. डीएन सिन्हा सहित अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद संजय सरावगी ने कहा कि एनडीए सभी आठ सीटों पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय और साझा रणनीति के साथ तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी घटक दल के नेता या कार्यकर्ता को कोई समस्या या सुझाव हो तो वे संगठन के वरिष्ठ नेताओं और मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रख सकते हैं। बैठक में सरकार के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने चुनाव में गठबंधन की साझा तैयारियों को लेकर एकजुटता जताई।

"राजभाषा पखवाड़ा-2026" का हुआ समापन,मंडल रेल प्रबंधक ने प्रतिभागी किये गए पुरस्कृत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।14 सितंबर- 2026 से प्रारंभ हुए "राजभाषा पखवाड़ा-2026" का आज अधिकारियों के क्विज़ प्रतियोगिता के साथ-साथ मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई । राजभाषा पखवाड़ा- 2026 के दौरान मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा 14 सितंबर 2026 को दीप प्रज्वलित कर "हिन्दी दिवस" का शुभारंभ किया गया था। इसी क्रम में आज अधिकारियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, अभिनव सिद्धार्थ प्रथम, सुनील कुमार झा, सहायक सामग्री प्रबंधक, द्वितीय एवं विराज सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक को तृतीय पुरस्कार मिला। जिन्हें मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के अलावे 30.09.2026 को मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय संबोधन में समिति के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया की, वे अपने दैनिक काम-काज में सरल हिन्दी के शब्दों का प्रयोग करें तथा अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को देवनागरी हिन्दी लिपि मे लिखें लेकिन उस हिन्दी का अर्थ अपने मूल उद्देश्य से अलग न हो जाए । उन्होंने सदस्यों को निर्देशित किया कि आप अपने कार्यालयों में ई-ऑफिस में हिन्दी का प्रयोग अधिकाधिक करें। बैठक को संबोधित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी राजीव कुमार ने विस्तार से पखवाड़े के दौरान हुए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जानकारी दी। राजभाषा प्रदर्शनी में हिन्दी में काम-काज के लिए रेल सुरक्षा बल को प्रथम, भंडार विभाग को द्वितीय एवं संरक्षा विभाग को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी राजीव कुमार एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/ओपी वीरेंद्र कुमार सहित सभी शाखा अधिकारी एवं रेलकर्मी मौजूद हुए। कार्यक्रम का संचालन शेखर नाथ झा,राजभाषा अधिकारी ने किया।

मंत्री लखेंद्र पासवान ने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता और राहत कार्यों में सहयोग के लिए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र पासवान ने अपने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर यह राशि राहत कोष में दी। मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में वे स्वयं और पूरी एनडीए सरकार बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री राहत कोष आपदा की परिस्थितियों में प्रभावित लोगों की सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम है। मंत्री ने आम लोगों से भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार राहत कोष में सहयोग करने की अपील की, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक राहत अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सके।

इंडी एलायंस की बैठक हारे हुए नेताओं का मिलन समारोह (गेट-टुगेदर): ऋतुराज सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भाजपा के राष्ट्रीय संकुल प्रकोष्ठ के सह-संयोजक ऋतुराज सिन्हा ने इंडी एलायंस की बैठक पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने इस बैठक को जनता से नकारे और हारे हुए नेताओं का मिलन समारोह करार दिया है। सिन्हा ने विपक्ष के इस गठबंधन को बिना किसी नीति और विज़न का कुनबा बताया। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि इस बैठक का देश या लोक-नीति से कोई सरोकार नहीं है। यह सिर्फ कांग्रेस के डूबते जहाज को सहारा देने और राहुल गांधी के विफल नेतृत्व को राजनीतिक ऑक्सीजन देने की एक और हताश कोशिश है। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, यह गठबंधन जनता के बीच जाने के बजाय अपनी नाकामी छुपाने का बहाना ढूंढने लगता है। विपक्ष चुनाव आयोग की संवैधानिक 'विशेष गहन संशोधन' (SIR) प्रक्रिया और ईवीएम पर रोना रोने की अग्रिम बुकिंग कर लेता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बदनाम करना अब विपक्ष का स्थायी एजेंडा बन चुका है। भानुमति के इस कुनबे में राजद के तेजस्वी यादव भी अपनी बची-खुची सियासी जमीन तलाश रहे हैं। सिन्हा ने कहा कि जिनके पास अपने राज्य के विकास के लिए कोई विज़न नहीं बचा, वे अब दिल्ली में बैठकर देश सुधारने का ढोंग कर रहे हैं। तेजस्वी यादव की राजनीति केवल तुष्टिकरण के भरोसे टिकी है और यह बैठक बिहार में उनकी खिसकती साख को बचाने का आखिरी मौका मात्र है। उन्होंने अंत में कहा कि न तो कांग्रेस के पास कोई स्पष्ट नीति है और ना ही इंडी अलायंस में शामिल राजद जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के पास कोई सही नीयत। देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासवाद को चुन चुकी है और विपक्ष की इस नकारात्मक व अवसरवादी 'बहानेबाजी की सियासत' को सिरे से खारिज कर दिया है। जनता इंडी एलायंस के डूबते जहाज पर कभी भरोसा नहीं करेगी।

कुर्जी में 7 लाख, गर्दनीबाग में 5 लाख की चेन झपटी, बाइक सवार लड़की ने की छिनतई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के कुर्जी मोड़ के पास बुधवार सुबह बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति के गले से करीब 7 लाख रुपए कीमत की सोने की चेन झपट ली। वारदात सुबह करीब 7:50 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान कुर्जी मोड़ निवासी पंकज कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद बाइक सवार दोनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालकर उनकी पहचान में जुटी है। **पार्षद कार्यालय जाने के दौरान वारदात:** पंकज कुमार ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार सुबह करीब 7:40 बजे घर से पार्षद कार्यालय जाने के लिए निकले थे। कुर्जी मोड़ के पास पहुंचते ही एक बाइक पर सवार दो लोग उनके पास आए। बाइक एक युवक चला रहा था, जबकि उसके पीछे एक लड़की बैठी थी। आरोप है कि बाइक सवारों ने मौका देखकर पंकज कुमार के करीब बाइक की और पीछे बैठी लड़की ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली। **शोर मचाने तक फरार हो चुके थे आरोपी:** चेन झपटने के बाद दोनों बाइक सवार तेजी से मौके से फरार हो गए। पंकज कुमार ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुके थे। पीड़ित के मुताबिक, छिने गए चेन की कीमत करीब 7 लाख रुपए है। **गर्दनीबाग में 5 लाख की चेन झपटी:** इसके अलावा राजधानी के गर्दनीबाग इलाके में भी सुबह के वक्त चेन स्नेचिंग की वारदात हुई है। बाइक सवार बदमाशों ने 5 लाख की चेन झपट ली है। पीड़ित राकेश सिंह ने बताया कि वे पेशे से ठीकेदार हैं। आज सुबह मॉर्निंग वॉक कर के लौट रहे थे। साधनापुरी पार्क के पास वे सब्जी खरीदने लगे। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो बदमाश आए और चेन झपट ली।' उन्होंने बताया, बाइक के पीछे महिला बैठी थी, उसी ने चेन झपटी। मैंने और आसपास के लोगों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन वे बहुत तेजी से फरार हो गए।' **CCTV फुटेज से पहचान की कोशिश:** घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों घटनास्थल पर पटना पुलिस पहुंची और पीड़ितों से पूरी जानकारी ली। पुलिस आसपास के दुकानों और रास्तों पर लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। बाइक के आने-जाने वाले रास्ते की CCTV फुटेज भी देखी जा रही है, ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर निर्देश, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की याचिका पर सुनवाई

नई सोच एक्सप्रेस

♦ केंद्र से भारतीय कानूनों के पालन के लिए जरूरी नियम बनाने को कहा

हाजीपुर।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की सुरक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जरूरी कानूनी नियम बनाने पर विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए, जिससे सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हों। यह मामला हाजीपुर में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा और उनके शोषण से जुड़े खतरों को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की मांग की गई थी। **प्लेटफॉर्म से अनुबंध के लिए 18 वर्ष की उम्र का पालन:** मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई की। पीठ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ अनुबंध के संदर्भ में 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा से जुड़े प्रावधानों के पालन पर जोर दिया। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने केंद्र सरकार से इस व्यवस्था को इंटरमीडियरी नियमों में शामिल करने की दिशा में कदम उठाने को कहा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार इस मुद्दे की जांच करेगी और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाएगी। **बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने की मांग:** याचिकाकर्ता संस्था की ओर से बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण, ट्रैफिकिंग, सेक्सटॉर्शन और साइबर बुलिंग जैसे खतरों से बचाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जवाबदेही तय करने की मांग की गई थी। स्व.कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को बच्चों की सुरक्षा से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन करना जरूरी होना चाहिए। उनके मुताबिक, सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच नाबालिगों को ऑनलाइन शोषण और साइबर अपराधों से बचाने के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है। **क्या है याचिका का आधार:** जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा के लिए कानूनी और नियामकीय व्यवस्था मजबूत करने की मांग की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से आवश्यक नियम बनाने और मौजूदा इंटरमीडियरी नियमों में जरूरी प्रावधान शामिल करने पर विचार करने को कहा है।

बहादुरपुर में आधुनिक आवासीय विकास का मार्ग प्रशस्त, एनबीसीसी के साथ होगा एमओयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिहार राज्य आवास बोर्ड की बहादुरपुर, सेक्टर-6, पटना स्थित जर्जर आवासीय कॉलोनी के स्व-वित्तपोषित पुनर्विकास (रिडेवलपमेंट) की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में बताया कि इसी प्रकार बहादुरपुर, सेक्टर-5 में टीवी टावर के निकट बिहार राज्य आवास बोर्ड की लगभग 8.5 एकड़ भूमि पर स्व-वित्तपोषित परियोजना के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिएएनबीसीसी(इंडिया) लिमिटेड. के साथ एमओयू करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई है। नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के दूरदर्शी विज़न और सशक्त नेतृत्व में बिहार के शहरी क्षेत्रों के समग्र एवं आधुनिक विकास को नई दिशा मिल रही है। बहादुरपुर की आवासीय परियोजनाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी तथा मंत्रिपरिषद के सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

मैट्रिक-इंटर 2027 के छूटे विद्यार्थियों को रजिस्ट्रेशन का अंतिम मौका

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक वार्षिक परीक्षा 2027 के लिए रजिस्ट्रेशन से वंचित विद्यार्थियों को विशेष अवसर दिया है। समिति के अध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने बताया कि छूटे हुए विद्यार्थियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं अनुमति आवेदन 1 से 6 अक्टूबर 2026 तक कराया जा सकेगा। इस अवधि में विलंब शुल्क के साथ रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क जमा करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए intermediate.biharboardonline.com तथा मैट्रिक के लिए secondary.biharboardonline.org या biharboardonline.org पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क जमा करने की व्यवस्था की गई है। समिति ने संबंधित शिक्षण संस्थानों को निर्धारित अवधि में छूटे हुए विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

जल्दी रिटायरमेंट की चाहत बढ़ी, वित्तीय तैयारी पीछे

पटना। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस और कांतार की 'भरोसा टॉक्स इंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी 6.0' के अनुसार 10 में से सात शहरी भारतीय आर्थिक रूप से सक्षम होने पर पारंपरिक उम्र से पहले रिटायर होना चाहते हैं। इनमें करीब आधे लोग 50 वर्ष से पहले वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, उनकी वित्तीय तैयारी अभी अपेक्षाकृत पीछे है। अध्ययन के मुताबिक शहरी भारतीयों ने अपने लक्षित रिटायरमेंट फंड का औसतन केवल 28 प्रतिशत ही जमा किया है। महज 11 प्रतिशत लोगों को भरोसा है कि उनकी बचत जीवनभर चलेगी, जबकि 39 प्रतिशत को लगता है कि रिटायरमेंट फंड पांच साल भी नहीं चल पाएगा। 45 वर्ष से अधिक आयु के 82 प्रतिशत लोगों को नियमित आय के लिए काम जारी रखने की आशंका है। वहीं, Gen Z के 62 प्रतिशत लोग रिटायरमेंट के लिए निवेश शुरू कर चुके हैं। 2026 में आइरिस स्कोर 49 रहा, जो 2025 के 48 से अधिक है।

टीसीआई के रक्तदान अभियान में 1,734 कर्मचारियों और सहयोगियों ने लिया हिस्सा

पटना। ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) ने अपने संस्थापक प्रभु दयाल अग्रवाल की स्मृति में 14 से 20 सितंबर तक देशव्यापी रक्तदान अभियान चलाया। सात दिवसीय अभियान के दौरान 68 से अधिक स्थानों पर आयोजित शिविरों में 1,734 कर्मचारियों और सहयोगियों ने रक्तदान किया। इनमें 1,641 पुरुष और 93 महिलाएं शामिल रहीं। रक्तदान शिविर कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, पुणे, पटना, लखनऊ, हैदराबाद, बेंगलुरु, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद सहित देश के विभिन्न शहरों में लगाए गए। कंपनी के अनुसार, अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों और स्वास्थ्य संस्थानों को सहयोग देने के साथ कर्मचारियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। टीसीआई ने कहा कि यह पहल संस्थापक प्रभु दयाल अग्रवाल की सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का प्रयास है। कंपनी के अनुसार, अग्रवाल भारतीय ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के अग्रदूतों में शामिल थे और स्वास्थ्य क्षेत्र से भी उनका जुड़ाव रहा।

गांधी और शास्त्री के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत

हाजीपुर। सेनानी-सदन के रवीन्द्र कुमार रतन ने अपने लेख में 2 अक्टूबर को जन्मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-दर्शन को भारत की नैतिक परंपरा के दो महत्वपूर्ण पड़ाव बताया है। उन्होंने कहा कि गांधी ने सत्य, अहिंसा और स्वावलंबन के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाया, जबकि शास्त्री ने सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति से स्वतंत्र भारत को आत्मविश्वास का मार्ग दिखाया। लेख में गांधी के दक्षिण अफ्रीका संघर्ष से लेकर चंपारण, दांडी और भारत छोड़ो आंदोलन तक के योगदान तथा शास्त्री के संघर्षपूर्ण जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी और प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका का उल्लेख किया गया है। रतन ने कहा कि दोनों महापुरुषों की महानता पद या वैभव में नहीं, बल्कि उनके चरित्र और जनसेवा में थी। उन्होंने कहा कि गांधी का सत्य-अहिंसा और शास्त्री की सादगी, अनुशासन व कर्तव्यनिष्ठा आज भी समाज और सार्वजनिक जीवन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। महापुरुषों को याद करने के साथ उनके आदर्शों को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व मध्य रेल द्वारा मात्र 182 दिनों में 100 मीलियन टन का किया गया माल लदान

पटना। पूर्व मध्य रेल ने माल लदान के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल से 29 सितम्बर, 2026 तक मात्र 182 दिनों में 100.41 मिलियन टन माल लदान किया गया। यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में किये गये लदान से 5.17 मिलियन टन अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 01 अप्रैल से 29 सितम्बर, 2025 तक 95.24 मिलियन टन माल लदान किया गया था। वहीं, पिछले वित्तीय वर्ष में 100 मिलियन टन का आंकड़ा 10 अक्टूबर, 2025 को अर्थात 193 दिनों में हासिल किया गया था। इस प्रकार, पूर्व मध्य रेल ने इस वर्ष 100 मिलियन टन का आंकड़ा 11 दिन पहले ही पार कर लिया है। माल लदान में हुई यह वृद्धि पूर्व मध्य रेल द्वारा बेहतर परिचालन प्रबंधन, मालगाड़ियों की सुचारू आवाजाही तथा ग्राहकों को उपलब्ध कराई जा रही बेहतर माल परिवहन सुविधाओं को दर्शाती है। पूर्व मध्य रेल द्वारा माल लदान में निरंतर वृद्धि के लिए लोडिंग क्षमता के बेहतर उपयोग, मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा रेल परिवहन को अधिक सुविधाजनक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पूर्व मध्य रेल की यह उपलब्धि भारतीय रेल के माल परिवहन को सुदृढ़ करने तथा देश की अर्थव्यवस्था के विकास में रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बाढ़ में सरार्फा कारोबारी दीपक पर जानलेवा हमला, पुलिस अपराधी को पकड़ पाने में नाकामयाब

बाढ़ (पटना)। पटना जिला अंतर्गत अस्पताल चौक के नजदीक एक ज्वेलरी दूकान में सरार्फा कारोबारी दीपक कुमार पर हुई जानलेवा हमले और हथौड़े से सर फाड़ने के मामले में बाढ़ पुलिस की नाकामयाबी पर उंगलियाँ उठ रही है। सनद रहे कि पिछले दिनों बाढ़ में एक सरार्फा कारोबारी दीपक कुमार के दूकान में दो अपराधी ग्राहक बनकर आए और जेवरात दिखाने के लिए कहा। उन दोनों ने यह भी कहा कि मैं ऑनलाइन पेमेंट दूगा। सरार्फा कारोबारी दीपक ज्योहि जेवरात दिखाने के लिए झुका। अपराधियों ने हथौड़े से सिर पर वार (हमला) कर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया और भाग खड़े हुए। घायल को तत्काल अनुमण्डलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ प्राथमिक उपचार कर दीपक को पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिन्ताजनक अवस्था में भेज दिया गया। पुलिस द्वारा नजदीक के सीसीटीवी कैमरे को खंडाला गया। प्राथमिकी भी दर्ज किया गया। सघन जांच भी की गई परन्तु कोई परिणाम हासिल नहीं हुआ। पुलिस के इस तरह से थीमी कार्वाही से लोगों में असंतोष व्याप्त है। साथ ही पुलिसिया कार्यवाही पर उंगलियाँ भी उठने लगी है। सामाजिक कार्यकर्ता जय कुमार सोनी ने पुलिस प्रशासन से अविलंब अपराधियों की गिरफ्तारी और घायल दीपक को मुआबजा देने की मांग किया है।

श्रुति ने बढ़ाया बिहार का मान प्राकृतिक कृषि पर दिया बल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बजाज फाउंडेशन एवं विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 10वें धेय कार्यक्रम में प्रेम यूथ फाउंडेशन की बेटी श्रुति को प्राकृतिक कृषि में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान पत्र प्रदान किया गया।यह कार्यक्रम राजस्थान में आयोजित हुआ, जहाँ देशभर के युवा कृषि उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। श्रुति ने प्राकृतिक कृषि, जैविक खेती और शिक्षा के क्षेत्र में अपने प्रयासों से सबका ध्यान खींचा। बजाज फाउंडेशन के हरि भाई मोरी ने कहा कि बिहार की बेटियाँ अब खेती में भी नया प्रयोग कर रही हैं, जो 'लैब टू लैंड' का सबसे अच्छा उदाहरण है। प्रेम यूथ फाउंडेशन के निदेशक देवानंद ने कहा कि श्रुति हम सबके लिए प्रेरणा है। पटना की मिट्टी से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है । वही फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर नीतीश ने बताया कि अंधाधुंध रसायनिक खाद एवं किट नाशक के प्रयोग से भारत माता कराह रही है । मिट्टी में नाइट्रेड की मात्रा काफी बढ़ गया है जिससे कैंसर, असमय बाल सफेद होना, दम्मा , चर्म रोग तेजी से फैल रहा है वही प्रकृतिक कृषि से उत्पादित फल एवं सब्जी पौष्टिक एवं अधिक दिनों तक टिकाऊ होता है । उन्होंने प्रकृतिक कृषि अपनाने का आह्वान किया है ।

आधार प्रमाणीकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बिहार को 'State Pragati Award'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। आधार प्रमाणीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने 'State Pragati Award – Best Authentication Turnaround' से सम्मानित किया है। कोलकाता में 29 सितंबर को आयोजित 5वें आधार संवाद कार्यक्रम में यह सम्मान प्रदान किया गया। सूचना प्रावैधिकी मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि UIDAI के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय ने आधार प्रमाणीकरण के क्षेत्र में बिहार के प्रदर्शन की विशेष सराहना की और राज्य को देशभर में Best Performing State के रूप में मान्यता दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान राज्य में डिजिटल सेवाओं के प्रभावी और सुगम क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मिश्रा के अनुसार, बिहार में प्रतिदिन पांच लाख से अधिक आधार प्रमाणीकरण किए जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर हो रहे प्रमाणीकरण के समयबद्ध निष्पादन से राज्य में डिजिटल सेवाओं की पहुंच मजबूत हुई है तथा नागरिकों का डिजिटल सेवा तंत्र के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन तथा विभागीय अधिकारियों और कर्मियों के निरंतर प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नागरिक-केंद्रित, सुरक्षित, पारदर्शी और प्रभावी डिजिटल व्यवस्था के निर्माण के प्रति बिहार सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

महिला और नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बिहार में बनेगा मजबूत 'नेटवर्क ऑफ केयर'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। "कोई भी महिला स्वास्थ्य सेवाओं की कमी या समन्वय के अभाव के कारण पीछे न छूटे" इसी उद्देश्य के साथ एम्स पटना ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए मंगलवार को एक उच्चस्तरीय राउंडटेबल का आयोजन किया। "नो वुमन फॉल्स थ्रू द गैपः बिल्डिंग ए नेटवर्क ऑफ केयर फ्रॉम प्री-प्रेग्नेंसी टू पोस्टनेटल पीरियड" विषय पर आयोजित इस संवाद में नीति-निर्माताओं, चिकित्सकों, जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों, स्वास्थ्यकर्मियों, पेशेवर संगठनों, सामुदायिक प्रतिनिधियों और विकास साझेदारों ने भाग लिया। स्त्री रोग और प्रसूति में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के लिए जॉन्स हॉपकिंस कार्यक्रम यानी जापाइगो के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को गर्भधारण से पहले की देखभाल से लेकर गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद तक लगातार एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान, सम्मानजनक मातृ देखभाल, प्रसव के बाद फॉलो अप तथा रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर आयुक्त, मातृ स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, डॉ. पवन कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की जल्द पहचान और प्रसव के बाद बेहतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव डॉ. त्यागराजन एस.एम ने दरभंगा में संचालित "वंडर" यानी महिलाओं में प्रसूति एवं नवजात मृत्यु की समीक्षा और कमी पहल के अनुभव साझा किए। उन्होंने डिजिटल ट्रैकिंग, जोखिम की शुरुआती पहचान और समय पर रेफरल को मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में देरी कम करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में एम्स पटना और जापाइगो के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किया गया। इसके तहत मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य, शोध, क्षमता निर्माण, मिडवाइफरी और स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार के लिए दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते पर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल और जापाइगो इंडिया के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि "किसी भी महिला की जान इलाज में देरी, स्वास्थ्य सेवाओं के बीच समन्वय की कमी या स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी अवसर के छूट जाने के कारण नहीं जानी चाहिए। हर महिला को सही समय पर, सही स्थान पर और सही स्वास्थ्य सेवा मिलनी चाहिए।"

पटना में किसना के तीन भाग्यशाली ग्राहकों ने जीती शानदार स्कूटी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के शॉप स्पार्कल विन कैंपेन को पटना में ग्राहकों का शानदार उत्साह मिल रहा है। पूरे भारत के 218 शहरों में चल रहे इस अभियान के तहत पटना के विभिन्न किसना स्टोर्स पर भी लकी ड्रॉ आयोजित किए जा रहे हैं। पटना में आयोजित लकी ड्रॉ में अनिसाबाद स्टोर से किशोर कुमार, कंकड़बाग स्टोर से स्वाति अग्रवाल और सगुना मोड़ स्टोर से मुन्नी देवी ने शानदार स्कूटी जीतकर इस अभियान को अपने लिए और भी यादगार बना लिया। किसना के इस कैंपेन के तहत ग्राहकों को कुल 576 स्कूटी और 247 शानदार कारें जीतने का अवसर मिल रहा है। अनिसाबाद स्टोर के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर अनिकेत राज ने कहा कि हमारा प्रयास है कि पटना के अधिक से अधिक ग्राहक किसना के साथ अपने खास पलों को सेलिब्रेट करें और इस अभियान का हिस्सा बनें। जबकि कंकड़बाग स्टोर के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर राजकुमार ने कहा कि यह अभियान ग्राहकों की ज्वेलरी शॉपिंग को और भी खास बना रहा है। सगुना मोड़ स्टोर के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर रवि किसले एवं जितेंद्र कुमार ने कहा कि हम पटना के ग्राहकों से किसना शोरूम पर आने और इस रोमांचक अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह करते हैं।

सितंबर में दानापुर मंडल के सेवानिवृत्त 10 रेलकर्मियों का किया गया "समापक भुगतान"

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सितम्बर-26 में सेवानिवृत्त हुए 10 रेलकर्मियों के लिए, दानापुर मंडल के सभागार में "समापक भुगतान समारोह"आयोजित किया गया। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त 10 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर, विनोद कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी, अतुल कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने "समापक भुगतान" की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश ना करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्युप्रेशर एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपुर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारीगण एवं ईसीआरइयू ,एआईओबीसीआरई एवं एससी/एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

कैंसर की दवा या मुनाफे का बाजार? 2,700 की दवा 27,000 में - सुप्रीम कोर्ट

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निजी अस्पताल मरीजों को सेवा की बजाय मुनाफा कमाने वाले उधोग की तरह काम करते है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा व्यक्ति पहले ही शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरता है। उसके परिवार के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है—इलाज कैसे कराया जाए? ऐसे में यदि किसी दवा की कीमत कई गुना बढ़कर मरीज की पहुंच से बाहर हो जाए, तो यह केवल व्यापार का विषय नहीं रह जाता, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था और आम आदमी की आर्थिक सुरक्षा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि 2,700 रुपये की दवा 27,000 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही है, तो कीमत में इतनी बड़ी खाई क्यों है? इस अंतर का वास्तविक कारण क्या है? निर्माता, वितरक, अस्पताल और मरीज के बीच मूल्य निर्धारण की पूरी प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है? सबसे चिंताजनक बात यह है कि कैंसर का मरीज दवा खरीदने से इनकार नहीं कर सकता। उसके सामने विकल्प सीमित होते हैं। मजबूरी में महंगी दवा खरीदना पड़ता है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य मरीज को राहत देना होना चाहिए, न कि उसकी मजबूरी को आर्थिक बोझ में बदल देना। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस विषय की गंभीरता को रेखांकित करता है। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं की कीमत, अस्पतालों के शुल्क तथा मरीजों से वसूली जाने वाली राशि में पारदर्शिता सुनिश्चित करें। सवाल केवल 27 हजार रुपये की दवा का नहीं है। सवाल यह है कि बीमारी की मजबूरी पर मुनाफे की सीमा कहाँ तय होगी? स्वास्थ्य सेवा यदि आम नागरिक की पहुंच से बाहर होती गई, तो चिकित्सा व्यवस्था का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा। सरकार को चाहिए कि वह दवाओं की कीमतों की निगरानी मजबूत करे, अस्पतालों में मूल्य-सूची सार्वजनिक कराए और मरीजों से वसूली की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाए। कैंसर से लड़ रहे मरीज को बीमारी से लड़ना चाहिए—कीमतों और मुनाफे की व्यवस्था से नहीं।

14वीं बिहार बटालियन की स्वर्ण जयंती पर मोटरसाइकिल रैली को बिहार रेजीमेंटल सेंटर से किया रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। बिहार रेजिमेंट की प्रतिष्ठित 14वीं बिहार बटालियन के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर 'प्रोजेक्ट शौर्य संबंध' के अंतर्गत आयोजित स्वर्ण जयंती मोटरसाइकिल रैली बुधवार को अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा, कमांडेंट, बिहार रेजीमेंटल सेंटर ने एक गरिमापूर्ण समारोह के दौरान रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजित फ्लैग-ऑफ समारोह के दौरान संपूर्ण दानापुर छावनी 'भारत माता की जय' और रेजीमेंटल नारों से गूंज उठी। इस अवसर पर बिहार रेजीमेंटल सेंटर के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी और बड़ी संख्या में सैनिक उपस्थित रहे। ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा, कमांडेंट, बिहार रेजीमेंटल सेंटर ने राइडरों का उत्साहवर्धन किया, उनके अनुशासन की सराहना की तथा लगभग 1,840 किलोमीटर लंबी इस यात्रा के सफल समापन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर बताया गया कि रैली की शुरुआत विगत 24 सितंबर को फोर्ट विलियम (विजय दुर्ग), कोलकाता से हुई थी। ओडिशा और झारखंड के विभिन्न सैन्य क्षेत्रों से होते हुए 12 बहादुर राइडरों की टीम 28 सितंबर की शाम बिहार रेजीमेंटल सेंटर, दानापुर छावनी पहुंची। दानापुर में अपने प्रवास के दौरान को रैली टीम ने दानापुर स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों के पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों से मुलाकात की। टीम के सदस्यों ने उनके अनुभव साझा किए, उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली तथा राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित किया। दानापुर से रवाना होने के बाद रैली अब गया और धनबाद होते हुए आगे बढ़ेगी। मार्ग में स्थानीय युवाओं को भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं से अवगत कराने और उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ टीम कोलकाता लौटेगी, जहां इस भव्य यात्रा का औपचारिक रूप से समापन होगा।

इमारत शरिया बचाओ अभियान का महासम्मेलन 11 नवंबर को पटना में आयोजित होगाः-फैसल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इमारत शरिया बचाओ अभियान बिहार के संयोजक फैसल अहमद ने कहा कि 11 नवंबर को पटना में पूरे बिहार, झारखंड, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के मुस्लिम समाज के लोगों का महासम्मेलन आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में साफ संदेश होगा की इमारत शरिया को कैसे बचाया जाए। मैं बिहार, झारखंड उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल के मुसलमानो से अनुरोध करता हूं की 11 नवंबर को सभी को आमंत्रण है तथा इमारत शरिया की इमारत को कैसे बचाया जाए इसके लिए एकजुट होना होगा। बिहार के मदरसा, मस्जिदों, के शिक्षक एवं इमाम तथा इमारत को बचाने वाले लोगों से अपील करता हूं कि आप लोग भारी से भारी संख्या में पटना के सम्मेलन में शामिल हो तथा इमारत शरिया में हो रहे भ्रष्टाचार के विरोध में हम सभी एक बैनर के नीचे आवाज को बुलंद करें। श्री अहमद ने कहा कि कुछ लोग हमारी लड़ाई को नया रूप देना चाहते हैं कि मैं इमारत शरिया के विरोध में हूं लेकिन ऐसे लोगों को मैं बताना चाहता हूं कि इमारत शरिया के इमारत को बचाने के लिए हमारी आवाज उठाती रहेगी। कोई विदेशी नागरिक हमारे इमारत का बादशाह बन जाए और अपने चमचों बेलचों को इमारत का सर्वे सर्वा बनाकर पर्दे में रहकर चलाएं ऐसे लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इमारत को बचाने के लिए अमेरिकी नागरिक एवं उसके लोगों को हटाना ही होगा क्योंकि ऐसे लोग इमारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। खुद को मौलाना एवं धर्मगुरु कहलाने वाले फैसल रहमानी आवाम के बीच में आकर बताएं कि उसकी नागरिकता कहां की है। विदेशों से करोड़ों रुपए के चंदा लेने वाले फहद रहमानी यह बताएं कि रहमानी 30 कोचिंग सेंटर पटना को इतना चंदा क्यों और कैसे आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्ति पर महेश सिंह को मिला सहकर्मियों का स्नेह

छपरा।प्रखंड संसाधन केंद्र बनियापुर में कार्यरत परिचारी महेश सिंह के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि सरकारी सेवा में सेवानिवृत्ति एक पड़ाव है। सेवाकाल के दौरान बने संबंध और अनुभव हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महेश सिंह के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। सहकर्मियों ने उनके सरल व्यवहार और कार्य के प्रति जिम्मेदारी की सराहना की। समारोह में आईसीटी ऑपरेटर विक्की कुमार के अलावा शिक्षक आस मोहम्मद, इरशाद आलम, त्रिपुरारी सिंह, कैसर अली, गुड्डु सिंह, अभय कुमार पांडेय, रामाधार, रूपेश कुमार, जलालुद्दीन मियां, पिंटू रंजन प्रसाद एवं अरविंद कुमार सिंह समेत अन्य शिक्षक व कर्मी मौजूद रहे।

शेरघाटी में नाबालिगों से बदसलूकी का वीडियो वायरल, कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

गया। शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र के मड़ूआडीह गांव के पहाड़ी के पास घूमने पहुंचे नाबालिग लड़का-लड़की के साथ कथित मारपीट, दुर्व्यवहार और बाइक की चाबी छीनने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उस वायरल वीडियो में कुछ युवकों द्वारा दोनों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी करते हुए दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य के अलग-अलग जिलों में नाबालिग लड़कियों के साथ छेड़छाड़ और बदसलूकी की घटनाएं कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमुई, समस्तीपुर और बेगूसराय के बाद गया जिले में सामने आई घटना से असामाजिक तत्वों के मन से कानून का डर खत्म होने का आरोप लग रहा है।कांग्रेस ने सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि दिनदहाड़े नाबालिगों के साथ इस तरह की कथित घटनाएं चिंताजनक हैं। नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि शेरघाटी की घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ पॉक्सो समेत संबंधित धाराओं में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।नेताओं ने यह भी कहा कि नाबालिगों के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में सामान्य नहीं माना जा सकता। दोषियों पर त्वरित कार्रवाई के साथ समाज में भी ऐसे कृत्यों के खिलाफ सख्त संदेश जाना चाहिए

162 साल की गौरवगाथा का जश्न, गांधी मैदान में होगा भव्य स्थापना दिवस समारोह

गया जी। गया जिले के 162वें स्थापना दिवस को यादगार बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक किया गया। इसमें विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं और निर्धारित समय-सीमा में सभी व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया गया।बैठक में तय किया गया कि 3 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 3 बजे गांधी मैदान स्थित टेंट सिटी में जिला स्थापना दिवस का औपचारिक उद्घाटन होगा। समारोह का प्रमुख आकर्षण जिले का मानचित्र तैयार कर उस पर 162 मोमबत्तियां जलाया जाएगा। इसके साथ आकर्षक रंगोली का निर्माण और केक कटिंग कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।जिला नजारत उप समाहर्ता को दीप प्रज्वलित और केक कटिंग की तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस और डीपीएम जीविका को जिले का मानचित्र, रंगोली तथा 162 मोमबत्तियों से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्री की व्यवस्था में समन्वय करने को कहा गया।स्थापना दिवस के मौके पर जिले के सभी सरकारी कार्यालयों और विद्यालय भवनों को विशेष प्रकाश व्यवस्था कर सजाया जाएगा। वहीं सार्वजनिक स्थलों के साथ निजी मकानों पर भी झालर लगाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसकी जिम्मेदारी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी को सौंपी गई है।बैठक के अंत में डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए गया के 162वें स्थापना दिवस समारोह को भव्य, गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित बनाने के लिए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया है।

छपरा में किसना के शॉप स्पार्कल विन कैंपेन का उत्साह

छपरा।किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के शॉप स्पार्कल विन कैंपेन के तहत छपरा में आयोजित लकी ड्रॉ में मेनका कुमार ने शानदार स्कूटी जीतकर अपनी ज्वेलरी शॉपिंग को यादगार बना लिया। पूरे भारत के 218 शहरों में चल रहे किसना के इस अभियान का उद्देश्य ग्राहकों की ज्वेलरी शॉपिंग को और भी खास बनाना है। लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रहे इस कैंपेन के तहत 25000 या उससे अधिक की डायमंड ज्वेलरी अथवा 75000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वेलरी की खरीदारी करने वाले ग्राहक, लागू नियम एवं शर्तों के अनुसार लकी ड्रॉ में शामिल होने के पात्र होते हैं। किसना छपरा के फ्रैंचाइज़ी पार्टनर किशन बरनवाल ने कहा कि मेनका कुमार को लकी ड्रॉ में स्कूटी जीतते देखकर हमें बेहद खुशी हुई। यह हमारे लिए गर्व का पल है कि किसना के माध्यम से हमारे ग्राहकों को ज्वेलरी के साथ खुशियां जीतने का अवसर मिल रहा है। हम छपरा और आसपास के सभी ग्राहकों को किसना के साथ इस रोमांचक अभियान का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

स्वच्छ भारत कार्यक्रम–2026 में विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता पर रहेगा विशेष जोर

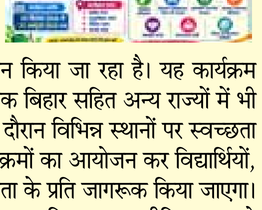

मधेपुर, मधुबनी।स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण और स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वामी विवेकानंद जीवन ज्योति फाउंडेशन द्वारा "स्वच्छ भारत कार्यक्रम–2026" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 30 सितंबर से 25 अक्टूबर 2026 तक बिहार सहित अन्य राज्यों में भी आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियों एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। फाउंडेशन के संस्थापक केतन राज ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, फाउंडेशन के अध्यक्ष कुणाल झा ने कहा कि इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर रहेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में जो भी व्यक्ति स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, उन्हें फाउंडेशन की ओर से ई-प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने युवाओं एवं विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान से जुड़कर स्वच्छता के संदेश को समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

बथना पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया/मनीष कुमार। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को हेलीकॉप्टर से बैरिया प्रखंड के बथना स्थित पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले मुख्य सचिव, डीजीपी, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, सांसद सुनील कुमार, विधायक विनय बिहारी समेत कई वरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौके पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जिले में बाढ़ की स्थिति, प्रभावित इलाकों और राहत-बचाव कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने विद्यालय परिसर में बनाए गए नवनिर्मित हेलीपैड, सुरक्षा व्यवस्था और बाढ़ आश्रय केंद्र की तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रशासन की ओर से की गई तैयारियों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंडक और कोसी नदी के तटबंधों के पक्कीकरण के लिए सर्वे का कार्य चल रहा है। सर्वे के आधार पर तटबंधों को और मजबूत करने की योजना को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री मच्छरगांवा होते हुए बनकटवा और शिवराजपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के लिए रवाना हुए। एसडीआरएफ की नाव से उन्होंने प्रभावित इलाकों का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। बाद में बथना स्थित बाढ़ आश्रय केंद्र पहुंचकर मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों से संवाद किया। इस दौरान राहत सामग्री का भी वितरण किया गया।

» गंडक-कोसी तटबंधों के पक्कीकरण का सर्वे जारी, बाढ़ आश्रय केंद्र में पीड़ितों से किया संवाद

4 अक्टूबर को जमुई में होगा प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन,18 जिलों के बच्चे लेंगे भाग

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। भारत विकास परिषद शाखा जमुई के तत्वावधान में आगामी 4 अक्टूबर 2026 को प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दक्षिण बिहार प्रांत के विभिन्न जिलों से चयनित लगभग 18 शाखाओं के प्रतिभागी बच्चे अपनी प्रस्तुति देंगे।कार्यक्रम का आयोजन ऑक्सफोर्ड स्कूल,सुरेशपुरम,जमुई के सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे होगा, जबकि प्रतिभागियों का निबंधन प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ कर दिया जाएगा।भारत विकास परिषद शाखा जमुई के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा एवं शाखा सचिव शंभू कुमार ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि प्रतियोगिता को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर दायित्व सौंप दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं न्यायाधीशों की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा।वहीं प्रांत पदाधिकारियों की मौजूदगी में बिहार से बाहर के अनुभवी निर्णायकगण प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन करेंगे तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन करेंगे। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से चयनित स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रभावना से ओतप्रोत समूह गान प्रस्तुत किया जाएगा।बच्चों की सुमधुर प्रस्तुतियां राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत का संदेश देंगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति,संस्कार एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।इस आयोजन की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता विकास सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में जमुई प्रभारी सह बाढ़ शाखा सचिव मुकुंद सिंह,कोषाध्यक्ष गोपाल पांडेय,प्रशांत सिन्हा, चन्द्रदेव सिंह,सेवा प्रमुख विष्णु सोनी एवं राजेश केशरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में आयोजन स्थल की व्यवस्था,प्रतिभागियों के ठहरने,भोजन,मंच सज्जा, ध्वनि व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मॉडल के जरिए GNM छात्राओं ने समझाई स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। सदर अस्पताल परिसर स्थित GNM स्कूल में तृतीय वर्ष की छात्राओं ने स्वास्थ्य व्यवस्था और विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली को मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का आयोजन GNM स्कूल की प्रिंसिपल खुशबू कुमारी के नेतृत्व में किया गया। एग्जीबिशन के दौरान छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और प्रैक्टिकल समझ का प्रदर्शन करते हुए अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों के मॉडल तैयार किए। छात्राओं को तीन समूहों में बांटकर तीन अलग-अलग मॉडल तैयार कराए गए। टीम ए, टीम बी और टीम सी ने क्रमशः शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (Urban PHC), चेक हेल्थ सेंटर और आंगनबाड़ी वेलनेस सेंटर के मॉडल प्रस्तुत किए। छात्राओं ने इन मॉडलों के माध्यम से संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों की संरचना, उपलब्ध सुविधाओं और कार्यप्रणाली को सरल तरीके से समझाया। प्रस्तुति के दौरान छात्राओं ने बताया कि स्वास्थ्य व्यवस्था केवल बड़े अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राथमिक और सामुदायिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्र भी लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मरीजों की देखभाल, स्वास्थ्य जागरूकता, प्राथमिक उपचार, सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं और लोगों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। मॉडल के माध्यम से छात्राओं ने यह समझाने का प्रयास किया कि अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों की अपनी विशेष भूमिका होती है। लोगों की जरूरत के अनुसार इन केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। छात्राओं ने अपने-अपने मॉडल के प्रत्येक हिस्से के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में इन केंद्रों की क्या भूमिका है। इस अवसर पर GNM स्कूल की प्रिंसिपल खुशबू कुमारी ने कहा कि इस तरह के एग्जीबिशन का उद्देश्य छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक जानकारी देना है। मॉडल के माध्यम से किसी व्यवस्था को समझना छात्राओं के लिए अधिक प्रभावी और आसान होता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली छात्राओं के लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली को समझना काफी महत्वपूर्ण है। एग्जीबिशन में छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ अपने मॉडल प्रस्तुत किए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों को सरल भाषा में समझाया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को टीमवर्क, प्रस्तुति कौशल और स्वास्थ्य व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी हासिल करने का अवसर मिला।

स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य बताएगा तीन दिवसीय राजयोग शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।तनाव, भागदौड़ और बदलती जीवनशैली के बीच खुशहाल एवं संतुलित जीवन जीने के तौर-तरीकों को लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, छपरा की ओर से तीन दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी बुधवार को गुदरी राय के चौक स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेवाकेंद्र की संचालिका बीके अनामिका दीदी ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर तीन से पांच अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6 से रात 8 बजे तक भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में होगा। शिविर का मुख्य विषय 'स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य' रखा गया है। अंतरराष्ट्रीय काउंसलर एवं ब्रह्माकुमार प्रो. ई.वी. गिरीश सकारात्मक सोच, आत्मिक शांति और बेहतर संबंधों से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन करेंगे। तीन दिनों में आध्यात्मिकता की वास्तविक पहचान, खुशहाल जीवन जीने की कला और संबंधों में मधुरता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। बीके अनामिका दीदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को समस्याओं पर चिंतन करने के बजाय उनके समाधान की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। बीके अरविंद भाई ने बताया कि प्रो. गिरीश पिछले 28 वर्षों से ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े हैं और इसरो, आईआईटी, भारतीय सेना, टाटा मोटर्स समेत कई संस्थानों में मोटिवेशनल ट्रेनिंग दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक तनाव और रिश्तों में बढ़ती दूरी के बीच राजयोग जीवन में संतुलन लाने में सहायक हो सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीके वीणा बहन, बीके आराधना बहन, बीके प्रियांशु बहन,कुमारी नीलिमा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की बेटियों ने मैदान में गाड़ा सफलता का झंडा, महिला कबड्डी में कॉलेज को मिला दूसरा स्थान"

नई सोच एक्सप्रेस

गया। मगध विश्वविद्यालय बोधगया के खेल कैलेंडर के तहत खेल भवन में आयोजित इंटर कॉलेज महिला कबड्डी टूर्नामेंट 2026 में गौतम बुद्ध महिला महाविद्यालय, गया की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल आठ महाविद्यालयों की महिला कबड्डी टीमों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।प्रतियोगिता में मगध विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ. सुदर्शन रॉय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं गौतम बुद्ध महिला महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. जावैद अशरफ विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि खेल में सफलता के लिए अनुशासन, टीम भावना और निरंतर अभ्यास बेहद जरूरी है।पूरे टूर्नामेंट के दौरान GBM कॉलेज की महिला कबड्डी टीम ने आत्मविश्वास अनुशासन और बेहतरीन टीमवर्क का परिचय दिया। खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरा स्थान हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. सीमा पटेल ने टीम की सफलता पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ खेलकूद की गतिविधियों में भी नियमित रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करता है।महाविद्यालय की खेल टीम की इस उपलब्धि पर खेलकूद प्रभारी डॉ. पूजा राय समेत महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानाचार्य डॉ. पटेल, पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. अशरफ, बर्सर डॉ. सहदेब बाउरी, डॉ. शगुफ्ता अंसारी, डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, डॉ. जया चौधरी, डॉ. अमृता कुमारी घोष सहित अन्य शिक्षकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुरक्षा के साथ सेवा का संकल्पः नावां में एसएसबी ने गरीब ग्रामीणों को बांटी राहत सामग्री

नई सोच एक्सप्रेस

गया। ठंड और मच्छरों से बचाव के लिए जरूरतमंद ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी। नागरिक कल्याण कार्यक्रम-2026 के तहत 29वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गया ने ग्राम पंचायत नावां में गरीब, जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों के बीच 21 कंबल और 14 मच्छरदानियां वितरित कीं। कार्यक्रम में 29वीं वाहिनी के कमांडेंट श्री कुणाल मौजूद रहे।एसएसबी की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को सीधे राहत मिली। ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ बल ने यह संदेश भी दिया कि सुरक्षा के साथ स्थानीय नागरिकों के कल्याण और सहायता के लिए भी एसएसबी लगातार सक्रिय है।29वीं वाहिनी एसएसबी की ओर से अपने कार्यक्षेत्र में समय-समय पर नागरिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में युवाओं और बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण जरूरतमंदों के बीच आवश्यक सामग्री का वितरण, मानव चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर समेत कई जनकल्याणकारी गतिविधियां शामिल हैं।इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीणों को जरूरत के समय सहायता उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहयोग करना है। नावां में आयोजित कार्यक्रम भी इसी अभियान की कड़ी रहा।कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी असीम उपाध्याय, उप कमांडेंट अजय कुमार वाजपेयी, ग्राम पंचायत नावां के मुखिया पति राजेश मांझी सहित एसएसबी के बलकार्मिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मखदुमपुर से 5 और काको-मोदनगंज से 9 बाल वैज्ञानिक जिला स्तरीय प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026-27 के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय परियोजना प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बाल वैज्ञानिकों ने विज्ञान एवं नवाचार पर आधारित अपनी परियोजनाओं को निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। परियोजनाओं का मूल्यांकन वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समस्या की पहचान, सर्वेक्षण एवं अध्ययन, कार्यविधि, नवाचार, उपयोगिता और समस्या के समाधान की क्षमता सहित निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। मखदुमपुर प्रखंड में आयोजित परियोजना प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 5 बाल वैज्ञानिकों का चयन जिला स्तर के लिए किया गया। वहीं काको एवं मोदनगंज प्रखंड के संयुक्त आयोजन में 9 बाल वैज्ञानिकों ने जिला स्तर के लिए स्थान बनाया। इस तरह आयोजित दोनों कार्यक्रमों में कुल 14 बाल वैज्ञानिक जिला स्तरीय परियोजना प्रस्तुतीकरण के लिए चयनित हुए। काको एवं मोदनगंज प्रखंड का संयुक्त कार्यक्रम मध्य विद्यालय वैना में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रमेश कुमार पाल शामिल हुए। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों की परियोजनाओं का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बच्चों को वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार के साथ स्थानीय समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान तलाशने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में छोटी-छोटी समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने और उनके समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना ऐसे आयोजनों का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम में उदय शंकर मिश्रा, समन्वयक, श्रीकांत शर्मा, डॉ. प्रवीण दीपक, सत्य प्रकाश, अंजनी कुमार, तेज प्रताप, रश्मि श्रीवास्तव एवं रानी कुमारी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में मौजूद रहे। निर्णायक मंडल ने बाल वैज्ञानिकों की परियोजनाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। बच्चों ने अपनी परियोजनाओं की वैज्ञानिक अवधारणा, समस्या की पहचान, सर्वेक्षण एवं प्रयोग, परिणाम और संभावित समाधान के बारे में निर्णायकों के समक्ष जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बाल वैज्ञानिकों और मार्गदर्शक शिक्षकों में उत्साह देखने को मिला। मध्य विद्यालय वैना के प्राचार्य राकेश कुमार ने समापन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, निर्णायक मंडल, बाल वैज्ञानिकों, मार्गदर्शक शिक्षकों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए साइंस फॉर सोसायटी, जहानाबाद की ओर से विद्यालय के प्राचार्य एवं पूरे विद्यालय परिवार के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया।

घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन विश्वास की परीक्षा लॉन्च

नई सोच एक्सप्रेस

भागलपुर।आरएसपीएल ग्रुप ने घड़ी डिटर्जेंट का नया कैंपेन विश्वास की परीक्षा लॉन्च किया है। इस कैंपेन में बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित घड़ी डिटर्जेंट की ब्रांड एंबेसडर हैं। बिहार के प्रमुख शहर भागलपुर में लांच हुए इस नए कैंपेन का संदेश है, विश्वास की खास बात यही है कि उस पर हमेशा खरा उतरना पड़ता है। कैंपेन में बताया गया है कि घड़ी डिटर्जेंट अपने ग्राहकों का भरोसा बनाए रखने के लिए अपने डिटर्जेंट प्रोडक्ट्स और उसके इस्तेमाल के अनुभव को लगातार बेहतर बनाया है। आरएसपीएल ग्रुप के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल ज्ञानचंदानी ने बताया कि घड़ी में हमारा हमेशा से ये मानना है कि नए बदलाव का फायदा लोगों को रोजमर्रा के इस्तेमाल में साफ दिखना चाहिए। इस कैंपेन के जरिए हम घड़ी डिटर्जेंट का अब तक का सबसे बेहतर फॉर्मूला लेकर आए हैं। यह भारत में बना ब्रांड है, जिसे लाखों ग्राहकों के भरोसे ने कई सालों में मजबूत बनाया है। नए डिटर्जेंट फॉर्मूले के साथ घड़ी की सफाई और परफॉर्मेंस को और भी बेहतर किया गया है। साथ ही वह क्वालिटी भी बरकरार रखी गई है, जिसकी ग्राहक घड़ी से उम्मीद करते हैं। इसकी कीमत भी ऐसी रखी गई है, जो ग्राहकों की पहुंच में रहे। हमारा मानना है कि ग्राहकों के भरोसे पर खरा उतरने के लिए लगातार अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाते रहना जरूरी है। कैंपेन फिल्म के साथ घड़ी डिटर्जेंट की नई पैकेजिंग भी देशभर की दुकानों और अन्य बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध होगी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल परिसर में तोड़फोड़ व शिक्षकों से अभद्र व्यवहार का आरोप, प्रधानाध्यापक ने थाने में दिया आवेदन

बनमा ईटहरी |प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय इटहरी में परीक्षा के दौरान एक युवक द्वारा विद्यालय परिसर में कथित रूप से तोड़फोड़ करने और प्रधानाध्यापक के साथ अभद्रता एवं धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक भरत कुमार ने बनमा ईटहरी थाना में लिखित आवेदन देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। थाना को दिए आवेदन में प्रधानाध्यापक ने बताया है कि ईटहरी गांव के करीब 20 वर्षीय एक युवक द्वारा उनके साथ अभद्रता एवं धमकी दी गई। आवेदन के अनुसार, परीक्षा के दौरान उक्त युवक विद्यालय परिसर में तोड़फोड़ कर रहा था। इसकी जानकारी मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना को सूचना दी गई। प्रधानाध्यापक ने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है तथा छात्राओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया जाता है। मना करने पर शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की बात कही गई है। वहीं, विद्यालय बंद होने के बाद परिसर में नशेड़ियों का अड्डा बन जाने की शिकायत भी आवेदन में की गई है। प्रधानाध्यापक ने पुलिस से विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और विद्यालय की संपत्ति की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाया जाना जरूरी है।

शराब मामले में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में शराब मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त बलिराम मुखिया को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त जगापाकड़ पुरनाडीह गांव निवासी रोहित मुखिया का पुत्र है। पुलिस के अनुसार वह हरसिद्धि थाना कांड संख्या 462/26 में नामजद था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि शराब कारोबारियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

तिरंगे के सम्मान को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन : रवि मस्करा

» नगर परिषद में तिरंगे की लागत और भुगतान को लेकर उठे सवालों की जांच की मांग

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर स्थापित तिरंगे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। तिरंगे की लागत और भुगतान को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं मीडिया में सामने आई खबरों के बीच सामाजिक कार्यकर्ता रवि मस्करा ने मामले में हस्तक्षेप की मांग को लेकर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।रवि मस्करा ने बताया कि जिलाधिकारी को दिए गए लिखित आवेदन में तिरंगे से संबंधित कार्य और भुगतान की जांच अपने स्तर से कराने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि तिरंगे जैसे राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े विषय में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता के आरोप गंभीर हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में तिरंगे की लागत करीब साढ़े पांच लाख रुपये तथा भुगतान करीब साढ़े सत्रह लाख रुपये किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए हैं। इन दावों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है।मस्करा ने कहा कि तिरंगे के सम्मान से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले की जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

अवैध बालू परिवहन पर खनन विभाग की कार्रवाई, ब्लॉक के पास ट्रैक्टर जब्त

किशनगंज। जिले में अवैध खनन एवं खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ खनन विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर बुधवार को खान निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में खनन विभाग की टीम ने अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान किशनगंज ब्लॉक के समीप अवैध रूप से बालू का परिवहन करते एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। छापेमारी के दौरान टीम ने बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। वाहन के चालक को भी हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए किशनगंज थाना को सुपुर्द किया गया है। विभाग की ओर से ट्रैक्टर मालिक और चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में अवैध खनन और खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत किशनगंज ब्लॉक के पास बालू का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर को पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। खान निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर बालू एवं अन्य खनिज पदार्थों का खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग की टीम विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की जांच और अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखेगी। अधिकारियों ने खनिज पदार्थों के परिवहन में निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है।

छठ से पहले सूर्य मंदिर की स्थापना की तैयारी, अब तक 60-65 फीसदी काम पूरा

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। आस्था और विश्वास इंसान से ऐसे काम भी करा देता है, जिसकी शायद उसने कभी कल्पना भी नहीं की होती। जहानाबाद जिले के टेनी बीघा गांव निवासी पंकज कुमार की सूर्य भगवान के प्रति ऐसी ही आस्था देखने को मिल रही है। करीब 38 वर्षीय पंकज ने सपने में भगवान सूर्य का आदेश मिलने के बाद गांव के छठ घाट पर सूर्य मंदिर का निर्माण शुरू करा दिया। रोजाना करीब 500 से 800 रुपये की कमाई करने वाले पंकज अब अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा मंदिर निर्माण में लगा रहे हैं। उनका लक्ष्य इस वर्ष छठ पूजा से पहले मंदिर का निर्माण पूरा कर भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित करना है। पंकज शहर में वाशिंग सेंटर चलाते हैं। करीब तीन वर्ष पहले उन्होंने गांव के छठ घाट पर छठ पूजा के दौरान भगवान सूर्य को अर्घ्य देना शुरू किया था। पंकज के अनुसार, पहले ही वर्ष छठ घाट पर अर्घ्य देने के दौरान उन्हें अलग तरह की अनुभूति हुई। इसके बाद से उनकी सूर्य भगवान के प्रति आस्था और मजबूत होती गई। पंकज कुमार ने बताया कि मार्च 2026 में उन्हें सपने में भगवान सूर्य के दर्शन हुए। उनके अनुसार सपने में मंदिर निर्माण कराने का आदेश मिला। सुबह उठने के बाद उन्होंने इस बात की चर्चा परिवार के सदस्यों से की। परिवार की सहमति मिलने के बाद उन्होंने गांव में मंदिर निर्माण की बात लोगों तक पहुंचाई। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि इतनी कम आमदनी में मंदिर का निर्माण कैसे पूरा होगा, लेकिन पंकज ने निर्माण शुरू करने का निर्णय लिया। पंकज ने बताया कि जब मंदिर की नींव रखी जा रही थी, उस समय उनके पास महज 15 हजार रुपये थे। इसी राशि से गांव के छठ घाट पर सूर्य मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन कराया गया और इसके बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ। धीरे-धीरे आसपास के लोग भी इस कार्य से जुड़ते चले गए। पंकज के मुताबिक, अब तक मंदिर का करीब 60 से 65 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें उन्होंने अपनी ओर से करीब तीन लाख रुपये खर्च किए हैं। वहीं, श्रद्धालु और ग्रामीण भी अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग कर रहे हैं। कोई सीमेंट दे रहा है तो कोई गिट्टी और बालू उपलब्ध करा रहा है। पंकज का कहना है कि लोगों का सहयोग इसी तरह मिलता रहा तो छठ पूजा से पहले मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा और भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी जाएगी।

करमावा में नल-जल योजना का निरीक्षण, खामियां मिलने पर तत्काल सुधार के निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

सिकरहना।जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण के निर्देश पर अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने बुधवार को करमावा पंचायत में नल-जल योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने बीडीओ एवं पीएचईडी के कनीय अभियंता के साथ पंचायत के सभी वार्डों में योजना की स्थिति का जायजा लिया।जांच के दौरान जहां भी समस्या मिली, उसे तत्काल दुरुस्त कराने का निर्देश कनीय अभियंता को दिया गया।इस दौरान अपर समाहर्ता ने ग्रामीणों से मिलकर योजना के संचालन एवं पानी की आपूर्ति को लेकर फीडबैक भी लिया।उन्होंने अधिकारियों को नल-जल योजना का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।ज्ञात हो कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले की सभी पंचायतों में नल-जल योजना की लगातार जांच कराई जा रही है।

राष्ट्रीय युवा कला रत्न सम्मान के लिए चुने गए दीपू कुमार, विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।बिहार के युवा चित्रकार और जहानाबाद के कला शिक्षक दीपू कुमार का चयन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय युवा कला रत्न सम्मान के लिए किया गया है। इस उपलब्धि पर एसबीएमपी प्लस टू विद्यालय, मांदिल में विद्यालय परिवार की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें बधाई दी गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार और प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सदस्य सिया शरण प्रसाद ने पुष्पगुच्छ देकर दीपू कुमार को सम्मानित किया। मूल रूप से पटना निवासी दीपू कुमार वर्तमान में एक विद्यालय, मांदिल में कला शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। कला के क्षेत्र में उनके योगदान, विशेष रूप से टिकुली कला और लोक कला के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय युवा कला रत्न सम्मान के लिए चुना गया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार ने कहा कि दीपू कुमार का राष्ट्रीय स्तर के सम्मान के लिए चयन विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कला शिक्षक के रूप में दीपू कुमार विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों के लिए लगातार प्रेरित करते हैं। उनकी उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ जिले का भी मान बढ़ा है। दीपू कुमार को यह सम्मान राजस्थान के टोंक में आयोजित होने वाले 20वें अंतरराष्ट्रीय कला पर्व क्रेयॉन्स में प्रदान किया जाएगा। 2 से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस कला पर्व में देश के विभिन्न राज्यों के कलाकारों के साथ नेपाल और रूस के कलाकार भी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के दौरान दीपू कुमार अंतरराष्ट्रीय कला मंच पर बिहार का प्रतिनिधित्व भी करेंगे। सम्मान समारोह में सहायक शिक्षक उदित सिंह समेत विद्यालय के अन्य शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। सभी ने दीपू कुमार को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहित्य सम्मेलन के पदाधिकारियों ने ग्रहण किया पदभार

नई सोच एक्सप्रेस

» अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने दिलाई निष्ठा की शपथ, प्रशासी पदाधिकारी ने किया अभिनंदन

पटना।बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की पुनर्गठित कार्यसमिति एवं विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों की प्रथम बैठक बुधवार को सम्मेलन सभागार में हुई। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने सभी पदाधिकारियों को निष्ठा की शपथ दिलाई, जिसके बाद उन्होंने अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। प्रशासी पदाधिकारी सूबेदार नन्दन कुमार मीत ने पदाधिकारियों को अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया। बैठक में पदाधिकारियों को उनके दायित्वों और अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही सभी विभागीय समितियों की प्रत्येक माह बैठक आयोजित करने और उसमें लिए गए निर्णयों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। पदभार ग्रहण करने वालों में उपाध्यक्ष डॉ. शंकर प्रसाद, डॉ. कल्याणी कुसुम सिंह, ब्रजेंद्र कुमार सिन्हा, डॉ. कुमार अरुणोदय, लोकभाषा मंत्री डॉ. पुष्पा जमुआर, पुस्तकालय मंत्री डॉ. नागेश्वर प्रसाद यादव, प्रचार मंत्री विभारानी श्रीवास्तव सहित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं संयोजक शामिल हैं। स्वास्थ्य कारणों से कुछ पदाधिकारी उपस्थित नहीं हो सके।

नाबालिगों के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का तटवासी समाज न्यास ने किया स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

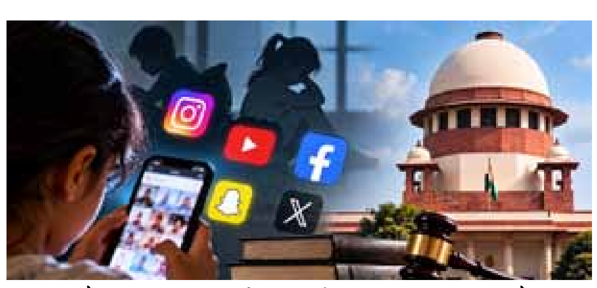

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्देश का बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठन तटवासी समाज न्यास ने स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कानूनों का पालन अनिवार्य होना जरूरी है। तटवासी समाज न्यास के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बात पर विचार करने को कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक प्रावधान बनाए जाएं, जिनके तहत नाबालिगों से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने की। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे। यह मामला जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। संगठन ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की सुरक्षा के लिए जरूरी उपाय लागू करने की मांग की थी। याचिका में यह मुद्दा भी उठाया गया कि नाबालिगों की ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच और उनसे जुड़े अनुबंधों के लिए कानून के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। संगठन का कहना है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों के सामने यौन शोषण, ऑनलाइन ठगी, ट्रैफिकिंग, सेक्सटॉर्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर बुलिंग जैसे खतरे मौजूद हैं। ऐसे में सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करना बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।तटवासी समाज न्यास के निदेशक कन्हैया कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों के अनुरूप काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नाबालिगों को ऑनलाइन बहला फुसलाकर शोषण और अन्य अपराधों का शिकार बनाया जा सकता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की पहल से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मदद मिल सकती है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा के प्रावधान को केवल दिशानिर्देश तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे इंटरमीडियरी नियमों के ढांचे में शामिल करने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सॉफ्टवेयर और संचालन को भारतीय कानूनों के अनुरूप बनाने के संबंध में आवश्यक कदम उठाने को कहा। केंद्र की ओर से इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही गई। तटवासी समाज न्यास ने कहा कि वह जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस का सहयोगी संगठन है और जहानाबाद सहित देशभर में बाल अधिकारों के संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चला रहा है।

बौधी माई मंदिर के पास छापेमारी, संदिग्ध युवक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

रक्सौल। रक्सौल थाना क्षेत्र के सेमुवरिया स्थित बौधी माई मंदिर के पास बुधवार को पुलिस ने छापेमारी कर एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दिवा गश्ती के क्रम में गुप्त सूचना मिली थी कि मंदिर के आसपास कुछ संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा चोरी-छिपे अवैध मादक पदार्थ का सेवन किया जा रहा है।सूचना के आधार पर रक्सौल थाने की पुलिस टीम का गठन कर बौधी माई मंदिर के पास छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान अमन कुमार उर्फ करीब 27 वर्षीय मनोज कुमार वर्मा, पिता कन्ना, वार्ड संख्या-06, थाना रक्सौल, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में बताई गई है।पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तार युवक के विरुद्ध धारा-128 बीएनएसएस के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी दल में रक्सौल थाना के पुनि-सह-थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो, पुअनि विकास कुमार पासवान तथा थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

घरेलू कबाड़ के पुनरुपयोग से कचरा कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी होगा महत्वपूर्ण योगदान

नई सोच एक्सप्रेस

» प्लास्टिक के बेकार बोतलों से लाइफ सेविंग जैकेट, टेबल लैंप समेत वाटर हार्वेस्टिंग व वैक्यूम क्लीनर जैसे मॉडलों को प्रतियोगी बता महापौर ने की पुरजोर सराहना

बेतिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बुधवार को बेतिया नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों की रचनात्मक भागीदारी से 'कबाड़ से जुगाड़' कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज इंटर कॉलेज, विपिन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संत जेवियर स्कूल और केआर प्लस टू स्कूल समेत विभिन्न शिक्षण संस्थानों के दर्जनों छात्र-छात्राओं ने बेकार और अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी रूप देने की अपनी कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्लास्टिक की बेकार बोतलों से बाढ़ जनित आपदा में बचाव के लिए लाइफ सेविंग जैकेट का प्रारूप तैयार किया। इसके अलावा कबाड़ सामग्री से तैयार टेबल लैंप, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वैक्यूम क्लीनर सहित कई उपयोगी मॉडलों को प्रस्तुत किया गया। इन रचनात्मक नमूनों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और विद्यार्थियों की खूब सराहना हुई।इस अवसर पर नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबाड़ को अनुपयोगी समझकर फेंक देने के बजाय उसकी उपयोगिता तलाशना आज की जरूरत है। अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग और रचनात्मक पुनर्चक्रण न केवल कचरा कम करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बच्चों से अपनी रचनात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए समाज में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

बिहार सरकार के मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा द्वारा यादव समाज पर की गई अपमानजनक टिप्पणी की जमशेद आदिल ने की कड़ी निंदा, कहा --- सार्वजनिक रूप से माफी मांगे मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।वारिसनगर विधानसभा छेत्र के मथुरापुर निवासी राजद नेता सह समाजसेवी जमशेद आदिल ने जनता दल यूनाइटेड के नेता व बिहार सरकार के मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा द्वारा यादव समाज को लेकर की गई अभद्र एवं अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी शब्दों में निंदा की है I जमशेद आदिल ने कहा कि भगवान सिंह कुशवाहा का यह बयान न केवल निंदनीय है बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला है। यादव समाज इस देश और बिहार का एक सम्मानित, मेहनतकश, किसान और राष्ट्रवादी समाज है। इस समाज ने देश की आजादी से लेकर आज तक सेना, खेती, खेल, शिक्षा, राजनीति हर क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दिया है। ऐसे गौरवशाली समाज के बारे में इस तरह की ओछी और अमर्यादित टिप्पणी करना उनकी संकीर्ण मानसिकता और सामंती सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बिहार महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक, जननायक कर्पूरी ठाकुर और लोकनायक जयप्रकाश नारायण की धरती है, यहाँ सभी जाति-धर्म के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं। संविधान हर किसी को बोलने की आजादी देता है लेकिन किसी को भी किसी समाज, जाति या धर्म को अपमानित करने की इजाजत नहीं देता। एक जिम्मेदार पद पर बैठे मंत्री को तो बोलने से पहले सौ बार सोचना चाहिए। उन्होंने मांग की कि भगवान सिंह कुशवाहा अपने इस शर्मनाक बयान पर बिहार की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और मुख्यमंत्री को भी ऐसे मंत्री पर कार्रवाई करनी चाहिए जो समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

शाकाहार : थाली से जीवन-दृष्टि तक

आरती कुमारी

बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवनशैली, बदलती खानपान की आदतों और गंभीर होते पर्यावरणीय संकटों के बीच आज मनुष्य को अपने भोजन पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। भोजन केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, जीवनशैली, प्रकृति और सामाजिक मूल्यों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक हिस्सों में पौध-आधारित भोजन और शाकाहार को लेकर नए सिरे से चर्चा तेज हुई है। प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जागरूकता का महत्वपूर्ण अवसर है।

विश्व शाकाहार दिवस की शुरुआत 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वेजिटेरियन सोसायटी की पहल से हुई और 1978 में इंटरनेशनल वेजिटेरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पहलुओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज इस दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक दिखाई देती है, क्योंकि पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल संकट, प्रदूषण, भूमि क्षरण और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

शाकाहार को किसी एक धर्म, समुदाय या परंपरा तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को संकुचित करना होगा। यह व्यक्ति की पसंद और परिस्थितियों से जुड़ा विषय भी है, लेकिन इसके साथ स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण और करुणा जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार पर चर्चा भावनात्मक आग्रह के बजाय वैज्ञानिक समझ, संतुलित दृष्टिकोण और व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर हो।

भारतीय चिंतन में भोजन को शरीर के साथ-साथ मन और व्यवहार से भी जोड़कर देखा गया है। 'जैसा अन्न, वैसा मन' जैसी धारणा हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना में लंबे समय से मौजूद रही है। इसका आशय यह है कि भोजन का प्रभाव केवल शरीर पर नहीं पड़ता, बल्कि हमारी जीवनशैली और मानसिक प्रवृत्तियों पर भी पड़ सकता है। आधुनिक विज्ञान भी संतुलित और पौष्टिक भोजन को स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार मानता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ यदि पर्याप्त विविधता और उचित पोषण-संतुलन के साथ लिए जाएं तो स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।

हालांकि यहां एक महत्वपूर्ण सावधानी भी जरूरी है। शाकाहार अपने आप में स्वस्थ होने की गारंटी नहीं है। यदि भोजन में अत्यधिक चीनी, नमक, तला-भुना या अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य शामिल हो तो केवल मांसाहार छोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा। किसी भी भोजन-पद्धति में प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन बी-12, विटामिन डी, ओमेगा-3 जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की पर्याप्तता पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और विशेष स्वास्थ्य परिस्थितियों वाले लोगों के लिए भोजन का चयन विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार किया जाना चाहिए। इसलिए शाकाहार की चर्चा का केंद्र 'क्या छोड़ें' से अधिक 'क्या और कितना खाएं' होना चाहिए।

महात्मा गांधी भोजन को आत्मसंयम से जोड़कर देखते थे। उनके लिए भोजन केवल स्वाद की संतुष्टि का विषय नहीं था, बल्कि शरीर और मन पर नियंत्रण का भी माध्यम था। आज जब बाजार, विज्ञापन और सोशल मीडिया हमारी खाने की पसंद को लगातार प्रभावित कर रहे हैं, तब यह विचार और महत्वपूर्ण हो जाता है। भोजन की थाली में स्वाद के साथ पोषण और संयम का संतुलन होना चाहिए। आधुनिक जीवनशैली में फास्ट फूड और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती उपलब्धता ने इस चुनौती को और बढ़ाया है।

शाकाहार का एक बड़ा पक्ष करुणा और अहिंसा से जुड़ा है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में अहिंसा को महत्वपूर्ण जीवन-मूल्य माना गया है। भगवान महावीर ने जीव मात्र के प्रति करुणा और अहिंसा को अपने दर्शन का आधार बनाया। जैन दर्शन का 'जीओ और जीने दो' का संदेश जीवन के प्रति संवेदनशीलता का व्यापक विचार प्रस्तुत करता है। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों-मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों के रूप में रेखांकित किया।

इसी कारण शाकाहार को केवल भोजन की सूची में बदलाव के रूप में देखने के बजाय जीवन के प्रति दृष्टिकोण से जोड़कर समझना अधिक सार्थक हो सकता है। हमारी थाली में क्या है, यह केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं बल्कि कभी-कभी प्रकृति, संसाधनों और जीव-जगत के साथ हमारे संबंध का भी संकेत देती है। हालांकि अलग-अलग समाजों की भोजन परंपराएं अलग हैं और उनके पीछे भौगोलिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक कारण भी होते हैं। इसलिए शाकाहार की वकालत करते समय दूसरों की भोजन संबंधी पसंद का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी भोजन की आदतों पर चर्चा जरूरी हो गई है। पशुपालन और औद्योगिक पशु-आधारित खाद्य उत्पादन भूमि, पानी, चारे और ऊर्जा के उपयोग से जुड़े हैं। पशुधन क्षेत्र से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन सहित कई पर्यावरणीय प्रभाव जुड़े हुए हैं। दूसरी ओर पौध-आधारित खाद्य प्रणालियां भी पूरी तरह पर्यावरणीय प्रभाव से मुक्त नहीं हैं। खेती में पानी, भूमि, उर्वरक, ऊर्जा और परिवहन की आवश्यकता होती है। इसलिए समाधान किसी एक भोजन-पद्धति को पूर्णतः आदर्श घोषित करने में नहीं, बल्कि टिकाऊ, स्थानीय, विविध और संसाधन-कुशल खाद्य प्रणालियों को बढ़ावा देने में है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इस विषय का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। दालें, मोटे अनाज, फल, सब्जियां, तिलहन, मेवे और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ किसानों की आय और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं। यदि पौष्टिक स्थानीय खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ती है तो विविध कृषि और बागवानी को प्रोत्साहन मिल सकता है। साथ ही खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा के प्रश्नों पर भी बेहतर ढंग से विचार किया जा सकता है।

भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति में विविधता इसकी बड़ी ताकत रही है। दाल-चावल, रोटी-सब्जी, बाजरा, ज्वार, मक्का, साग, फल, दही, दूध, मेवे और अनेक स्थानीय खाद्य पदार्थ सदियों से अलग-अलग क्षेत्रों के भोजन का हिस्सा रहे हैं। आयुर्वेदिक परंपरा में भी भोजन को व्यक्ति की प्रकृति, ऋतु और जीवनशैली के अनुरूप रखने पर जोर दिया गया है। इसलिए शाकाहार को भारत में किसी नए फैशन के रूप में देखने की आवश्यकता नहीं है। इसे अपनी पारंपरिक खाद्य विविधता को आधुनिक पोषण-विज्ञान के साथ जोड़ने के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।

आज की नई पीढ़ी के सामने चुनौती कुछ अलग है। सोशल मीडिया और बाजार ने भोजन को स्वास्थ्य से कहीं अधिक प्रदर्शन, स्वाद और फैशन से जोड़ दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, ऑनलाइन फूड डिलीवरी और त्वरित भोजन की संस्कृति ने खाने की आदतों को तेजी से बदला है। ऐसे समय में युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि 'यह खाओ' या 'यह मत खाओ'। उन्हें यह समझाना होगा कि पोषण क्या है, संतुलित भोजन क्यों जरूरी है और हमारी भोजन संबंधी आदतों का स्वास्थ्य तथा पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

स्कूलों और कॉलेजों में पोषण शिक्षा को अधिक व्यावहारिक बनाने की आवश्यकता है। बच्चों को स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों के महत्व के बारे में बताया जा सकता है। परिवारों में भी भोजन को लेकर स्वस्थ आदतों का निर्माण जरूरी है। यदि बच्चे छोटी उम्र से ही फल, सब्जियां, दालें, मोटे अनाज और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन का सामान्य हिस्सा मानें तो आगे चलकर उनकी खानपान की आदतें अधिक संतुलित हो सकती हैं।

विश्व शाकाहार दिवस का संदेश इसलिए केवल मांसाहार और शाकाहार के बीच बहस तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका व्यापक संदेश भोजन के प्रति सजगता है। भोजन कितना है, कितना पौष्टिक है, कहां से आया है, उसके उत्पादन में कितने संसाधन लगे हैं और उसका हमारे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है इन प्रश्नों पर विचार करना समय की आवश्यकता है।

यह भी समझना होगा कि शाकाहार अपनाना हर व्यक्ति के लिए एक जैसा अनुभव नहीं हो सकता। आर्थिक स्थिति, स्थानीय उपलब्धता, स्वास्थ्य, उम्र, संस्कृति और व्यक्तिगत पसंद भोजन के चुनाव को प्रभावित करते हैं। इसलिए किसी पर खानपान की कोई पद्धति थोपना उचित नहीं होगा। जागरूकता का उद्देश्य विकल्पों की जानकारी देना होना चाहिए, दबाव बनाना नहीं।

भारत जब विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब विकास का अर्थ केवल आर्थिक आंकड़ों में वृद्धि नहीं हो सकता। स्वस्थ नागरिक, पोषणयुक्त परिवार, स्वच्छ पर्यावरण, टिकाऊ कृषि, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और संवेदनशील समाज भी विकास के महत्वपूर्ण मानदंड हैं। इस व्यापक दृष्टि में भोजन का प्रश्न स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

शाकाहार इस संदर्भ में स्वास्थ्य, पर्यावरण और करुणा के बीच संवाद का एक माध्यम बन सकता है। लेकिन इसकी वास्तविक शक्ति तभी सामने आएगी जब इसे वैज्ञानिक पोषण, संतुलित जीवनशैली और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जोड़ा जाए। केवल थाली बदलने से जीवन नहीं बदलता; भोजन के प्रति हमारी सोच और व्यवहार में भी बदलाव आवश्यक है।

विश्व शाकाहार दिवस हमें इसी आत्ममंथन का अवसर देता है। हमारी थाली केवल स्वाद और पसंद का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, प्रकृति और संवेदना से भी जुड़ी है। भोजन में संयम होगा तो संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी बढ़ सकती है, भोजन में पोषण होगा तो स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है और भोजन में करुणा की भावना होगी तो जीवन के प्रति संवेदनशीलता का विस्तार संभव है।

इसलिए शाकाहार को किसी विवाद या आग्रह का विषय बनाने के बजाय जागरूक, संतुलित और मानवीय जीवनशैली के एक विकल्प के रूप में समझना अधिक उपयोगी होगा। विश्व शाकाहार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि हम अपनी थाली को केवल पेट भरने का साधन न मानें, बल्कि उसे स्वस्थ शरीर, संतुलित मन, सुरक्षित पर्यावरण और करुणामय समाज की दिशा में एक जिम्मेदार कदम बनाएं। आखिरकार, बेहतर जीवन की शुरुआत कई बार किसी बड़े परिवर्तन से नहीं, बल्कि हमारी रोज की थाली से ही होती है।

औद्योगिक निवेश की दिशा में हब के रूप स्थापित हो रहा छत्तीसगढ़

तारांशकर सिन्हा

-नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024-30 से निवेश, रोजगार और नवाचार को मिल रहा बढ़ावा, छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल में

छत्तीसगढ़ सरकार की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं निवेश केंद्रों में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में लागू हुई। 01 नवंबर 2024 से 31 मार्च 2030 तक प्रभावी यह नीति उद्योगों को आकर्षक प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार, एमएसएमई विकास, नवाचार और क्षेत्रीय औद्योगिक संतुलन पर विशेष जोर देती है। उक्त नीति 'अमृतकालः छत्तीसगढ़ विजन-2047' पर केन्द्रित है जिसके तहत मौजूदा उद्योगों के विस्तार, विविधीकरण, आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन के लिए खास तौर पर प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों में फोकस किया गया है। निवेशकों के लिए आकर्षक प्रोत्साहनः नवीन औद्योगिक विकास नीति के तहत पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति, बिजली शुल्क में छूट, स्टाम्प ड्यूटी में छूट, तकनीकी एवं पेटेंट सहायता तथा रोजगार आधारित प्रोत्साहन जैसे अनेक लाभ दिए जा रहे हैं। पात्रता के अनुसार स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक की छूट, कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी 50 प्रतिशत तक तथा ईपीएफ प्रतिपूर्ति 75 प्रतिशत तक का प्रावधान है। नए क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहनः नीति का दायरा पारंपरिक खनिज आधारित उद्योगों तक सीमित नहीं है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई एवं रोबोटिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। एमएसएमई व स्थानीय उद्यमिता के साथ रोजगार और कौशल विकास पर जोरः नीति में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विशेष सहायता का प्रावधान है। विकासखंडों को विभिन्न समूहों में वर्गीकृत कर पिछड़े एवं अपेक्षाकृत कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया गया है। एससी/एसटी उद्यमियों के लिए भी विशेष प्रोत्साहन पैकेज उपलब्ध है। इसके अलावा नई औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा युवाओं के कौशल विकास को प्रोत्साहित करना नीति का प्रमुख ध्येय है। रोजगार सृजन से जुड़े उद्योगों के लिए विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। नए व उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यानः छत्तीसगढ़ की नवीन औद्योगिक विकास नीति में पारंपरिक खनिज एवं कृषि आधारित उद्योगों के साथ-साथ कई नए क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया है। जैसे- फार्मास्युटिकल्स एवं मेडिकल डिवाइस, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा सेंटर, एआई एवं रोबोटिक्स, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस एवं स्पेस टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग, पर्यटन, स्टील, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स इत्यादि के प्रोत्साहन की व्यापक संभावनाओं का प्रावधान इसमें किया गया है।

सब्सिडी के जरिए आर्थिक प्रोत्साहनः नवीन औद्योगिक विकास नीति के अंतर्गत विभिन्न पात्र उद्योगों को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी, ब्याज अनुदान, तकनीकी पेटेंट सब्सिडी, टेक्नोलॉजी खरीद सब्सिडी, रोजगार सहायता, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और स्टाम्प ड्यूटी में छूट जैसी सुविधाएं दी गई हैं। प्रमुख सुविधाओं में 100 प्रतिशत तक स्टाम्प ड्यूटी छूट, 50 प्रतिशत तक कैपिटल इन्वेस्टमेंट, ब्याज, टेक्नोलॉजी खरीद, टेक्निकल पेटेंट सब्सिडी और 75 प्रतिशत तक ईपीएफ प्रतिपूर्ति का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध आंदोलन : विपक्ष अपने वास्तविक जनसरोकारों से भटक रहा है

आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी'
कटिहार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ सत्ता और विपक्ष दोनों को संविधान ने समान रूप से महत्वपूर्ण स्थान दिया है। यदि सत्ता शासन का दायित्व निभाती है तो विपक्ष लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करता है। सरकार की नीतियों की समीक्षा करना, जनता के प्रश्नों को संसद और सड़क दोनों पर उठाना, प्रशासनिक कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करना तथा वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। इसी कारण एक मजबूत विपक्ष को लोकतंत्र की अनिवार्य आवश्यकता माना जाता है। किंतु जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनसरोकारों से हटकर लगातार संवैधानिक संस्थाओं को ही विवाद के केंद्र में रखने लगे, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या यह लोकतांत्रिक जवाबदेही की राजनीति है या राजनीतिक रणनीति का ऐसा मार्ग, जो अंततः स्वयं विपक्ष की विश्वसनीयता को ही प्रभावित कर सकता है। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति अधिक स्पष्ट दिखाई देती है कि चुनावी पराजय, राजनीतिक असहमति अथवा प्रशासनिक विवादों के बाद संवैधानिक संस्थाओं को लेकर तीखे राजनीतिक आरोप लगाए जाते हैं। कभी चुनाव आयोग, कभी जाँच एजेंसियाँ, कभी विश्वविद्यालय, कभी न्यायपालिका और कभी अन्य संस्थाएँ राजनीतिक बहस के केंद्र में आ जाती हैं। यदि किसी संस्था के विरुद्ध ठोस तथ्य, दस्तावेज़ और विधिक आधार मौजूद हों, तो उनकी समीक्षा लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। किंतु यदि आरोपों का आधार मुख्यतः राजनीतिक असहमति रह जाए, तो इससे संस्थागत विश्वास पर भी प्रभाव पड़ सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध आंदोलन या आरोपों को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। चुनाव आयोग की भूमिका चुनाव कराने, मतदाता सूची के प्रबंधन, आदर्श आचार संहिता के पालन तथा निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की है। यदि आयोग के किसी निर्णय पर आपत्ति है तो उसके लिए विधिक और संवैधानिक उपाय उपलब्ध हैं। न्यायालय का दरवाज़ा खुला है, निर्वाचन संबंधी याचिकाओं की व्यवस्था है और सार्वजनिक विमर्श का भी पूरा अवसर है। इसलिए किसी भी गंभीर आरोप की विश्वसनीयता अंततः उसके प्रमाणों से तय होगी, केवल उसके राजनीतिक प्रभाव से नहीं। यहाँ एक दूसरा प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। देश आज अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है—रोज़गार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्यायिक लंबित मामले, जल संकट, शहरी अवसंरचना, तकनीकी परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव, वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक विषय ऐसे हैं जिन पर व्यापक राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक विमर्श बार-बार व्यक्तियों और संस्थाओं के इर्द-गिर्द सिमट जाए, तो स्वाभाविक रूप से यह चर्चा होगी कि क्या वास्तविक जनसरोकार पीछे छूट रहे हैं। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन विरोध तभी प्रभावी माना जाता है जब वह जनता की प्राथमिकताओं से जुड़ा हो और उसके समर्थन में ठोस तथ्य, स्पष्ट तर्क तथा रचनात्मक विकल्प भी प्रस्तुत किए जाएँ। केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति लंबे समय तक जनसमर्थन अर्जित नहीं कर सकती। भारतीय मतदाता समय-समय पर यह संकेत देता रहा है कि वह आलोचना के साथ समाधान भी सुनना चाहता है। इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि किसी संवैधानिक संस्था की आलोचना और पूरी संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाने में अंतर है। यदि किसी निर्णय से असहमति है तो उसकी आलोचना की जा सकती है। यदि किसी प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता है तो उसका सुझाव दिया जा सकता है। लेकिन यदि हर असहमति को संस्था की निष्पक्षता पर स्थायी आरोप में बदल दिया जाए, तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि सत्ता और विपक्ष की भूमिकाएँ स्थायी नहीं होतीं। आज जो विपक्ष में है, वह कल सत्ता में हो सकता है; और जो सत्ता में है, वह भविष्य में विपक्ष में बैठ सकता है। इसलिए संस्थाओं के प्रति अपनाया गया दृष्टिकोण भी सिद्धांत आधारित होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक परिस्थिति आधारित। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल संवैधानिक संस्थाओं के सुधार पर गंभीर बहस करें। नियुक्ति प्रक्रिया, पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत क्षमता जैसे विषयों पर रचनात्मक विमर्श हो। यदि चुनाव आयोग को और अधिक सक्षम बनाने की आवश्यकता है, तो उसके लिए ठोस सुझाव दिए जाएँ। यदि चुनाव सुधार अपेक्षित हैं, तो उनके लिए सर्वदलीय सहमति का प्रयास किया जाए। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता होगी। राजनीतिक आंदोलनों का मूल्यांकन केवल उनके शोर से नहीं, बल्कि उनके उद्देश्य और परिणाम से किया जाता है। यदि कोई आंदोलन जनता के वास्तविक प्रश्नों को केंद्र में रखता है, तो वह व्यापक समर्थन प्राप्त करता है। यदि उसका केंद्र मुख्यतः राजनीतिक टकराव बन जाए, तो उसकी प्रभावशीलता सीमित हो सकती है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि यहाँ सत्ता से प्रश्न पूछे जा सकते हैं, संस्थाओं पर वैधानिक आलोचना की जा सकती है और न्यायिक समीक्षा उपलब्ध है। लेकिन लोकतंत्र की स्थिरता इस बात पर भी निर्भर करती है कि राजनीतिक दल जनता के विश्वास को बनाए रखने वाली संस्थाओं के प्रति अपनी भाषा और रणनीति में संयम रखें। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि जनमत का प्रतिनिधित्व करना भी है। एक प्रभावी विपक्ष वही माना जाता है जो जनता की आकांक्षाओं, समस्याओं और अपेक्षाओं को प्राथमिकता दे। यदि किसान संकट में हैं तो उनकी आवाज़ उठाना, यदि बेरोज़गारी चिंता का विषय है तो उसके समाधान पर सरकार को घेरना, यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, न्यायपालिका, महँगाई, उद्योग, सीमावर्ती सुरक्षा या प्रशासनिक सुधार जैसे विषय जनता को प्रभावित कर रहे हैं, तो उन पर वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करना विपक्ष की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यही कारण है कि लोकतंत्र में विपक्ष को केवल आलोचक नहीं, बल्कि संभावित वैकल्पिक शासन के रूप में भी देखा जाता है। इसी कसौटी पर जब वर्तमान राजनीतिक विमर्श का मूल्यांकन किया जाता है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक ऊर्जा का बड़ा भाग उन मुद्दों पर खर्च हो रहा है जिनका सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन से है, अथवा वह अधिकतर संस्थागत टकराव और राजनीतिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द सिमटता जा रहा है। यह एक वैध राजनीतिक बहस का विषय है। किसी भी लोकतांत्रिक दल को यह अधिकार है कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त, चुनाव आयोग या किसी अन्य संवैधानिक संस्था के किसी निर्णय की आलोचना करे, यदि उसके पास उसके समर्थन में तथ्य, दस्तावेज़ और विधिक आधार हों। किंतु यदि आंदोलन का केंद्र मुख्यतः आरोप बन जाए और उसके साथ पर्याप्त प्रमाण या वैधानिक आधार प्रस्तुत न किए जाएँ, तो स्वाभाविक रूप से उसकी प्रभावशीलता और विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठते हैं। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि चुनाव आयोग समय-समय पर विभिन्न दलों की आलोचना का विषय रहा है। अलग-अलग कालखंडों में अलग-अलग दलों ने आयोग के निर्णयों पर प्रश्न उठाए हैं। इसलिए यह कहना कि केवल एक ही राजनीतिक दल ने कभी आयोग की आलोचना की, तथ्यात्मक नहीं होगा। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि यदि प्रत्येक चुनावी पराजय या प्रत्येक राजनीतिक असहमति के बाद संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर व्यापक प्रश्नचिह्न लगाए जाएँ, तो इससे जनता के मन में संस्थाओं के प्रति अनावश्यक संशय उत्पन्न हो सकता है। लोकतंत्र में संस्थाओं का मूल्यांकन तथ्यों और वैधानिक प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भाषणों के आधार पर। यह भी विचारणीय है कि आज देश के सामने अनेक ऐसे विषय हैं जिन पर व्यापक राष्ट्रीय विमर्श अपेक्षित है। न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ, पुलिस सुधार, कृषि की उत्पादकता, जल संरक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण बदलता रोजगार परिदृश्य, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सीमा सुरक्षा, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, वैश्विक व्यापार, जलवायु परिवर्तन और शहरी अवसंरचना जैसे विषय सीधे नागरिकों के भविष्य से जुड़े हैं। यदि विपक्ष इन विषयों पर विस्तृत वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करता है, तो वह न केवल सरकार को अधिक प्रभावी ढंग से चुनौती देगा, बल्कि जनता के बीच अपनी नीति-आधारित विश्वसनीयता भी मजबूत करेगा। लोकतांत्रिक राजनीति में केवल विरोध पर्याप्त नहीं होता; वैकल्पिक दृष्टि भी आवश्यक होती है। यदि किसी संवैधानिक संस्था की आलोचना की जाती है, तो उसके साथ यह भी बताया जाना चाहिए कि सुधार किस प्रकार किए जाएँ, नियुक्ति प्रक्रिया कैसे अधिक पारदर्शी बने, जवाबदेही कैसे बढ़े और जनता का विश्वास कैसे सुदृढ़ हो। केवल असहमति व्यक्त करना और रचनात्मक सुधार का खाका प्रस्तुत करना—इन दोनों के बीच ही परिपक्व लोकतांत्रिक राजनीति का अंतर दिखाई देता है। राजनीतिक दलों को यह भी स्मरण रखना चाहिए कि सत्ता और विपक्ष की भूमिका स्थायी नहीं होती। आज जो विपक्ष में है, वह भविष्य में सत्ता में आ सकता है और जो सत्ता में है, वह विपक्ष में बैठ सकता है। इसलिए संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अपनाया गया दृष्टिकोण व्यक्ति या दल नहीं, बल्कि सिद्धांत आधारित होना चाहिए। यदि किसी संस्था की स्वतंत्रता का समर्थन केवल तब किया जाए जब उसका निर्णय अपने पक्ष में हो और विरोध तब किया जाए जब निर्णय प्रतिकूल हो, तो जनता ऐसे विरोध को सिद्धांतनिष्ठ नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति के रूप में भी देख सकती है। मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक बहस को तथ्यों, दस्तावेज़ों और प्रमाणों के आधार पर आगे बढ़ाना उनकी जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक विमर्श आरोप और प्रत्यारोप तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक नीतिगत बहस पीछे छूट जाती है। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि उसके सार्वजनिक विमर्श में तर्क अधिक हैं या केवल उत्तेजना। अंततः यह कहना अधिक उचित होगा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विश्वसनीयता होती है। यह विश्वसनीयता केवल सरकार की आलोचना से नहीं, बल्कि जनता के वास्तविक प्रश्नों को प्राथमिकता देने, तथ्यों पर आधारित राजनीति करने और रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करने से बनती है। यदि राजनीतिक संघर्ष का केंद्र लगातार संवैधानिक संस्थाएँ ही बन जाएँ और जनजीवन से जुड़े मुद्दे पीछे छूट जाएँ, तो यह लोकतांत्रिक विमर्श की दिशा पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। भारतीय लोकतंत्र को एक ऐसे विपक्ष की आवश्यकता है जो सरकार से कठोर प्रश्न पूछे, लेकिन उतनी ही गंभीरता से समाधान भी प्रस्तुत करे; जो संस्थाओं की वैध आलोचना करे, लेकिन बिना पर्याप्त आधार उनके प्रति व्यापक अविश्वास का वातावरण न बनाए; जो राजनीतिक संघर्ष को जनहित के मुद्दों से जोड़े और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को अधिक परिपक्व बनाए। यही लोकतंत्र की शक्ति है, यही विपक्ष की वास्तविक भूमिका है और यही जनता की अपेक्षा भी।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों का दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फ़ोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर ज़रूरत से ज़्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने का प्लान बना सकते हैं। शुभ अंकः 6

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है। आप चीज़ों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे। परिवार के सदस्यों में मधुरता बरकरार रहेगी। संतान की ओर से सुख मिल सकता है। शुभ अंकः 3

मिथुन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। घर में कोई कार्यक्रम होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है। शुभ अंकः 6

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका पूरा ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है; विरोधी पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकता है। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। जीवन में चल रही सभी परेशानियां जल्द दूर होंगी। शुभ अंकः 5

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे, इसके लिए आपको संतुलित आहार लेना चाहिए। आपके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आने से नए मित्र बन सकते हैं। शुभ अंकः 4

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज माता-पिता से किसी काम के लिए ली गई सलाह कारगर साबित होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। महिलाओं के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। व्यापारी वर्ग आज कोई ज़रूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी पुराने ऋण से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपकी चिंता समाप्त होगी। शुभ अंकः 9

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरी बनाकर रहेगा। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। लेखक आज कोई नई कहानी लिख सकते हैं, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा। परिवार में नए सदस्य के जुडने से सभी लोग बहुत खुश होंगे। शुभ अंकः 1

वृश्चिक राशिः आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर जाएं; आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज विशेष लाभ होगा। आपकी मेहनत और लगन देखकर आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे। शुभ अंकः 7

धनु राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे; साथ ही जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की योजना बना सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में लाभ हो सकता है। शुभ अंकः 2

मकर राशिःआज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है; साथ ही किसी अच्छे रेस्तरां में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से मदद मिल सकती है। शुभ अंकः 2

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी जाने का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं, जहाँ बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा। कोई नई स्किल सीख सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में ज़रूर मिलेगा। मार्केट में लॉन्च नई कार खरीदने का मन बना सकते हैं। शुभ अंकः 7

मीन राशिःआज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आपके अच्छे विचार समाज में अलग पहचान बनाने में मदद करेंगे। घर पर फ्लावर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है। आज आप अपने डेली रूटीन में कुछ बदलाव कर सकते हैं। किसी काम को करने का नया तरीका बिजनेस में फायदा करा सकता है। शुभ अंकः 6

वर्षों संघर्ष के बाद नए पुल के निर्माण का रास्ता साफ, 30 सितंबर को हुआ शिलान्यास

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।गिद्दी-भुरकुंडा दामोदर नदी पुल के नए निर्माण की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार धरातल पर उतर गई। करीब तीन वर्षों से जर्जर पुल की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों के लिए 30 सितंबर का दिन महत्वपूर्ण रहा। नए पुल के निर्माण का विधिवत शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, मांडू विधायक निर्मल महतो और बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी सहित सीसीएल के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। गिद्दी-भुरकुंडा दामोदर पुल हजारीबाग और रामगढ़ जिलों के बीच महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी है। यह क्षेत्र के आवागमन के साथ-साथ कोयलांचल की आर्थिक गतिविधियों के लिए भी अहम माना जाता है। पुराने पुल की जर्जर स्थिति को लेकर लंबे समय से स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई थी। नए पुल की मांग को लेकर गिद्दी-भुरकुंडा दामोदर नदी पुल बचाओ संघर्ष समिति ने लगातार आंदोलन किया। समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम पांडेय के नेतृत्व में धरना, प्रदर्शन, बंद और उपवास जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से पुल की समस्या को प्रशासन, सीसीएल प्रबंधन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष उठाया गया। स्थानीय लोगों, संघर्ष समिति, मीडिया और विभिन्न जनप्रतिनिधियों की ओर से लगातार आवाज उठाए जाने के बाद पुल निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी। हाल की रिपोर्टों में भी स्थानीय आंदोलन, मीडिया की भूमिका और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों को इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है। पुल निर्माण की प्रक्रिया में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल की भूमिका को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा रही है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार सांसद ने पुल निर्माण को लेकर संबंधित अधिकारियों और सीसीएल प्रबंधन से संपर्क किया तथा निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किए। शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद के साथ स्थानीय विधायक भी शामिल हुए। वहीं, संघर्ष समिति की ओर से भी सांसद मनीष जायसवाल के सहयोग और समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। इस पूरे मामले में स्थानीय आंदोलन और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों को लेकर अलग-अलग स्तरों पर चर्चा होती रही है। नए उच्चस्तरीय पुल के निर्माण के लिए स्टेट हाईवे अथॉरिटी ऑफ झारखंड के माध्यम से प्रक्रिया आगे बढ़ी। उपलब्ध निविदा विवरण में गिद्दी-भुरकुंडा मार्ग पर दामोदर नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण की अनुमानित परियोजना लागत करीब 17.93 करोड़ रुपये दर्ज है और निर्माण अवधि 730 दिन निर्धारित की गई है। इससे पहले सीसीएल द्वारा नए पुल के निर्माण और पुराने पुल की मरम्मत के लिए राशि उपलब्ध कराने की जानकारी भी सामने आई थी। जुलाई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार नए पुल के साथ जर्जर पुराने पुल की मरम्मत को भी योजना में शामिल किया गया था। 30 सितंबर को हुए शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर गिद्दी-भुरकुंडा क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक छऊ नृत्य, नगाड़ा और मांदर की थाप के साथ अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा और आजसू के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद मनीष जायसवाल, मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो, बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी, सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के महाप्रबंधक सत्यजीत कुमार, बरकासयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक रंजय सिन्हा, हजारीबाग भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, रामगढ़ भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार बाबला और रामगढ़ आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। नए पुल के निर्माण से गिद्दी-भुरकुंडा क्षेत्र के लोगों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा हजारीबाग और रामगढ़ जिलों के बीच संपर्क और मजबूत होगा तथा कोयलांचल क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बेहतर परिवहन सुविधा मिलने की संभावना है। क्षेत्रवासियों के लिए यह केवल एक पुल का निर्माण नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही एक महत्वपूर्ण मांग के पूरा होने की शुरुआत है। वर्षों तक जर्जर पुल की समस्या झेलने के बाद अब स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नया दामोदर पुल आने वाले समय में सुरक्षित आवागमन और क्षेत्रीय विकास की नई राह खोलेगा।

उपायुक्त हेमंत सती ने की डीएमएफटी योजनाओं की किया समीक्षात्मक बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

» ससमय और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

हजारीबाग।हजारीबाग के उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के तहत संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, जिला योजना पदाधिकारी और विभिन्न तकनीकी विभागों के अभियंता मौजूद रहे। अब से डीएमएफटी की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा जूनियर इंजीनियर वार की जाएगी। जिन निर्माण स्थलों पर कार्य में बाधा आ रही है, वहां मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती कर त्वरित निष्पादन का आदेश दिया गया। आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में गुणवत्तायुक्त बालू, सीमेंट, बजरी के उपयोग और संरचनाओं को वॉटरप्रूफ बनाने पर विशेष जोर दिया गया ताकि निर्माण टिकाऊ रहे। बड़कागांव में गुणवत्तापूर्ण बोरवेल कराकर हर घर जल कनेक्शन देने और मनरेगा के तहत 'सोक पिट' बनाने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी लंबित व पुरानी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा वार्षिक प्लान का ऑडिट सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में एसआईआर के तहत फॉर्म-6 के 6.42 लाख आवेदन प्राप्त, 19 अक्टूबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में फॉर्म-6 के माध्यम से अब तक 6,42,347 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से 30 सितंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, 29 सितंबर को अकेले फॉर्म-6 के 15,433 आवेदन मिले। वहीं, फॉर्म-6ए के माध्यम से कुल 106 आवेदन प्राप्त हुए हैं। फॉर्म-7 के तहत 12,275 आवेदन एवं आपत्तियां दर्ज की गई हैं, जबकि फॉर्म-8 के माध्यम से 4,36,782 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 29 सितंबर को फॉर्म-7 के 429 और फॉर्म-8 के 12,721 आवेदन शामिल हैं। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित थी। वहीं, अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

किसानों की बदहाली पर सरकार को घेरा, फसल क्षति का मुआवजा देने की मांग

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार ने झारखंड में किसानों की बदहाल स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों के सामने मौसम की अनिश्चितता, फसल क्षति, सिंचाई, खाद-बीज की उपलब्धता और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलना जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। सरकार के दावे जमीन पर प्रभावी नजर नहीं आ रहे हैं। अविनेश कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में प्रतिकूल मौसम से कई इलाकों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। रांची जिला प्रशासन ने 26 सितंबर को फसल क्षति का तत्काल आकलन कराने का निर्देश दिया था, लेकिन यह प्रक्रिया भी सही ढंग से पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि सरकार केवल सर्वे कराने तक सीमित न रहे, बल्कि प्रभावित किसानों को समयबद्ध तरीके से मुआवजा और राहत उपलब्ध कराए। धान खरीद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि खरीफ विपणन मौसम 2026-27 में 50 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए किसानों का ई-केवाईसी और भूमि सत्यापन कराया जा रहा है। लेकिन जरूरी है कि खरीद केंद्रों पर किसानों को परेशानी न हो और भुगतान में देरी नहीं हो। उन्होंने कहा कि झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार राज्य का सकल सिंचित क्षेत्र कुल फसल क्षेत्र का महज 17.1 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। बारिश पर निर्भर खेती के कारण किसानों की आय भी जोखिम में रहती है। उन्होंने सरकार से फसल क्षति का पारदर्शी सर्वे, शीघ्र मुआवजा, धान खरीद व्यवस्था मजबूत करने तथा खाद-बीज, सिंचाई और भंडारण की सुविधाओं का विस्तार करने की मांग की।

शराब नीति को लेकर बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर उठाए सवाल

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की शराब नीति को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब नीति में संशोधन और सलाहकार की नियुक्ति के नाम पर बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई। मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए पूछा कि क्या यह शराब नीति थी या लूट की सरकारी पटकथा? मरांडी ने अपने पोस्ट में दावा किया कि छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान मुख्यमंत्री की मेजबानी करने वाले अनवर ढेबर ने झारखंड की शराब नीति में संशोधन कराने के लिए तत्कालीन प्रधान सचिव विनय चौबे को 50 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। वहीं, छत्तीसगढ़ मॉडल लागू कराने और अरुणपति त्रिपाठी को JSBCL का सलाहकार नियुक्त कराने के लिए पांच करोड़ रुपये अलग से दिए जाने की बात भी जांच में सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी रकम के लेन-देन और नीति में बदलाव की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को कैसे नहीं हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्होंने घोटाले की आशंका को लेकर टेंडर से पहले ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आगाह किया था। इसके बावजूद झारखंड के हितों की रक्षा करने के बजाय शराब माफियाओं के खेल को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने रायपुर में छत्तीसगढ़ मॉडल का अध्ययन करने गई अधिकारियों की टीम की रिपोर्ट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि महज 24 घंटे में, वह भी छुट्टी के दिन, अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार कर दी गई और मॉडल लागू करने की अनुशंसा कर दी गई। मरांडी ने आरोप लगाया कि ईडी की जांच आगे बढ़ने पर मामले की जांच प्रभावित करने के उद्देश्य से एसीबी के माध्यम से आरोपितों की गिरफ्तारी कराई गई और बिना चार्जशीट के उन्हें जेल से बाहर निकलवाया गया, ताकि कथित घोटाले के मुख्य आरोपित बच सकें। उन्होंने कहा कि सत्ता की चालाकियां कानून से बड़ी नहीं होतीं और शराब नीति मामले में जिम्मेदार लोगों को कानून के सामने जवाब देना होगा। मरांडी ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की। आरोपों को और संतुलित बनाएं खबर को संक्षिप्त और धारदार करें कानूनी आरोपों में सावधानी बरतें

एसआईआर की समीक्षा के लिए गिरिडीह पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से किया संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह।मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे एसआईआर कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान फॉर्म-6, 6ए, 7 और 8 के आवेदनों, नोटिसों की सुनवाई तथा दस्तावेजों के सत्यापन की प्रगति की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 5 अगस्त से 29 सितंबर तक फॉर्म-6 के 49,612, फॉर्म-7 के 569 और फॉर्म-8 के 55,626 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों को लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन करने और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी पात्र मतदाता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी आवेदनों की जांच और नोटिसों की सुनवाई पारदर्शी तरीके से की जाए। बैठक के बाद के. रवि कुमार ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित अनाथालय प्रेमदान पहुंचे। यहां उन्होंने महिलाओं और सेविकाओं से एसआईआर के तहत फॉर्म भरने एवं मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी ली। संस्थान में रह रहे बच्चों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को उनके पहचान संबंधी दस्तावेजों की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी कराने का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शहर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे और बुजुर्गों से संवाद कर उनके मतदाता सूची में नाम दर्ज होने तथा दस्तावेजों की स्थिति की जानकारी ली। कुछ बुजुर्गों ने बताया कि वृद्धाश्रम में रहने के कारण उनके जरूरी दस्तावेज घर पर रह गए हैं। इस पर उन्होंने अधिकारियों को वृद्धाश्रम में विशेष शिविर आयोजित कर बुजुर्गों की मतदाता सूची एवं पहचान संबंधी समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सहायक समाहर्ता, निर्वाची पदाधिकारी सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

अनुसेवक अंगद महतो को सेवानिवृत्ति पर मुख्यमंत्री ने दी विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पदस्थापित अनुसेवक अंगद महतो के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी। मुख्यमंत्री ने अंगद महतो के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंगद महतो ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सेवाकाल के दौरान मुख्यमंत्री के सरल एवं संवेदनशील व्यवहार के कारण उन्हें हमेशा आत्मीय और सहज कार्य वातावरण मिला, जिसे वे जीवनभर याद रखेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने भी अंगद महतो को सेवानिवृत्ति के बाद सुखद एवं स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

वन अधिकार कानून में समुदाय की भागीदारी और महिलाओं का नेतृत्व जरूरी : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि जल-जंगल-जमीन पर पहला अधिकार उन समुदायों का है, जिन्होंने पीढ़ियों से इनका संरक्षण किया है। वन अधिकार कानून का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब स्थानीय समुदायों को अधिकारों के साथ वन संरक्षण और प्रबंधन की निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी मिलेगी। वे बुधवार को अनगड़ा के सीताफॉल पार्किंग स्थल में सामुदायिक वन पालन संस्थान (ICFG) के तत्वावधान में आयोजित प्रखंड स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के जंगल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि यहां की संस्कृति, परंपरा, आजीविका और जीवन-व्यवस्था का आधार हैं। वन अधिकार कानून को कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। अधिकारों की पहचान, उनका वास्तविक हस्तांतरण और ग्राम स्तर पर निर्णय प्रक्रिया में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने वन संरक्षण में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उन्हें केवल भागीदार नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी आगे लाना होगा। सुदेश महतो ने कहा कि विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हितों को प्राथमिकता देनी होगी। कार्यक्रम से पूर्व पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन में डॉ. संजय बसुमलिक, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, महिला समूहों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

झामुमो का राजभवन के समक्ष प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» झामुमो का राजभवन के समक्ष प्रदर्शन

रांची। भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बुधवार को राजभवन के समक्ष विरोध-प्रदर्शन किया। रांची, रांची महानगर, खूंटी, लोहरदगा और रामगढ़ जिला समितियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पद के दुरुपयोग और एकतरफा निर्णय लेने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। झामुमो नेताओं ने मीडिया रिपोर्टों और आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। पार्टी का आरोप है कि इन आपत्तियों की अनदेखी करते हुए मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए गए, जिससे मताधिकार प्रभावित हो सकता है। प्रदर्शन में केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य, सांसद महुआ माजी, विधायक विकास मुंडा सहित कई नेता व हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भीबीयु इंटर कॉलेज महिला कबड्डी टूर्नामेंट: जेजे कॉलेज झुमरी तिलैया बना विजेता, रामगढ़ कॉलेज उपविजेता

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।विनोबा भावे विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज महिला कबड्डी टूर्नामेंट का भव्य आयोजन संत कोलंबा कॉलेज के खेल प्रांगण में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल पांच टीमों—सेंट कोलंबा कॉलेज, कानपुर कॉलेज (बड़कागांव), रामगढ़ कॉलेज, जेजे कॉलेज (झुमरी तिलैया) और आनंदा कॉलेज (हजारीबाग) ने भाग लिया। शानदार प्रदर्शन करते हुए जेजे कॉलेज झुमरी तिलैया ने प्रथम स्थान (विजेता) हासिल किया, जबकि रामगढ़ कॉलेज उपविजेता रहा। मेजबान सेंट कोलंबा कॉलेज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर मिथलेश सिंह, स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉ. जोनी रोफिना तिर्की और प्राचार्य डॉ. बिमल रावेन उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. सर्वर अली सहित अन्य खेल पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। आकर्षक मंच संचालनः डॉ. भुवनेश्वर प्रसाद ने अपने प्रभावशाली संचालन और कबड्डी खेल के नियमों व तकनीकों की रोचक जानकारी देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

हजारीबाग में उत्पाद विभाग की कार्रवाई: 2198 लीटर अवैध नकली विदेशी शराब जब्त, मकान मालिक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम ने दारू प्रखंड के हरली गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान लक्ष्मण प्रसाद के मकान से 251 पेटियों में रखी कुल 2198 लीटर अवैध नकली विदेशी शराब बरामद की गई, जिसमें रॉयल स्टैग, ओल्ड मॉन्क और ऑफिसर्स चॉइस जैसे प्रमुख ब्रांड शामिल हैं। छापेमारी के दौरान मुख्य आरोपी श्रवण सुंडी और धनेश्वर महतो मौके से फरार मिले। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों ने लक्ष्मण प्रसाद का मकान किराए पर लेकर अवैध शराब का कारोबार शुरू किया था। उत्पाद विभाग ने मकान मालिक लक्ष्मण प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है तथा फरार आरोपियों की तलाश जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वियतनाम में योग शिक्षक राजा कुमार के निधन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।वियतनाम में कैलाश नगर निवासी एवं योग शिक्षक राजा कुमार के आकस्मिक निधन पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने शोक जताया है। बुधवार को उन्होंने दिवंगत राजा कुमार के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान केशव महतो कमलेश ने रांची के उपायुक्त से दूरभाष पर बातचीत कर दिवंगत के परिजनों को सरकारी स्तर पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी, प्रदेश महासचिव रियाजुल अंसारी, रांची महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार राजा, आशुतोष कुमार पाठक, सुजीत सिंह, अजय जैन, अजय सिंह और कृष्ण वर्मा समेत कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस अधीक्षक ने किया बड़कागांव थाना का निरीक्षण

हजारीबाग। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक ने बड़कागांव थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद और थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। विधि-व्यवस्था और थाना के प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को लंबित मुकदमों, वारंट और कुर्की-जब्ती के मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने और फरार अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी के निर्देश दिए अवैध नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों के आरोपियों को गिरफ्तार करने और नशाखोरी के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाने का आदेश दिया। एनटीपिसी और सहयोगी कोल माइंस क्षेत्रों में निरंतर गश्ती (पेट्रोलिंग) करने को कहा, ताकि लूट, चोरी या डकैती जैसी घटनाओं को रोका जा सके। अवैध बालू, कोयला और अन्य सामग्रियों की तस्करी पर पूरी तरह से लगाम लगाने के निर्देश दिए। संगठित अपराध पर पूर्णतः अंकुश लगाने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों व आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

स्वच्छता का संदेश लेकर उतरे जल सहिया व शिक्षक, भुरकुंडा बाजार में चला सफाई अभियान

» भुरकुंडा मध्य विद्यालय सहित कई इलाकों में हुई साफ-सफाई, लोगों से स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील

भुरकुंडा/रामगढ़। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के अंतर्गत बुधवार को भुरकुंडा मध्य विद्यालय सहित भुरकुंडा बाजार के विभिन्न इलाकों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में जल सहियाओं व विद्यालय के शिक्षकों ने संयुक्त रूप से भाग लेते हुए साफ-सफाई की व लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान लोगों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कूड़ा-कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने सहित स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। अभियान के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि दैनिक जीवन की जिम्मेदारी है। अभियान में शामिल जल सहियाओं में शोभा चैधरी, मंजू देवी, चमेली देवी, अख्तरी बानो, उषा देवी, गीता देवी, आफिया नगमा खातून, संगीता कुमारी व अंजलि शामिल थीं। वहीं, भुरकुंडा मध्य विद्यालय के शिक्षकों में रोहित मिश्रा, निर्मल राम, दिव्या सुमन, उर्मिला कुमारी, नेहा यादव, दीप्ति कुमारी, संजय कुमार शर्मा, शिव कुमार, बबीता कुमारी, अल्मा कांता कुजूर, सुनील कुमार व मीना देवी ने अभियान में सहभागिता निभाई। शिक्षकों व जल सहियाओं की संयुक्त भागीदारी से आयोजित इस अभियान के माध्यम से 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत-विकसित भारत' का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें अपने घर, विद्यालय व आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना रहा।

डीडीसी ने बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना कोचेडेगा का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

सिमडेगा। उप विकास आयुक्त सिमडेगा दीपांकर चौधरी ने बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना, कोचेडेगा का निरीक्षण बुधवार को किया। इस दौरान उन्होंने योजना के तहत संचालित इंटेक वेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी), पंप हाउस सहित विभिन्न संरचनाओं का जायजा लिया व पेयजलापूर्ति की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि वर्तमान में संवेदक की ओर से योजना का संचालन व रखरखाव किया जा रहा है। योजना के माध्यम से कुल 1159 लाभुकों को नल-जल संयोजन उपलब्ध कराया गया है व प्रतिदिन सुबह-शाम दो बार पेयजलापूर्ति की जा रही है। उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को योजना के तहत उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की माहवार जल जांच कराते हुए जांच रिपोर्ट ग्राम जल व स्वच्छता समिति को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मामूली लीकेज की समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित ग्राम जल व स्वच्छता समिति द्वारा नियमानुसार जलकर शुल्क निर्धारित कर जलकर की वसूली करने, अंतिम छोर पर फ्लो मीटर लगाने व नियमानुसार समिति का गठन करने का निर्देश दिया। साथ ही त्रिपक्षीय समझौता कर योजना को ग्राम जल व स्वच्छता समिति को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक-आईईसी, कोचेडेगा के मुखिया सहित संबंधित अधिकारी व ग्रामीण उपस्थित थे।

एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति की बैठक कर किया समिति का विस्तार

नई सोच एक्सप्रेस

टंडवा। रुक्मणी होटल टंडवा में एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति की एक बैठक बुधवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मिथलेश गुप्ता ने की। इस बैठक में समिति विस्तार को लेकर उपस्थित एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति के सचिव अरुण पांडे, कोषाध्यक्ष महेंद्र यादव समेत सभी लोगों ने बारी बारी से चर्चा किया। जिसके बाद सर्वसम्मति से समिति का उपाध्यक्ष के रूप में महेश मुंडा, संजीत कुमार गुप्ता, सुनील चौरसिया, बबलू प्रसाद गुप्ता, विकास मालाकार, नारायण महतो, बैजनाथ पांडे का चयन किया गया। उप सचिव के पद पर सरोज कुमार पांडे को चयनित किया किया गया। वहीं समिति के प्रवक्ता के रूप में रामेश्वर मिस्त्री को चयनित किया गया। इधर मीडिया प्रभारी के रूप में कुलदीप दास व सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में मुकेश प्रजापति को चयनित किया गया। समिति का संरक्षक पूर्व विधायक किशुन कुमार दास, अक्षयवट पांडे, कामेश्वर पांडे, रंजीत कुमार गुप्ता, प्रताप चौरसिया, गणेश प्रसाद गुप्ता, नथू प्रसाद गुप्ता, राजमणि सिंह को बनाया गया। समिति विस्तार होने के बाद समिति के अध्यक्ष मिथिलेश गुप्ता ने बताया कि एनटीपीसी से विस्थापित रैयत की समस्याओं व अन्य विषयों के निदान के लिए समिति कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि रैयत की समस्या सहित अन्य कई प्रकार के मुद्दों को पटल पर रखकर समाधान करने का भी काम समिति करेगी। अगले सप्ताह एनटीपीसी अधिकार समिति का स्थाई कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रताप चौरसिया, नत्थू गुप्ता, राजमणि सिंह, मुकेश कुमार प्रजापति, रंजीत कुमार गुप्ता, संजीत कुमार गुप्ता, महेंद्र यादव, सरोज पांडे, अनिल कुमार, नारायण महतो, बाल कृष्ण यादव समेत कई रैयत उपस्थित थे।

नकली मिनी शराब फैक्ट्री का खुलासा

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। डीसी रवि आनंद के निर्देश पर उत्पाद विभाग की टीम ने वशिष्ठनगर-जोरी थाना क्षेत्र के औरवा गांव में छापेमारी कर नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया। यहां स्पिरिट में कैरेमल व एसेंस मिलाकर विभिन्न ब्रांड के नाम पर नकली शराब तैयार की जा रही थी। मौके से रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज व आईकोनिक के नाम की 391 पेटियों में 9,888 बोतल यानी करीब 3,511 लीटर शराब बरामद हुई। इसके अलावा 1,560 लीटर स्पिरिट, करीब 2,000 लीटर तैयार रंगीन शराब, कैरेमल, नकली लेबल, ढक्कन, खाली बोतलें व तीन पंचिंग मशीन जब्त की गईं। छापेमारी के दौरान आरोपी फरार हो गए। मामले में दिलीप यादव, अरुण कुमार तिवारी व मिथिलेश कुमार यादव सहित अन्य के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

बंदियों की समस्याओं से रूबरू हुए बोर्ड ऑफ विजिटर व डालसा

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर बोर्ड ऑफ विजिटर व डालसा के संयुक्त टीम ने बुधवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर का निरीक्षण किया। पलामू के प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज कुमार मिश्रा की अगुआई में जिला पंचायती राज पदाधिकारी दानवीर लकड़ा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश यादव, डालसा सचिव सौरभ कुमार गौतम, व्यवहार न्यायालय के निबंधक कमल प्रकाश, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चंद सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पाण्डेय ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बैरक, महिला वार्ड, मुलाकाती सहायता केंद्र, मेडिकल वार्ड, कीचन, स्टोर रूम, लाइब्रेरी, प्रिंटिंग प्रेस, कपड़ा बुनाई का जायजा लिया। साथ ही कैदियो को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं व चिकित्सा व्यवस्था का आकलन किया। टीम ने साफ सफाई, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, सुरक्षा व्यवस्था व कैदियों से सम्बंधित व्यवस्थाओ की समीक्षा की। टीम के लोगों ने बन्दियों से मुकदमे के बारे में पैरवी के लिए अधिवक्ता के बारे में भी जानकारी ली। प्रभारी पीडीजे राज कुमार मिश्रा ने कहा कि कोई भी बंदी बिना अधिवक्ता के नहीं रहे। डालसा सभी को मुफ्त अधिवक्ता उपलब्ध करा रहा है। कोई समस्या हो तो जेल पीएलवी के माध्यम से आप अपनी समस्या लिखवाकर डालसा में भेज सकते हैं। टीम के लोगों ने यह भी परखा की सरकार की ओर से निर्धारित मानक मेन्यू के तहत लोगों को भोजन दिया जा रहा है या नहीं। महिला वार्ड में बंद महिला बंदियों से भी टीम के लोगों ने मुलाकात की व उनकी समस्या से रूबरू हुए। टीम ने महिला बन्दियों के साथ छोटे बच्चों को बिस्किट व टॉफी दी। मौके पर काराधीक्षक प्रभात कुमार, कारापाल देवनाथ राम के अलावा लीगल एड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय, पुष्कर राज सहित अन्य उपस्थित थे।

अतिक्रमण मुक्त होगा रामगढ़ शहर, सड़क पर उतरे डीसी-एसपी

नई सोच एक्सप्रेस

रामगढ़। शहर को जाम व अतिक्रमण की समस्या से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने अब सीधा मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार को डीसी ऋतुराज व एसपी मुकेश कुमार लुनायत के नेतृत्व में प्रशासन व पुलिस की पूरी टीम सड़क पर उतरी व शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों व चौक-चौराहों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां सड़क पर अतिक्रमण व बेतरतीब पार्किंग को लेकर अधिकारियों ने कड़ा रुख अपनाया, वहीं, यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए कई बड़े फैसले भी लिए गए। लोहार टोला व थाना चौक मार्ग सहित शहरी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सड़क व फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बार-बार चेतावनी के बाद भी सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ अब कार्रवाई की जाएगी। शहर के व्यस्त नेहरू रोड को नो-पार्किंग जोन बनाने का निर्देश दिया गया है। यहां वाहनों के पड़ाव पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य सड़क पर खड़े वाहनों के कारण लगने वाले जाम को खत्म कर यातायात को निर्बाध बनाना है। वहीं शनिचरा हाट व सुभाष चौक के समीप आधुनिक पार्किंग स्थल विकसित किया जाएगा। इसके अलावा थाना चौक मार्ग, सनिचरा बाजार रोड व चट्टी बाजार क्षेत्र के चौड़ीकरण की दिशा में कार्रवाई होगी। प्रमुख चौराहों का आकार बढ़ाने व शहरी क्षेत्र की जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने का भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। मौके पर डीसी व एसपी ने दुकानदारों, व्यवसायियों, वाहन चालकों व आम नागरिकों से सड़क व फुटपाथ पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रामगढ़ को जाम-मुक्त, स्वच्छ व व्यवस्थित बनाने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान छावनी परिषद के सीईओ विवेक कुमार सिंह, एसडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, एसडीपीओ आलोक रंजन, मुख्यालय डीएसपी अकरम रजा, अंचल अधिकारी रमेश कुमार, ट्रैफिक थाना प्रभारी नवीन कुमार पांडे, रामगढ़ थाना प्रभारी विजेंद्र कुमार सहित कई प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

पीरटांड़ में श्वेता शर्मा का भव्य स्वागत, शहीदों की वेदी पर माल्यार्पण कर शुरू किया राजनीतिक सफर

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। पीरटांड़ प्रखंड में स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू की पत्नी श्वेता शर्मा का बुधवार को पीरटांड़ दौरे के दौरान भव्य स्वागत किया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के मजबूत गढ़ माने जाने वाले पीरटांड़ में उन्होंने शहरपुरा-कुंडको से अपने दौरे की शुरूआत की। इसके बाद विनोद धाम पहुंचकर शहीदों की वेदी पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कुंडको में ग्रामीणों व आम जनता ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। श्वेता शर्मा ने जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की जनता के साथ मजबूती से खड़ी रहेंगी। उनके दौरे को राजनीतिक सफर की नई शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है।

योगीटांड़ में निर्माणाधीन डेयरी प्लांट का डीसी ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति की ली जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। डीसी रामनिवास यादव ने बुधवार को योगीटांड़ में निर्माणाधीन डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट के निर्माण कार्यों की प्रगति, कंस्ट्रक्शन से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियों व निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री व कार्यों की गुणवत्ता की जानकारी ली। डीसी ने संबंधित अधिकारियों व कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधियों से परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप आगे बढ़ाने व प्लांट से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित तरीके से विकसित करने पर विशेष जोर दिया। उल्लेखनीय है कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में गिरिडीह जिले में झारखंड मिल्क फेडरेशन की ओर से संचालित दुग्ध संग्रहण, विधायन व विपणन गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण के लिए कुल 345.41 लाख (तीन करोड़ पैंतालीस लाख इकतालीस हजार) रुपये की परियोजना प्रस्तावित की गई है। परियोजना का उद्देश्य जिले में दुग्ध संग्रहण व विपणन व्यवस्था को मजबूत करते हुए ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना व उनके उत्पादित दूध का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की दिशा में व्यवस्था को व सुदृढ़ करना है। झारखंड सरकार व राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच हुए समझौते के तहत जेएमएफ की ओर से संस्थागत दुग्ध संग्रहण व मेधा दूध व दुग्ध उत्पादों के विपणन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों से दूध संग्रहण की व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ दूध को बाजार तक पहुंचाने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। इसी क्रम में एनडीडीबी के टर्नकी के आधार पर गिरिडीह जिले में 50 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले प्लांट की स्थापना की प्रक्रिया भी जारी है। इससे जिले के ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को संगठित दुग्ध संग्रहण व्यवस्था से जोड़ने, दूध के सुरक्षित व व्यवस्थित संग्रहण व विधायन की सुविधा को मजबूत करने व दुग्ध उत्पादकों को उनके उत्पाद का बेहतर बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। डीसी ने कहा कि जिले में दुग्ध क्षेत्र से जुड़ी आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी व दुग्ध उत्पादकों के लिए बेहतर अवसर व बाजार उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। निरीक्षण के दौरान एनडीडीबी से केएस पटेल, डीजीएम मेधा के महाप्रबंधक पवन मारवाह व संबंधित विभागों के पदाधिकारी, कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधि व परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पचम्बा सार्वजनिक दुर्गा स्थान में हुई बैठक, 2026 की दुगार्पूजा को लेकर बनी रूपरेखा

नई सोच एक्सप्रेस

» संजय कुमार कंधवे अध्यक्ष, दीपक साह चुने गए सचिव, मेले में वालंटियरों की होगी तैनाती

गिरिडीह। पचम्बा स्थित सार्वजनिक दुर्गा स्थान के मंदिर प्रांगण में बुधवार को वर्ष 2026 की दुगार्पूजा के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसमें पचम्बा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान दुगार्पूजा को भव्य, व्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में सर्वसम्मति से संजय कुमार कंधवे को अध्यक्ष व दीपक साह को सचिव चुना गया। वहीं प्रमोद कंधवे व पवन कंधवे को उपाध्यक्ष, जबकि सूरज यादव, सुंदर पांडेय व महादेव पांडेय को उपसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों को भी आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान वर्ष 2025 में आयोजित दुगार्पूजा के आय-व्यय का पूरा ब्यौरा भी उपस्थित लोगों के समक्ष रखा गया। पिछले वर्ष के खर्च व आय का विवरण साझा किए जाने के बाद लोगों ने आयोजन को लेकर अपने सुझाव व विचार रखे। बैठक में दुगार्पूजा के दौरान लगने वाले मेले की सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन पर विशेष चर्चा हुई। मेला परिसर के विभिन्न हिस्सों में वालंटियरों की तैनाती करने की योजना बनाई गई, ताकि श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, आवागमन को सुचारू बनाए रखने व किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने में सहयोग मिल सके। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि दुगार्पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में पूजा, मेला, सुरक्षा, साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त किया जाएगा। बैठक में मौजूद लोगों ने भी दुगार्पूजा आयोजन को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

झारखंड बंद के समर्थन में पपरवाटांड़ में सड़क जाम, आंदोलनकारियों ने उठाई सात सूत्री मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» पेंशन, आश्रितों की सीधी नियुक्ति व सम्मान राशि समेत मांगों को लेकर प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

गिरिडीह। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को झारखंड बंद के समर्थन में आंदोलनकारियों ने पपरवाटांड़ टोल टैक्स के समीप सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आंदोलनकारियों के लिए पेंशन की व्यवस्था करने, उनके पुत्र-पुत्रियों की सीधी नियुक्ति करने व जेल जाने की वैधता की शर्त समाप्त कर सभी आंदोलनकारियों को 50-50 हजार रुपये सम्मान राशि देने सहित सात सूत्री मांगें सरकार के समक्ष रखीं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जिला अध्यक्ष नारायण राणा व देवंती भारती ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों की मांगें लंबे समय से लंबित हैं। उनका आरोप है कि सरकार की ओर से सम्मान व अधिकार देने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा व जरूरत पड़ने पर इसे व व्यापक किया जाएगा। सड़क जाम की सूचना मिलने पर मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आंदोलनकारियों से सड़क खाली करने की अपील करते हुए यातायात व्यवस्था सामान्य कराने का प्रयास किया।प्रदर्शन में नारायण राणा, देवंती भारती, सुरेंद्र हेम्ब्रम, रघुनाथ सिंह, सुलेमान अंसारी, विनोद पांडेय, अशोक हांसदा, पूरन तुरी, शिवाजी मुर्मू, असलम अंसारी, अर्जुन सिंह व पुलूस हांसदा समेत बड़ी संख्या में आंदोलनकारी शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

नारायणबलि, नागबलि और त्रिपिंडी श्राद्ध की धार्मिक मान्यताओं पर प्रकाश

नई दिल्ली। सनातन संस्था ने 29 सितंबर को जारी अपने लेख में 'नारायणबलि, नागबलि एवं त्रिपिंडी श्राद्ध : आध्यात्मशास्त्रीय विवेचना' विषय पर इन धार्मिक अनुष्ठानों की मान्यताओं, उद्देश्य और विधि की जानकारी दी है। लेख में बताया गया है कि इन अनुष्ठानों का संबंध पितरों की सद्गति और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विभिन्न प्रकार के दोषों के निवारण से जोड़ा जाता है। लेख के अनुसार नारायणबलि दुर्घटना या आत्महत्या से मृत व्यक्तियों की सद्गति के लिए की जाने वाली विधि मानी जाती है, जबकि नागबलि को पूर्वजों द्वारा नागहत्या से जुड़े धार्मिक दोष के निवारण से संबंधित बताया गया है। दोनों अनुष्ठानों को कई स्थानों पर संयुक्त रूप से "नारायण-नागबलि" कहा जाता है। वहीं त्रिपिंडी श्राद्ध को अज्ञात, सद्गति न प्राप्त कर सके अथवा धार्मिक मान्यता के अनुसार परिवार को कष्ट देने वाले पितरों की शांति के लिए की जाने वाली विधि बताया गया है। लेख में अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी, अमावस्या, पूर्णिमा और पितृपक्ष को त्रिपिंडी श्राद्ध के लिए उपयुक्त काल बताया गया है। लेख में त्र्यंबकेश्वर, गोकर्ण, महाबलेश्वर, गरुडेश्वर, हरिहरेश्वर और काशी जैसे तीर्थस्थलों का उल्लेख करते हुए पिंडदान, तर्पण, ब्राह्मण भोजन और दक्षिणा सहित विभिन्न धार्मिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई है। साथ ही, अनुष्ठानों से जुड़े पारंपरिक नियमों और सावधानियों का भी उल्लेख किया गया है।

हिंदी के व्यावहारिक उपयोग पर संगोष्ठी

नई दिल्ली। पीजीडीएवी महाविद्यालय के हिंदी विभाग की 'चिंतन' हिंदी साहित्य सभा की ओर से हिंदी पखवाड़ा-2026 के तहत 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मीडिया जगत की हिंदी : चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं डीन प्लानिंग प्रो. निरंजन कुमार ने कहा कि हिंदी को प्राथमिकता देकर ही देश विश्व में सशक्त और समृद्ध पहचान बना सकता है। उन्होंने हिंदी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता आकाशवाणी दिल्ली के सहायक निदेशक राम अवतार बैरवा ने मीडिया में हिंदी के प्रयोग तथा पत्रकारिता में ईमानदारी और तटस्थता की आवश्यकता पर विचार रखे। प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार ने हिंदी के बढ़ते व्यावसायिक एवं तकनीकी अवसरों की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन छात्राओं दीपिका और पूजा ने किया।

पवन शर्मा इस्माईलाबाद पूर्व सदस्य जिला परिषद को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा का राज्य महासचिव मनोनीत किया गया

कुरुक्षेत्र। पवन शर्मा इस्माईलाबाद पूर्व सदस्य जिला परिषद को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा का राज्य महासचिव मनोनीत किया गया। अपने नियुक्ति पर पवन शर्मा इस्माईलाबाद ने शीर्ष नेतृत्व व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायत राज संगठन डाक्टर सुनील पंवार व प्रदेशाध्यक्ष फोम लाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी व शीर्ष नेतृत्व ने जो विश्वास करके मुझे जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है उसका निर्वहन व ईमानदारी से करेंगे व पार्टी से अधिक से अधिक साथियों को जोड़ कर भाजपा को हरियाणा से जड़ से उखाड़ कर कांग्रेस की व राहुल गांधी की नीतियों को प्रभावी ढंग से आमजन को बताने का काम करेंगे। पवन शर्मा इस्माईलाबाद की नियुक्ति पर उनके समर्थकों में प्रसन्नता की लहर है व पवन शर्मा इस्माईलाबाद की उज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

दुकान का ताला तोड़कर लाखों की साड़ियां ले जाने का आरोप

» किरायेदार ने अशोक यादव के खिलाफ कैंट थाने में दी तहरीर, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर में एक बनारसी सिल्क साड़ी की दुकान का ताला तोड़कर करीब बीस लाख रुपये की साड़ियां ले जाने का आरोप लगाते हुए दुकान संचालक रियाजुद्दीन ने कैंट थाने में तहरीर दी है। पीड़ित ने मामले में अशोक यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है तहरीर के अनुसार रियाजुद्दीन ने नदेसर स्थित एक दुकान को डॉ. अनन्त नारायण सिंह के अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से तीन वर्ष के लिए किराये पर लिया है। किरायेदारी का दस्तावेज 9 सितंबर 2025 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय प्रथम, वाराणसी में पंजीकृत होने की बात कही गई है। पीड़ित के मुताबिक वह उक्त दुकान में बनारसी सिल्क साड़ी का कारोबार करता है और दुकान के डेकोरेशन व फर्नीचर पर करीब 90 लाख रुपये खर्च कर चुका है। आरोप है कि 29 सितंबर की रात दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखी करीब बीस लाख रुपये मूल्य की साड़ियां निकाल ली गईं। सुबह जानकारी होने पर जब रियाजुद्दीन दुकान पर पहुंचा तो अशोक यादव के मौके पर आने और दुकान पर अपना अधिकार जताने का आरोप लगाया गया है। तहरीर में यह भी कहा गया है कि विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए दुकान छोड़ने तथा जान से मारने की धमकी दी गई। रियाजुद्दीन ने पुलिस से दुकान से कथित रूप से ले जाए गए सामान की बरामदगी कराने तथा आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस की जांच और आरोपों की पुष्टि होना अभी बाकी है।

दयाल सिंह महाविद्यालय में हिंदी माह समापन समारोह संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। दयाल सिंह महाविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित एक माह तक चलने वाले 'हिंदी माह समारोह' का दिनांक 30 सितंबर 2026 को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री किरेन रिजिजू (केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री भारत सरकार) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने समारोह की सराहना करने के साथ भारतीय समाज में अंग्रेज़ी को आधुनिकता एवं प्रतिष्ठा से जोड़ने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके विपरीत चीन और जापान जैसे देशों में लोग अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव की भावना रखते हैं तथा उसके संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में दयाल सिंह महाविद्यालय की विभिन्न समितियों ने सक्रिय सहभागिता की। विभिन्न समितियों के सदस्यों ने प्रतियोगिताओं के आयोजन, संचालन, प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों, शिक्षकों, आयोजन समिति तथा सभी सहभागी समितियों के सामूहिक प्रयासों से हिंदी माह समारोह पूरे उत्साह एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस समारोह के समापन संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी. के. पालीवाल ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का सम्मान करने, उसके समृद्ध साहित्य का अध्ययन करने तथा दैनिक व्यवहार में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि हिंदी के व्यापक उपयोग के माध्यम से विद्यार्थी अपनी भाषा, संस्कृति और विरासत को और अधिक समृद्ध बनाने में योगदान दे सकते हैं। इसी के साथ राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने कहा कि आज के आधुनिक युग में विदेशी भाषाओं को सीखना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक अपनी मातृभाषा एवं राजभाषा में निपुण होना भी है। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा में दक्षता और उसके प्रति गर्व की भावना रखना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव की बात है। संपूर्ण हिंदी माह समारोह के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। आयोजन के दौरान उप- प्राचार्या प्रोफेसर नवनीत मानव , डॉ अनिल कुमार एवं ECA समन्वयक मधुरेन्द्र सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजेंद्र अशोक केदार को आदर्श भूषण पुरस्कार

नई सोच एक्सप्रेस

जालना। मुंबई के अभिनेता-गायक राजेंद्र अशोक केदार को कला क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए आदर्श भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लोकशाही पत्रकार संघ महाराष्ट्र राज्य के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.बी. वैद्य के हाथों उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। लोकशाही पत्रकार संघ के मराठवाड़ा अध्यक्ष रामेश्वर तांगड़े के नेतृत्व में कुंभारी पिंपलगांव स्थित श्री स्वामी विवेकानंद इंग्लिश स्कूल में आयोजित समारोह में मराठवाड़ा सहित महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाओं ने सहभागिता की। इस दौरान केदार ने अपनी मधुर आवाज में गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। आयोजकों ने बताया कि मराठवाड़ा की प्रतिभाओं को सम्मानित करने की इस पहल को आगे बढ़ाते हुए राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

अपना और समाज की आवाज बनकर आगे बढ़ने का करें प्रयास : अवधेश दीक्षित

नई सोच एक्सप्रेस

उदवंतनगर। प्रखंड के चैराई स्थित नई आशा के श्रीराम शबरी सेंटर में आज माता शबरी खेल महोत्सव सीजन-5 को लेकर युवाओं की एक कार्यशाला हुई, जिसका विषय था "खेल से शिक्षा की ओर.." मुख्य वक्ता पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपनी एवं समाज की आवाज बनिए, यही आवाज बाद में राष्ट्र की आवाज बन जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अपने लिए आवाज बनता है, उसका स्वयं और समाज दोनों का विकास होता है। श्री दीक्षित ने करीब आधे घंटे के अपने संबोधन में युवा-युवतियों से संवाद करते हुए कहा कि एक दशरथ मांझी अपने दृढ़ निश्चय के बदौलत पहाड़ काटकर रास्ता बना दिए। उनके वर्षों का अथक प्रयास के कारण वह रास्ता आज न सिर्फ आमजन के लिए पहाड़ के रास्ते में एक मार्ग बना, बल्कि राष्ट्र के लिए दशरथ मांझी प्रेरणा का श्रोत बन गए। उन्होंने कहा कि आप लोग भी छोटे ही स्तर पर सही दशरथ मांझी का संकल्प दुहराने का शपथ लें। श्री दीक्षित ने कहा कि आप लोग अपने परिवार और टोला के बच्चों को विद्यालय से जोड़कर शिक्षा के लिए प्रेरित कीजिए। शिक्षा ही एकमात्र वह माध्यम है, जो मुख्यधारा में शामिल कर सके। समस्याएं सबके सामने हैं छोटी-छोटी या बड़ी समस्याएं सबके सामने हैं लेकिन उसका निदान के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने संवाद करते हुए पढ़ाई के प्रति अनिक्षा का कारण पूछा। साथ ही कहा कि आपलोग पढ़ाई के साथ पार्ट टाईम जॉब करके भी परिवार को आगे बढ़ाईए। उन्होंने इस अभियान में हर संभव सहयोग करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन भरत कुमार ने किया। कार्यशाला में नई आशा के संरक्षक डॉ. भीम सिंह भवेश, दीपक कुमार, मनीष वत्स, कुंदन सिंह, बीटू सिंह, विकास कुमार, गोलु कुमार, भानु कुमार, जयकिशन राम अमन बिहारी, जय प्रकाश दास, अमरजीत, रंजीत, सूर्य मणि विकास, अनंत, विनोद कुमार, छोटक राम, अनंत कुमार, कलक्टर राम, अरविंद कुमार, अविनाश एवं राहुल सहित जहानाबाद, नालंदा, बक्सर एवं रोहतास जिले के प्रतिनिधि शामिल थे।

» नई आशा के "खेल से शिक्षा की ओर" कार्यशाला में बोले एसपी

आईआईटी दिल्ली में दयाल सिंह कॉलेज की भारतीय संगीत समिति 'रूट्स' ने हासिल किया प्रथम स्थान

नई सोच एक्सप्रेस

दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः) की भारतीय संगीत समिति 'रूट्स' के बैंड, दयाल सिंह ऑर्केस्ट्रा ने कल आईआईटी दिल्ली के 'रेन्दवू' की 'तत्व' (बैटल ऑफ द बैंड्स) प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। टीम को बधाई देते हुए दयाल सिंह कॉलेज (मॉर्निंग) के प्राचार्य प्रो. वी. के. पालीवाल ने कहा, "कॉलेज का नाम रोशन करने के लिए दयाल सिंह ऑर्केस् और रूट्स को हार्दिक बधाई। देश भर के मंचों पर निरंतर चमकते रहने के लिए विद्यार्थियों को मेरा सदैव आशीर्वाद है।" ईसीए समन्वयक डॉ. मधुरेंद्र सिंह ने टीम को बधाई देते हुए कहा, "50 से अधिक जीत पार करने के बाद, मुझे पूरा भरोसा है कि रूट्स की टीम इस साल 100 जीत का आंकड़ा जरूर पूरा करेगी।" संगीत समिति की संयोजिका प्रो. नवीना मेहान ने कहा, "रूट्स अपने प्रत्येक प्रदर्शन के साथ सांस्कृतिक उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित कर रही है।" यह जीत इस वर्ष रूट्स के लिए 50 से अधिक पोडियम फिनिश पूरे करती है, जिससे कॉलेज संगीत परिदृश्य में उसकी पहचान और मजबूत हुई है। समिति का नेतृत्व अध्यक्ष शाश्वत बालन, महासचिव दृष्टि वर्मा और उपाध्यक्ष गौतम लखमानी कर रहे हैं।

एचपीसीएल द्वारा एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में इंडिया एनर्जी वीक 2027 के मुंबई समानांतर कर्टेन रेज़र का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (एसपीजेआईएमआर) में इंडिया एनर्जी वीक २०२७ के मुंबई समानांतर कर्टेन रेज़र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षाविदों, उद्योग जगत, सरकारी प्रतिनिधियों और स्टार्ट-अप्स को एक साथ लाकर भारत के बदलते ऊर्जा परिदृश्य पर संवाद किया गया। मुंबई कार्यक्रम कोलकाता में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक 2027 के राष्ट्रीय कर्टेन रेज़र से लाइव जुड़ा रहा, जहां इंडिया एनर्जी वीक के पांचवें संस्करण की औपचारिक घोषणा "नवाचार को बढ़ावा देना। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना। भविष्य को आकार देना।" थीम के तहत की गई। राष्ट्रीय कर्टेन रेज़र को माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने संबोधित किया। मुंबई कार्यक्रम में के. एस. शेट्टी, निदेशक- मानव संसाधन, एचपीसीएल; श्रीविद्या वेंकटरमण, निदेशक- वित्त, एचपीसीएल; डॉ. वरुण नागराज, डीन एवं प्रोफेसर, इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स, SPJIMR; और प्रो. बी. एन. चौधरी, प्राचार्य, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई सहित सरकारी प्रतिनिधियों, स्टार्ट-अप्स, उद्योग जगत के हितधारकों और मुंबई के विभिन्न कॉलेजों के 380 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर के. एस. शेट्टी, निदेशक- मानव संसाधन, एचपीसीएल, ने कहा: "भारत की ऊर्जा यात्रा एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन की दिशा में आगे बढ़ते हुए और 2070 तक नेट-ज़ीरो प्रतिबद्धता की ओर प्रगति करते हुए, हमें ऊर्जा सुरक्षा, सामर्थ्य और स्थिरता को एक साथ सुनिश्चित करना होगा। इंडिया एनर्जी वीक इस संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है." श्रीविद्या वेंकटरमण, निदेशक- वित्त, एचपीसीएल , ने नवीन प्रौद्योगिकियों को विचारों और प्रोटोटाइप से आगे बढ़ाकर पायलट परियोजनाओं और औद्योगिक स्तर पर तैनाती तक ले जाने के लिए आवश्यक अवसर और सहयोगात्मक तंत्र विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इंडिया एनर्जी वीक 2027 का आयोजन 28 से 31 जनवरी 2027 तक कोलकाता में प्रस्तावित है।

वित्त मंत्री से मुलाकात के बाद व्यापारियों ने वापस लिया 'नो यूपीआई डे'

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। यूपीआई पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर अपनी चिंताओं और सुझावों से अवगत कराया। कैट (CAIT) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (AIMRA) के फाउंडर चेयरमैन कैलाश लख्यानी सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री के समक्ष प्रस्तावित एमडीआर को फिलहाल स्थगित करने और इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने की मांग रखी। संगठनों ने 2026-27 में शुल्क 0.20 प्रतिशत से शुरू कर प्रतिवर्ष 0.05 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 0.40 प्रतिशत तक ले जाने का सुझाव दिया। इसके अलावा 1 लाख की प्रस्तावित सीमा बढ़ाकर 5 लाख करने तथा मर्चेंट-टू-मर्चेंट (M2M) लेन-देन को एमडीआर से बाहर रखने की मांग की गई। व्यापारिक संगठनों ने इस मुद्दे पर विशेष समिति गठित करने का भी सुझाव दिया। विज्ञप्ति के अनुसार, वित्त मंत्री ने व्यापारियों की चिंताओं को गंभीरता से सुना और सकारात्मक विचार का आश्वासन दिया। इसके बाद AIMRA और AICPDF ने 2 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रतीकात्मक 'नो यूपीआई डे' वापस लेने की घोषणा की।

मेडिकल कैंप लगाकर बाढ़ पीड़ितों की स्वास्थ्य जांच की गई

नई सोच एक्सप्रेस

केसरिया, पू.च। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से मेडिकल कैंप लगाकर बुधवार को लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। स्वास्थ्य प्रबंधक धर्मराज कुमार ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पूजा कुमारी की देखरेख में मेडिकल टीम प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही है। टीम में एएनएम मुन्नी कुमारी, आरती कुमारी, प्रतिमा कुमारी, जूली कुमारी, जीएनएम कमलेश कुमार समेत आशा कार्यकर्ता शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक दवाएं और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया जा रहा है। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य को लगातार जारी रखने तथा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

BHSS हलमतपोरा में निवर्तमान प्रधानाचार्य मोहम्मद यासीन मग्रे को भावभीनी विदाई

नई सोच एक्सप्रेस

» स्टाफ ने संस्थान के विकास में उनके योगदान की सराहना की; HOI शोएकत रसूल डार ने उन्हें विद्यालय की प्रगति का 'शिल्पकार' बताया

हलमतपोरा, कुपवाड़ा। बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल (BHSS) हलमतपोरा के स्टाफ ने निवर्तमान प्रधानाचार्य मोहम्मद यासीन मग्रे को उनकी समर्पित सेवाओं, नेतृत्व और संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए गर्मजोशी और स्नेह के साथ भावभीनी विदाई दी। विदाई समारोह का संचालन संस्थान के वरिष्ठतम शिक्षक मुश्ताक अहमद मलिक ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की कार्यवाही संचालित करते हुए निवर्तमान प्रधानाचार्य के कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा प्रदान की गई महत्वपूर्ण सेवाओं को याद किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रमुख (HOI) शोएकत रसूल डार ने श्री मग्रे के नेतृत्व और विद्यालय के प्रति उनके योगदान की सराहना की। श्री डार ने उन्हें "संस्थान के विकास का शिल्पकार" बताते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई तथा विद्यालय के समग्र कामकाज को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री डार ने संस्थान के प्रति श्री मग्रे की प्रतिबद्धता और विद्यार्थियों तथा स्टाफ के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के उनके प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि निवर्तमान प्रधानाचार्य का योगदान विद्यालय की संस्थागत यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। निवर्तमान प्रधानाचार्य के साथ अकादमिक अधिकारी ए. आर. मीर, अकादमिशियन बी. ए. भट और अकादमिशियन लतीफ अहमद गनी भी उपस्थित रहे और उन्होंने श्री मग्रे को अपनी शुभकामनाएं दीं। शिक्षण स्टाफ के कई सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और श्री मग्रे से जुड़ी अपनी यादें एवं अनुभव साझा किए। उन्होंने उनके प्रशासनिक दृष्टिकोण, शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता तथा स्टाफ और विद्यार्थियों के साथ उनके सौहार्दपूर्ण संबंधों की सराहना की। अपने विदाई संबोधन में मोहम्मद यासीन मग्रे ने पूरे स्टाफ के सहयोग, स्नेह और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता और प्रगति सामूहिक प्रयास, टीमवर्क और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने स्टाफ से विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं समग्र विकास के लिए ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य जारी रखने का आह्वान किया। सम्मान और सराहना के प्रतीक के रूप में कार्यक्रम के समापन पर स्टाफ सदस्यों ने निवर्तमान प्रधानाचार्य को पारंपरिक कश्मीरी शॉल, वसकत, फूलों के गुलदस्ते, मालाएं और अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम भावुक और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों ने श्री मग्रे को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके निरंतर सफलता, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। यह विदाई समारोह निवर्तमान प्रधानाचार्य के प्रति स्टाफ के गहरे सम्मान और स्नेह को दर्शाता है तथा बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल, हलमतपोरा के साथ उनके जुड़ाव के एक यादगार अध्याय का समापन रहा।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

प्रिंट, टीवी और रेडियो को अपने अंदर समेटे है वेब पत्रकारिता

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह बेव पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन बेव पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह ख़बरों का तीर्व माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने बाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी ख़बर एक पल में सारी दुनिया में पहुँच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

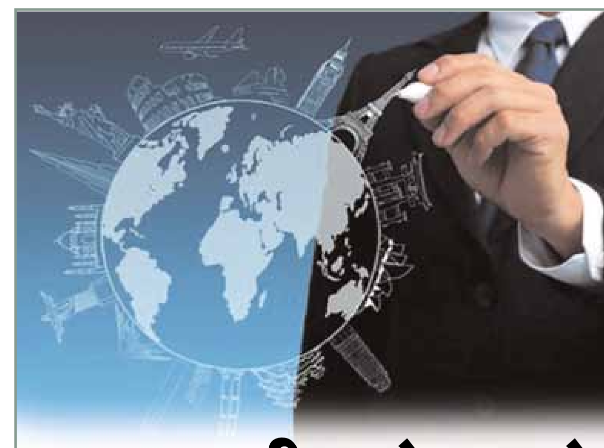

एमबीए के सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है।

यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार है - आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार है - कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

रणबीर कपूर की रामायण की बदली रिलीज डेट, अब 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को होगी रिलीज!

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायणः पार्ट 1 को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के पोस्टर के बाद इसका टीजर और ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसी बीच फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव की खबर सामने आई है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक नई तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, 'रामायणः पार्ट 1 को 6 नवंबर को रिलीज किया जाना था। हालांकि, सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि निर्माता अब फिल्म को एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने 5 नवंबर की तारीख तय कर ली है और फिल्म को दुनियाभर में एक ही दिन प्रदर्शित करने की योजना बनाई जा रही है। नई रिलीज तारीख को लेकर संबंधित पक्षों की मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद निर्माता आधिकारिक तौर पर तारीख की घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिल्म की रिलीज तारीख नजदीक आने के साथ ही इसके प्रचार अभियान को भी तेज कर दिया गया है। हाल ही में फिल्म के पोस्टर का भव्य स्तर पर अनावरण किया गया। पहले पोस्टर में राम, सीता और लक्ष्मण के किरदारों की झलक दिखाई गई, जबकि दूसरे पोस्टर में रावण के रूप में यश का लुक सामने आया। फिल्म के प्रचार अभियान के बीच दर्शकों की नजर अब इस बात पर है कि 'रामायणः पार्ट 1 आखिर किस तारीख को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायणः पार्ट 1 का निर्माण नमित मल्होत्रा ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं। रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे। वहीं, यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। अरुण गोविल राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। रकुलप्रीत सिंह शूर्पणखा और लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के प्रचार सामग्री और ट्रेलर में प्रमुख किरदारों की झलक सामने आ चुकी है। हालांकि, हनुमान के किरदार का पूरा रूप अभी तक आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है। 'रामायण को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। इसका पहला भाग इस वर्ष दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाना है, जबकि दूसरा भाग अगले वर्ष दिवाली के मौके पर रिलीज करने की योजना है। अब दर्शकों की नजर फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख की घोषणा पर टिकी है। यदि नई तारीख को अंतिम मंजूरी मिलती है तो 'रामायणः पार्ट 1 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज हो सकती है।

डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुईं अदा खान, बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई

अभिनेत्री अदा खान साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज द लिफ्ट में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि शूट के दौरान सभी एक्टर्स के बीच में बॉन्ड काफी अच्छा बन गया था। अभिनेत्री ने कहा, हर दिन हमारा एक नया अनुभव होता था। एक ताजगी का एहसास था और मैं खुद भी कुछ नया महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने माना कि वह खुद इंट्रोवर्ट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ घुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ड-आउट इंसान है। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा। अभिनेत्री ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थी। उन्होंने कहा, मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई। इसके साथ ही शो की कहानी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, हर इंसान में अच्छाई और बुराई दोनों होती हैं। मुझे लगता है कि हर किरदार के पीछे एक साइकोलॉजिकल पहलू होता है। मैं ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहती लेकिन हर किरदार में कई परतें हैं और उन्हें एक्सप्लोर करना काफी दिलचस्प रहा। अदा खान ने बताया कि लिफ्ट जैसी छोटी जगह में सुबह से लेकर पैकअप तक लंबे समय तक साथ रहने से एक्टर्स को बातचीत करने, रिलैक्स करने और बॉन्डिंग करने का खूब मौका मिला, भले ही उनके सीन खत्म हो चुके हों। उन्होंने कहा कि इससे कास्ट के बीच एक बिल्कुल अलग तरह की बॉन्डिंग बनी। साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज 'द लिफ्ट' के जरिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धमाल मचा रहीं अभिनेत्री अदा खान के नए अवतार को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। टीवी धारावाहिकों में अपनी दमदार अभिनय छाप छोड़ने के बाद अदा का यह ओटीटी प्रोजेक्ट उनके करियर में एक नया मोड़ साबित हो रहा है। इस थ्रिलर सीरीज का ताना-बाना एक लिफ्ट के इर्द-गिर्द बुना गया है, जहां अचानक फंसी कुछ जिंदगियों के बीच रहस्य, डर और इंसानी दिमाग की परतों का सस्पेंस खुलता है। निर्देशक इशिका के कसी हुई पटकथा और तकनीकी निर्देशन ने हर सीन में थ्रिल को बनाए रखा है। अदा खान और प्रतीक सहजपाल की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग ने भी शो में जान फूंकने का काम किया है। प्रतीक के सहज और ऊर्जावान रवैये ने शूटिंग के माहौल को तनावमुक्त बनाए रखा, जिससे कलाकारों को अपने जटिल किरदारों में ढलने में मदद मिली। ओटीटी स्पेस में सस्पेंस और साइकोलॉजिकल कंटेंट की बढ़ती मांग के बीच 'द लिफ्ट' को एक नए प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। अदा खान के फैंस के लिए उन्हें एक डार्क और लेयर्ड किरदार में देखना बेहद रोमांचक अनुभव साबित हो रहा है।

'मिर्जापुर द मूवी ने रचा नया रिकॉर्ड, दुनियाभर में 330 करोड़ के पार कमाई, बनी 2026 चौथी मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा अभिनीत अपराध रोमांचक फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और 24 दिनों में इसकी दुनियाभर में कमाई 330 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। इसके साथ ही फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। 'मिर्जापुर द मूवी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 24 दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद फिल्म की कमाई जारी है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 25.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि पहले सप्ताह का कारोबार 148.45 करोड़ रुपये रहा। दूसरे सप्ताह में फिल्म ने 55 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे सप्ताह में फिल्म की कमाई में गिरावट आई और इसने 19.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके बाद 22वें दिन फिल्म ने एक करोड़ रुपये, 23वें दिन 1.55 करोड़ रुपये और 24वें दिन 1.70 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का भारत में शुद्ध कारोबार 227.05 करोड़ रुपये हो गया। सैकनिल्क के मुताबिक, 'मिर्जापुर द मूवी ने भारत में सकल रूप से 270.22 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वहीं विदेशों में फिल्म की कमाई 60.50 करोड़ रुपये रही। इस तरह फिल्म का दुनियाभर का कुल कारोबार 330.72 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म की लगातार कमाई को देखते हुए इसके जल्द ही और बड़े आंकड़े पार करने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, आगे की कमाई फिल्म की सिनेमाघरों में बनी रहने वाली पकड़ और दर्शकों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। 'मिर्जापुर द मूवी ने कमाई के साथ मुनाफे के मामले में भी इस साल की प्रमुख हिंदी फिल्मों में जगह बना ली है। कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का बजट करीब 90 करोड़ रुपये था। दुनियाभर में 330.72 करोड़ रुपये के कारोबार के आधार पर फिल्म ने अपने बजट की तुलना में 267.47 प्रतिशत मुनाफा दर्ज किया है। इस प्रदर्शन के साथ 'मिर्जापुर द मूवी वर्ष 2026 की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। मुनाफे के मामले में इस सूची में 'आवारापन 2 373.36 प्रतिशत मुनाफे के साथ तीसरे स्थान पर है। 'धुरंधर 2 ने 427.25 प्रतिशत मुनाफे के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है।

वहीं, 'हनुमान अंश इस सूची में सबसे ऊपर है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 1.8 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 16,457.22 प्रतिशत मुनाफा दर्ज किया है। 'मिर्जापुर द मूवी की लगातार कमाई ने फिल्म को न केवल 200 करोड़ रुपये के घरेलू शुद्ध कारोबार वाले क्लब में पहुंचाया है, बल्कि इसे 2026 की मुनाफे वाली फिल्मों की सूची में भी शामिल कर दिया है।

शंकर महादेवन ने दिल चाहता है के लिए तैयार किए थे 21 मिक्स वर्जन

मशहूर संगीतकार शंकर महादेवन ने ब्लॉकबस्टर फिल्म दिल चाहता है के टाइटल ट्रैक से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। इस यादगार गाने के लिए उन्होंने बताया कि अपने साथी संगीतकारों एहसान नूरानी और लॉय मेंडोंसा, और साउंड इंजीनियर विजय बेनेगल (बेनी) के साथ मिलकर कुल 21 अलग-अलग मिक्स तैयार किए थे। लेकिन, हैरानी की बात यह है कि इन सभी वर्जन में से, आखिरकार गाने के शुरुआती, यानी स्क्रैच या रफ वर्जन को ही फिल्म में फाइनल किया गया। इसके पीछे का कारण यह था कि मेकर्स और पूरी टीम को वही सबसे ज्यादा पसंद आया, जिसमें एक अनोखा और सहज जादू था। स्पॉटिफाई के लिए बनाए गए एक खास वीडियो में, शंकर महादेवन ने एहसान नूरानी, लॉय मेंडोंसा, प्लेबैक सिंगर शान और मेयांग चांग के साथ बातचीत के दौरान इस राज से पर्दा उठाया। शंकर महादेवन ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा, क्या मैं इस गाने से जुड़ा एक और राज बताऊं? बेनी ने इस गाने के करीब 21 मिक्स तैयार किए थे, लेकिन आप जो सुन रहे हैं, वह रफ मिक्स है। इसमें कुछ जादुई बात थी। आप जो सुन रहे हैं, वह वास्तव में गाने का पहला स्क्रैच था, जो हमने तैयार किया था। इसमें बेस लाइन्स और बाकी चीजें भी थीं। हमारे पास कुछ नए सैंपल और शानदार ड्रम थे। हमने प्रयोग किया और वह सफल रहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अक्सर लोग कम चीजों के साथ काम करने से डरते हैं और संगीत में बहुत कुछ भरने की कोशिश करते हैं। शंकर ने आगे अपनी संगीत फिलॉसफी साझा करते हुए कहा कि संगीत के क्षेत्र में ज्यादातर लोग गाने में बहुत सारी चीजें भरना चाहते हैं, जिससे उसकी मौलिकता खो जाती है। उनके मुताबिक, अगर आपको अपनी धुन, ग्रूव और बेस लाइन पर पूरा भरोसा है,

तो ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती। एक अच्छा साउंड इंजीनियर मिक्सिंग के जरिए खाली जगह को अच्छी तरह भर सकता है और उसे एक संपूर्ण रूप दे सकता है। दिल चाहता है फिल्म से ही फरहान अख्तर ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा था और यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर साबित हुई। यह आधुनिक हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनी, खासकर शहरी दोस्ती, रोमांस और युवाओं की आजादी को पर्दे पर एक नए और वास्तविक तरीके से दिखाने के कारण। फिल्म में दिखाया गया गोवा रोड ट्रिप भी काफी लोकप्रिय हुआ और इसने कई पीढ़ियों के युवाओं को अपने दोस्तों के साथ ऐसी यात्राएं करने के लिए प्रेरित किया। फिल्म के विजुअल, कैजुअल फैशन और बातचीत पर आधारित कहानी कहने के अंदाज ने भी बॉलीवुड में आधुनिक शहरी भारत को दिखाने के तरीके को प्रभावित किया।

हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस: वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा पार, शाहरुख, आमिर और ऋतिक की फिल्म को चटाई धूल

हनुमान अंश इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अपना नाम दर्ज करवा चुकी है. फिल्म अपनी रिलीज के शानदार 52 दिन पूरे कर चुकी है और अभी भी बॉक्स ऑफिस पर करोड़ रुपये की फिगर में कमाई कर रही है. 52वें दिन फिल्म की कमाई में लगभग 50 फीसदी का उछाल आया और फिल्म ने भारत में 300 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से पार कर लिया. महज 2 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश ने कमाई से इतिहास रच डाला है. यह फिल्म टॉप 50 सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो गई. फिल्म अपने शानदार सात हफ्ते पूरे कर चुकी है. वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर कई बड़ी फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. चलिए एक नजर डालते हैं हनुमान अंश की अब तक की कमाई पर. हनुमान

अंश ने शुरुआत में कोई खास कमाल नहीं दिखाया. महज 10 लाख रुपये से ओपनिंग की और आज 52वें दिन फिल्म ने लगभग 10 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. फिल्म की शुरुआत धीमी रही और पहले दो हफ्तों में तो इसे लगभग फ्लॉप मान लिया गया था. फिल्म पहले दो हफ्तों में मुश्किल से 1.50 करोड़ रुपये ही कमा पाई. हालांकि, इसके बाद दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और टिकटों की बिक्री में तेजी से उछाल आया. चौथे हफ्ते से हनुमान अंश हर हफ्ते भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से अधिक का प्रॉफिट कमा रही है. इस फिल्म ने वीकेंड में 18.95 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया, जिसमें अकेले रविवार को 9 करोड़ रुपये की शानदार कमाई शामिल है. इसके साथ ही फिल्म की कुल घरेलू कमाई 52 दिनों के बाद 307 करोड़ रुपये (ग्रॉस कलेक्शन 362 करोड़ रुपये) हो गई है. रविवार को हनुमान अंश ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया, जो इससे पहले 25 से भी कम हिंदी फिल्मों ने यह कारनामा किया. विदेशों में हनुमान अंश की रिलीज बाद में हुई. भारत में रिलीज होने के लगभग छह सप्ताह बाद इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज किया गया, लेकिन तब से इसने रफ्तार पकड़ ली है. सोमवार तक, इसने ओवरसीज में 4 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई कर ली है.

सिंगर मधुर शर्मा ने 'प्रेम कीटाणु' के लिए दिल छू लेने वाला हार्टब्रेक सॉन्ग 'तुझसे बिछड़ के' किया रिलीज़

- **'तुझसे बिछड़ के' में मधुर शर्मा और राहुल मिश्रा ने मिलकर दिखाया प्यार में जुदाई और तड़प का एहसास**
- **'प्रेम कीटाणु' का नया हार्टब्रेक सॉन्ग 'तुझसे बिछड़ के' रिलीज़, मधुर शर्मा की आवाज़ ने गाने में भरी गहराई**

फिल्म 'प्रेम कीटाणु' की सिनेमाघरों में रिलीज़ को अब सिर्फ दो दिन बाकी हैं और दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी बढ़ती उत्सुकता के बीच फिल्म के मेकर्स ने इसकी म्यूजिकल दुनिया की एक और झलक पेश की है। फिल्म का नया हार्टब्रेक सॉन्ग 'तुझसे बिछड़ के' रिलीज़ हो गया है, जो प्यार के बाद होने वाली जुदाई, तड़प और अधूरेपन जैसे एहसासों को बयां करता है। सिंगर मधुर शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मिर्ज़ापुर द मूवी के गाने 'सांसों की माला' से लोगों के दिलों को छुआ था, एक बार फिर अपनी आवाज़ से प्यार और जुदाई की गहराई को सामने ला रहे हैं। 'तुझसे बिछड़ के' में मधुर शर्मा ने तड़प और दर्द को बेहद खूबसूरती से अपनी आवाज़ में उतारा है। इस गाने को राहुल मिश्रा ने कंपोज़ किया है, जबकि इसके बोल मीर ने लिखे हैं। वीर पहाड़िया और आफिया सैयद की शानदार केमिस्ट्री गाने के एहसास को और भी खास बनाती है। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' की कहानी में संगीत की अहम भूमिका है। इससे पहले फिल्म के 'अंडी बंडी , 'कहो तो', 'इश्क का गुलाम' और 'तू मेरा रैय्यो' जैसे गाने दर्शकों के बीच अपनी जगह बना चुके हैं। अब 'तुझसे बिछड़ के' फिल्म के म्यूजिकल सफर में एक और रंग जोड़ता है और प्यार के एक अलग पहलू—जुदाई और दर्द—को सामने लाता है। 'तुझसे बिछड़ के' गाना अब ज़ी म्यूजिक कंपनी के यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर सुनने के लिए उपलब्ध है।

https://youtu.be/93pnJdNEvEk?si=bwpj1oe0XDaKWn61: 'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। फिल्म के निर्माता गौरव वर्मा हैं और इसे अवानिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म दोस्ती, पहला प्यार, दिल टूटने और बड़े होने के दौरान होने वाली शरारतों और पागलपन की कहानी है। फिल्म के गाने पहले ही माहौल बना चुके हैं। वहीं हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर में प्यार, दोस्ती, हंसी-मज़ाक, उलझन और ढेर सारे मसाले की झलक देखने को मिली है। 'प्रेम कीटाणु' एक ऐसी कहानी है जो प्यार में पड़ने की मासूमियत, मस्ती और पागलपन को एक साथ दिखाती है। फार्स फिल्म के सह-प्रस्तुतीकरण में, भावना स्टूडियोज के सहयोग से और अवानिका फिल्म्स के बैनर तले निर्माता गौरव वर्मा की यह फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

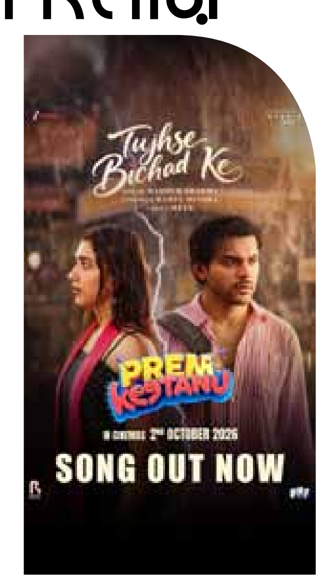

एशियाई खेलों के समीफाइनल में आज होगा भारत-पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीमों के बीच मुकाबला

एजेंसी, टोक्यो

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला करेगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल-ए में शीर्ष स्थान बनाया है, जबकि पाकिस्तान ने पूल-बी में दूसरा स्थान हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ग्रुप चरण में अपना दबदबा बनाते हुए अंतिम आखिरी लीग मैच में बांग्लादेश को 10-0 के बड़े अंतर से हराकर दिखा दिया है कि वह आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी। इस एकतरफा जीत के साथ ही, भारतीय टीम ने पूल-ए में अपने सभी पांचों मुकाबले जीते और 15 अंकों के साथ शीर्ष पर अपनी पकड़ बना ली है। पूरे टूर्नामेंट में टीम की आक्रमण और रक्षापंक्ति ने अच्छा समन्वय दिखाया है जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं पूल-बी में पाकिस्तान ने भी चार मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से ही रोमांचक होता आया है इस मैच में दोनो ही टीमों पर दबाव रहता है जिससे मैच के दौरान वही टीम जीतती है जो बेहतर रणनीति से उतरती है। एशियाई खेलों के हॉकी इतिहास में भारत और पाकिस्तान का एक गौरवशाली रिकॉर्ड रहा है। पाकिस्तान ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आठ बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है, जबकि भारत ने चार बार यह खिताब जीता है। पिछले एशियाई खेलों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 5-1 से करारी शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता था, जिससे वे इस बार अपने खिताब का बचाव करने की प्रबल दावेदार हैं। मौजूदा चैंपियंस होने के नाते, भारत पर थोड़ा अतिरिक्त दबाव भी होगा, लेकिन टीम अपने लक्ष्य को लेकर पूरी तरह केंद्रित है।

प्रज्ञान ओझा बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नये अध्यक्ष

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर तक का ही है। ऐसे में चार अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना बैठक में प्रज्ञान के नाम की घोषणा होना तय है। अभी ओझा चार सदस्यीय चयन समिति के अंतरिम प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। गत दिवस गुवाहाटी में बोर्ड की एक अहम बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह बैठक में उपस्थित थे। वहीं अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिससे बाद से ही ये साफ हो गया कि अब उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ेगा। यह बैठक मुख्य रूप से भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों के चयन और टीम संयोजन के लिए बुलायी गयी थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड में 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों के साथ ही 4 नवंबर से पांच एकदिवसीय और 19 नवंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय ए टीम को भी न्यूजीलैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। ओझा का लंबा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत दावेदार बनाता है। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 24 टेस्ट, 18 एकदिवसयी और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनकी गहरी क्रिकेट समझ को ही अंतरिम तौर पर चयन समिति की कमान सौंपे जाने का मुख्य कारण माना जा रहा है। मौजूदा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का बीसीसीआई के साथ मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त होना है, और उन्होंने बोर्ड को पहले ही सूचित कर दिया था कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहेंगे। आने वाले समय में भारतीय चयनकर्ताओं के सामने कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के अलावा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप की तैयारियों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड प्रबंधन, उनकी उपलब्धता और अलग-अलग फॉर्मेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श करना होगा। फिलहाल प्रज्ञान ओझा को केवल अंतरिम जिम्मेदारी मिली है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें स्थायी रूप से भी इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान के निशिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निशिन में खेला जाएगा।

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है। इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है।

महिला प्रीमियर लीग: 63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीज़न के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौंकाने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हैरिस को रिलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है। इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमें एड़ी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थीं, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है।

विराट कोहली 35 की उम्र के बाद हुए और खूंखार, 27 पारियों में जड़े 1555 रन और सात वनडे शतक

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट की दुनिया में जहां उम्र बढ़ने के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अक्सर गिरावट देखी जाती है, वहीं विराट कोहली जैसे कुछ महामानव हैं जो इस धारणा को चुनौती देते हैं। 37 साल के हो चुके विराट कोहली अंग्रेजी कहावत एजिंग लाइक अ फाइन वाइन को पूरी तरह से चरितार्थ कर रहे हैं। उनके आंकड़े बताते हैं कि 35 साल की उम्र पार करने के बाद से उन्होंने वनडे क्रिकेट में एक नया अध्याय लिखा है। इस अवधि में उन्होंने 27 पारियों में अविश्वसनीय 70.68 की औसत और 100.51 के स्ट्राइक रेट से कुल 1555 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सात शानदार शतक और नौ अर्धशतक निकले हैं, जो उनकी बढ़ती रनों की भूख को दर्शाता है। वह गेंदबाजों पर पहले से भी ज्यादा कहर बनकर टूट रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने एक और मील का पत्थर पार करते हुए सचिन तेंदुलकर के 15 हजार वनडे रन बनाने के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। विराट ने यह उपलब्धि सचिन से 74 कम पारियों में हासिल की, जिससे वह सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। सचिन ने जहां 17528 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ था, वहीं कोहली ने 15950 गेंदों का सामना किया। यह उपलब्धि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर की शाम को हासिल की। वर्तमान में, कोहली के नाम 55 वनडे शतक दर्ज हैं और उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह संख्या अभी और बढ़ेगी। हालांकि, सचिन तेंदुलकर के 18,426 रनों के कुल आंकड़े को पार करना, खासकर वनडे मैचों की संख्या में कमी को देखते हुए, एक कठिन चुनौती प्रतीत होता है। यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से बड़े खिलाड़ी हैं।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में पूजा लॉजिस्टिक्स की मजबूत शुरुआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

डेयरी उत्पाद, आइसक्रीम, कन्फेक्शनरी और फ्रोजन फूड जैसे पेरिशेबल गुड्स के ट्रांसपोर्टेशन का काम करने वाली कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स (टेंपरेचर कंट्रोल्ड) कंपनी पूजा लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 115 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.61 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 118 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के कारण कुछ देर बाद ही ये शेयर उछल कर 123.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 8.90 रुपये 7.74 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। इस आईपीओ में एक लॉट 1,200 शेयर का था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति लॉट 10,680 रुपये तक का फायदा हो गया। इस कंपनी का 44.23 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर, 2026 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 3.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.50 (एक्स एंकर) गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.87 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.86 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 38.46 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल नई गाड़ियां खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पूजा लॉजिस्टिक्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 5.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 11.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 12.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 125.14 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 150.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 167.77 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 31.03 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 39.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

गोयल ने अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी, वाशिंगटन । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में जी-20 व्यापार बैठक से इतर अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश और उन्नत विनिर्माण में सहयोग के लिए आमंत्रित किया । गोयल ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स' (एनएएम) की बैठक में उन्होंने भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों में मजबूत गति के साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल को रेखांकित किया। उन्होंने मंगलवार देरशाम विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी में जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर 'एनएएम के द्वारा आयोजित कारोबारी गोलमेज बैठक को संबोधित किया, जिसमें पूरे अमेरिका से छोटे और बड़े मैन्युफ़ैक्चरर्स के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। गोयल देर शाम अमेरिका के शिकागो पहुंचे। वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री अपने संबोधन में भारत और अमेरिका के मजबूत आर्थिक संबंधों के साथ-साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल यानी कर्मचारियों की संख्या पर जोर दिया।

स्टॉक मार्केट में सांकेतिक बढ़त के साथ कोरइंटीग्रा कंसल्टिंग की एंट्री, मामूली मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड ह्यूमन रिसोर्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर कोरइंटीग्रा कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 78 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे की बढ़त के साथ 78.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर फिसल कर 74.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक चला गया। हालांकि बाद में लिवाली शुरू हो जाने की वजह से लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। लिवाली के सपोर्ट से ये एक बार फिर हरे निशान में पहुंच गया। दोपहर दो बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 78.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर सिर्फ 10 पैसे के फायदे में थे। इस कंपनी का 21.99 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर, 2026 के बीच सब्सक्रिप्शन के

लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 1.39 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.41 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,19,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने मौजूदा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपडेट करने, ब्रांड प्रमोशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कोरइंटीग्रा कंसल्टिंग सर्विसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 3.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.51 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 368.44 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 404.36 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 516.30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी को इस मोर्चे पर उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा।

लिक्विड डिजिटल इंडिया ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली । डिजिटल मार्केटिंग के काम में लगी कंपनी लिक्विड डिजिटल इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सुस्त शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 53.73 रुपये के स्तर पर हुई, जो इसके इश्यू प्राइस से मामूली रूप से नीचे रहा। कमज़ोर लिस्टिंग के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस शेयर की चाल में और गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव में थोड़ी ही

देर में कंपनी के शेयर गिरकर 51.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 2.95 रुपये यानी 5.46 प्रतिशत के नुकसान में रहे। इस कंपनी का 39.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 5.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व पोर्शन में 28.92 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 72,24,000 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 34.14 करोड़ रुपये के 63,22,000 नए शेयर जारी हुए हैं।

पेट्रोलियम (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा हितधारकों और सार्वजनिक सुझाव के लिए जारी

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा जनता की राय के लिए जारी किया है। इस मसौदे के साथ व्याख्यात्मक नोट साझा किया गया है, ताकि लोग इन संशोधनों को आसानी से समझ सकें और 30 अक्टूबर, 2026 तक अपनी प्रतिक्रिया या आपत्तियों को दर्ज करा सकें। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि विधायी पूर्व परामर्श के हिस्से के रूप में 'पेट्रोलियम (संशोधन) विधेयक, 2026' के मसौदा को हितधारकों और आम जनता के सुझावों के लिए जारी किया गया है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों से पूर्व-विधायी परामर्श के हिस्से के तौर पर टिप्पणियां और सुझाव मंगाना है। मंत्रालय ने बताया कि पेट्रोलियम (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा और संशोधन के संक्षिप्त निरीक्षण की व्याख्यात्मक टिप्पणी, 30 सितंबर, 2026 को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर डाल दी गई है। इसे आप https://mopng.gov.in/files/Whatsnew/Draft-Amendment-to-the-Petroleum-Act.pdf पर देख सकते हैं।

स्टॉक मार्केट में एसके ऑफसेट की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

फोल्डिंग कार्टन, लिथो लैमिनेटेड कार्बन और कॉरगेटेड बॉक्स का उत्पादन करने और ऑफसेट प्रिंटिंग, हाई क्वालिटी बुक प्रिंटिग तथा कमर्शियल प्रिंटिंग करने वाली कंपनी एसके ऑफसेट लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 125 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 0.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 126 रुपये

के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 129 रुपये के स्तर तक पहुंच गया।

हालांकि बाद में बिकवाली होने पर इसकी चाल में गिरावट भी आ गई। दोपहर 1:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 126 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर एक रुपये 0.80 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 29.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर, 2026 के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण यह ओवरऑल 1.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।